श्रावण कृष्ण पक्ष नवमी 02:42
उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

शनिवार, 19 जुलाई 2025
वर्ष 6, अंक 239, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

विशेष मामलों के लिए नई अदालतें करें स्थापित 12

उचित समय पर करूंगा भारत की यात्रा : ओली 14

...नये अवतार की ज़द्दोजहद

जीवन का हर कदम एक जद्दोजहद है।
यही जीवन है वरना जीवन का अर्थ क्या।
हौसला बुलंद हो तो सफलता कदम चूमती है।

गंगा तट पर दिखा आस्था का महासागर

श्रावण मास पर हरिद्वार में हर की पैड़ी पर हजारों शिवभक्त एकत्र हुए। श्रद्धालुओं ने गंगा में स्नान किया और भगवान शिव को अर्पित करने को गंगाजल ले गए। हाथों में रंग-बिरंगी कांवड़ लिए भक्त वातावरण को भक्तिमय बना रहे हैं। **अमृत विचार**

बिना डरे महिलाओं को बनाएं सशक्त

भागवत बोले- महिलाओं को रूढिवादी रीति-रिवाजों से मुक्त किया जाना चाहिए

पुणे, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण आवश्यक है और उन्हें (महिलाओं को) रूढिवादी रीति-रिवाजों एवं परंपराओं से मुक्त किया जाना चाहिए। महाराष्ट्र के सोलापुर में गैर-लाभकारी संगठन उद्योगवर्धनी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि महिलाएं किसी भी समाज का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

उन्होंने कहा कि एक पुरुष अपनी मृत्यु तक काम करता है। एक महिला भी अंत तक काम करती है, लेकिन उससे भी आगे वह आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती है। एक महिला के प्यार और स्नेह के तले बच्चे बढ़ते और परिपक्व होते हैं। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि राष्ट्रीय विकास के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ईश्वर ने महिलाओं को कुछ अतिरिक्त गुण दिए हैं, जिससे वे वह काम कर सकती हैं, जो पुरुष नहीं कर सकते। साथ ही, ईश्वर ने महिलाओं को वे सभी गुण दिए हैं, जो उन्होंने पुरुषों को दिए हैं, जिसके कारण वे वह सब कुछ कर सकती हैं, जो पुरुष कर सकते हैं। भागवत ने कहा कि इसलिए पुरुषों का यह दावा करना मूर्खता है कि वे महिलाओं का उत्थान करेंगे।

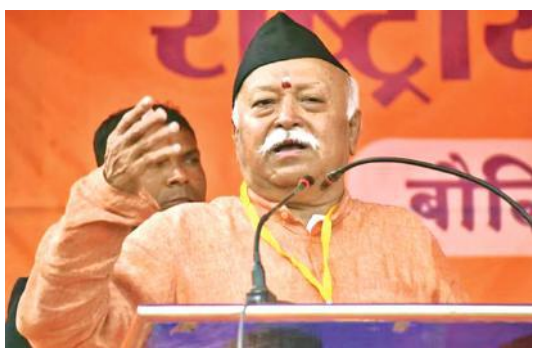

- सोलापुर में गैर-लाभकारी संगठन उद्योगवर्धनी के कार्यक्रम को किया संबोधित

अहंकार का कोई आधार नहीं

उन्होंने कहा कि इस तरह के अहंकार का कोई आधार नहीं है। महिलाओं को वह करने दें, जो वे करना चाहती हैं। बस उन्हें सशक्त बनाएं और उन्हें रूढिवादी रीति-रिवाजों एवं परंपराओं से मुक्त करें। जब एक महिला खुद का उत्थान करती है, तो वह पूरे समाज को ऊपर उठाती है।" आरएसएस प्रमुख ने महिलाओं को सशक्त एवं मजबूत बनाने में उद्योगवर्धिनी के योगदान की सराहना भी की।

प्रगति के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण बहुत अहम

आरएसएस प्रमुख ने कहा है कि देश की प्रगति के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने समाज से महिलाओं को बिना किसी भय या नियंत्रण के अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने की स्वतंत्रता देने का आग्रह किया। भागवत ने कहा कि पुरुष महिलाओं को डरा-धमका कर उन पर अनुशासन थोप सकते हैं और अस्थायी रूप से उनमें अच्छी आदतें भी डाल सकते हैं, लेकिन अगर आप सचमुच चाहते हैं कि महिलाएं सशक्त हों आपको उन्हें पुरानी परंपराओं की जंजीरों से मुक्त करना होगा और उन्हें फलने-फूलने का अवसर प्रदान करना होगा। राष्ट्रीय विकास में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि वास्तविक प्रगति के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। आरएसएस प्रमुख ने दुनिया में नकारात्मकता होने के बावजूद आशा के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बुरी चीज़ों से 40 गुना ज्यादा अच्छी चीज़ें हैं। चिंता करने के बदले हमें सकारात्मक प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। जैसे एक बीज से पेड़ बनता है और उस पेड़ से और ज्यादा बीज बनता है।

दिल्ली में सितंबर में होगा क्लाउड सीडिंग का परीक्षण: पर्यावरण मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी में कृत्रिम बारिश कराने और वायु प्रदूषण के स्तर में कमी लाने के लिए सितंबर में पहला 'क्लाउड सीडिंग' परीक्षण किया जाएगा। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पहले 'क्लाउड सीडिंग' परीक्षण जुलाई की शुरुआत में किया जाना था। हालांकि, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर और भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) पुणे से प्राप्त जानकारी से यह संकेत मिलने के बाद इसे टाल दिया गया था कि जुलाई में मौसम की स्थिति प्रभावी 'क्लाउड सीडिंग' के लिए अनुकूल नहीं होगी। इसके बाद परीक्षण के लिए सितंबर का महीना चुना गया, जो मानसून के चलते 'क्लाउड सीडिंग' परीक्षण के लिए अधिक उपयुक्त परिस्थितियां उपलब्ध कराता है।

- आईएमडी, आईआईटी कानपुर और आईआईटीएम पुणे से मिले संकेत के बाद जुलाई में होने वाला परीक्षण टाल दिया गया था

दिल्ली सरकार ने इस पायलट परियोजना के लिए 3.21 करोड़ आवंटित किए हैं, जिसका नेतृत्व आईआईटी-कानपुर का एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग कर रहा है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने परीक्षणों के लिए परिचालन मंजूरी दे दी है। विमान को 'क्लाउड सीडिंग' उपकरणों से लैस कर दिया गया है और इसके चालक दल के पास सभी आवश्यक लाइसेंस एवं प्रमाणपत्र हैं।

सिरसा ने स्पष्ट किया कि विमान निषिद्ध क्षेत्रों में उड़ान से बचेंगे और विमानन सुरक्षा मानदंडों का सख्ती से पालन करते हुए पूरी प्रक्रिया के दौरान कोई हवाई फोटोग्राफी नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा, हमने सभी आवश्यक अनुमतियां हासिल कर ली हैं और विमान पूरी तरह से तैयार है। 'क्लाउड सीडिंग' अब सितंबर के पहले और दूसरे सप्ताह में होगी। आईआईटी कानपुर ने विमान में उपकरण लगाने का काम पूरा कर लिया है और हम पूर्ण रूप से तैयार हैं। परीक्षण में सेसना 206-एच विमान (वीटी-आईआईटी) का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके तहत उत्तरी दिल्ली के प्रदूषण के लिहाज से अधिक संवेदनशील क्षेत्रों-रोहिणी, बवाना, अलीपुर और बुराड़ी के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के लोनी और बागपत जैसे हिस्सों में पांच उड़ानों के तहत 'क्लाउड सीडिंग' की जाएगी। सिरसा ने कहा, यह वायु प्रदूषण से निपटने के लिए एक वैज्ञानिक हस्तक्षेप है।

पूर्व सैनिक की पत्नी व बेटी के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को तेलंगाना में भूमि विवाद को लेकर सेना के एक सेवानिवृत्त मेजर जनरल की 70-वर्षीय पत्नी और उसकी बेटी के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द कर दिया और शिकायतकर्ता पर न्याय प्रणाली का दुरुपयोग करने के लिए 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने माला चौधरी और उनकी बेटी पुट्टागुंटा रेवती चौधरी की याचिका का तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा लापरवाही से निपटारा करने के दृष्टिकोण को बिल्कुल नपा तुला और लापरवाहीपूर्ण करार दिया। शीर्ष अदालत ने कहा, हाईकोर्ट ने अपीलकर्ताओं द्वारा दायर याचिका को कूट तरीके से निपटाते हुए, जैसा कि संकेत दिया गया था, पूर्णतया रूढिवादी दृष्टिकोण अपनाया... यहां तक कि मामले के गुण-दोष पर भी विचार नहीं किया। पीठ ने हाईकोर्ट द्वारा प्राथमिकी रद्द करने की याचिका को खारिज करने पर भी नाराजगी जताई।

असाध्य रोग वाले कैदियों की रिहाई को एक नियम जरूरी

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि जेल नियम राज्यों पर अलग-अलग लागू होते हैं और उन्हें असाध्य रोगों से पीड़ित कैदियों की रिहाई के लिए एक समान नियम बनाने चाहिए। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की उस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें असाध्य रोगों से पीड़ित या 70 वर्ष से अधिक आयु के कैदियों के एक समूह को जेल से रिहा करने का अनुरोध किया गया था।

केंद्र ने दावा किया कि इस मुद्दे पर एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की जा चुकी है और यह रिकॉर्ड में मौजूद है। हालांकि, पीठ ने कहा, अंततः, जेल नियम सभी राज्यों पर अलग-अलग लागू होते हैं। सभी राज्यों को एक समान जेल नियम बनाना होगा, जिसमें असाध्य रोगों से पीड़ित कैदियों की रिहाई पर विचार किया जाना चाहिए। केंद्र की ओर अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि सरकार असाध्य रोगों से पीड़ित कैदियों को लेकर चिंतित है और सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एसओपी में ऐसे कैदियों के प्रभावी प्रबंधन के लिए कदम उठाने की सलाह दी गई है।

- केंद्र का दावा- एक मानक संचालन प्रक्रिया तैयार, यह रिकॉर्ड में मौजूद

सरकार ने कहा कि राज्य या केंद्र शासित प्रदेश आम माफी के तहत ऐसे कैदियों की रिहाई पर भी विचार कर सकते हैं। पीठ ने दुरुपयोग की संभावना को चिह्नित करते हुए कहा कि ऐसे कैदियों और रिहाई के लाभ के हकदार लोगों के इलाज के मानक पर दिशानिर्देश होने चाहिए। याचिकाकर्ता के वकील ने नालसा की मानक संचालन प्रक्रिया का हवाला दिया और कहा, हमने परिभाषित किया है कि किसे असाध्य रूप से बीमार कैदियों की श्रेणी में रखा जाना चाहिए और इसे संबंधित जेल के चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रमाणित किया जाएगा।

इस पर पीठ ने टिप्पणी की, चिह्नित करना अलग बात है, लेकिन प्रमाणीकरण ही असली समस्या है। इसके दुरुपयोग की बहुत संभावना है। भाटी ने कहा कि केंद्र की मानक संचालन प्रक्रिया में इसके लिए एक मेडिकल बोर्ड गठित करने की बात कही गई है। दिल्ली सरकार की ओर से भी पेश हुए विधि अधिकारी ने कहा कि एक कैदी 1985 से दमा (अस्थमा) से पीड़ित है। नालसा के वकील ने कहा कि केरल में 94 वर्षीय कैदी है। पीठ ने उन कैदियों पर भी विचार-विमर्श किया जिन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।

श्रावण कृष्ण पक्ष नवमी 02:42
उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

शनिवार, 19 जुलाई 2025
वर्ष 6, अंक 239, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

विशेष मामलों के लिए नई अदालतें करें स्थापित 12

उचित समय पर करूंगा भारत की यात्रा : ओली 14

मोतिहारी में विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। ● एजेंसी

पूर्वी भारत के विकास को विकसित बिहार जरूरी :मोदी

मोतिहारी, एजेंसी

- मोतिहारी में बोले प्रधानमंत्री राजद ने हड़पी गरीबों की जमीन
- राज्य की उपेक्षा के लिए विपक्षी गठबंधन को जिम्मेदार ठहराया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर करारा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि उसने नौकरियों के झूठे वादे करके गरीबों की जमीन हड़प ली। मोदी ने जमीन के बदले नौकरी घोटाले की ओर इशारा करते हुए यह आरोप लगाया। साथ ही, उन्होंने कहा कि पूर्वी भारत के विकास के लिए विकसित बिहार जरूरी है। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मोतिहारी में प्रधानमंत्री ने नया नारा दिया, बनाएंगे नया बिहार, फिर एक बार एनडीए सरकार। उन्होंने कांग्रेस-राष्ट्रीय जनता दल (राजद) गठबंधन पर गरीबों और सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों के नाम पर राजनीति करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने अतीत में राज्य की उपेक्षा के लिए विपक्षी गठबंधन को जिम्मेदार ठहराया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने बिहार की धरती से 'ऑपरेशन सिंदूर' का संकल्प लिया था और दुनिया ने इसकी सफलता देखी है। मोदी ने जमीन के बदले नौकरी घोटाले की ओर इशारा करते हुए कहा कि राजद युवाओं को रोजगार देने के बारे में सोच भी नहीं सकता, क्योंकि उन्होंने (राजद नेताओं) नौकरी दिलाने के झूठे वादे करके गरीबों की जमीन हड़प ली। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में राजद-कांग्रेस शासन के दौरान विकास कोसों दूर था। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने कभी गरीबों की भलाई के बारे में नहीं सोचा। केवल गरीबों और सामाजिक रूप से पिछड़ों के नाम पर राजनीति की।

युवाओं को देंगे अधिक रोजगार के मौके

युवाओं के लिए और अधिक अवसरों का वादा करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार देश भर में नौकरियां और रोजगार के अवसर मुहैया करने के लिए एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगी। मोदी ने यह भी कहा कि पूर्वी भारत के समग्र विकास के लिए विकसित बिहार जरूरी है और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राज्य के समग्र विकास को लेकर प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पिछले 45 दिन में, सरकार ने बिहार में 24,000 स्वयं सहायता समूहों के लिए 1,000 करोड़ जारी किए हैं। देश में 1.5 करोड़ लखपति दीदियों में से 20 लाख राज्य में हैं।

विकास में बाधक है टीएमसी सरकार

दुर्गापुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सरकार को राज्य में निवेश रोजगार और विकास की राह में बाधक दीवार बताते हुए कहा कि टीएमसी की दीवार ढहेगी तभी राज्य प्रगति के रास्ते पर बढ़ पाएगा। मोदी ने यहां एक सभा में कहा कि टीएमसी के भ्रष्टाचार, उगाही और अराजकता के कारण देश और दुनिया के निवेशक पश्चिम बंगाल में निवेश से डरते हैं। दुर्गापुर और आसनसोल में उद्योग बंद हो रहे हैं। युवाओं को रोजी रोटी के लिए दूसरे राज्यों में जाना पड़ रहा है।

योगी की दो टूक, लातों के भूत बातों से कभी नहीं मानने वाले

भगवा गमछा पहनकर या अल्लाह बोल आगजनी करने वाले का किया पर्दाफाश

- वाराणसी में बिरसा मुंडा पर संगोष्ठी में समाज में विभेद पैदा करने वालों पर साधा निशाना
- कुछ लोग सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट से कराना चाहते हैं जातिसंघर्ष, होगी कड़ी कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जौनपुर में जबरदस्ती नियमों को ताक पर रखकर ऊंचा ताजिया बनाया गया, जो हाईटेंशन तार की चपेट में आया और तीन लोग मारे गए। फिर रास्ता जाम किया गया। पुलिस वालों ने पूछा- क्या करें? मैंने कहा- लाठी मारकर बाहर करो, क्योंकि ये लातों के भूत बातों से नहीं मानेंगे। ऐसे लोगों को समझना होगा कि सामाजिक समरसता बनाए रखना जरूरी है।

मुख्यमंत्री दो दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान शुक्रवार को वसंत महिला महाविद्यालय में जनजातीय गौरव बिरसा मुंडा पर आधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करने के बाद संबोधन कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने समाज में विभेद पैदा करने वालों पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट बनाकर जातियों और समुदायों के बीच संघर्ष की स्थिति पैदा कर रहे हैं। उन्होंने एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि दो-तीन साल पहले एक आगजनी की घटना हुई थी। तब मैंने कहा था कि यह आगजनी किसी विशेष समुदाय ने नहीं की होगी। जांच में पता चला कि आगजनी करने वाला व्यक्ति भगवा गमछा पहने था, लेकिन उसके मुंह से या अल्लाह निकला। ऐसे लोगों को चिह्नित कर समाज से बाहर करना होगा, तभी राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जो लोग समाज को तोड़ने का काम करते हैं, वे वही हैं जो फर्जी अकाउंट बनाकर जातीय संघर्ष को बढ़ावा देते हैं। यह वही वर्ग है, जिसने आदिवासियों को भड़काने और भारत के खिलाफ खड़ा करने का प्रयास किया। इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है।

मुख्यमंत्री योगी ने सामाजिक समरसता पर जोर देते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा में न जाति का भेद है, न मत का, न सम्प्रदाय का। उन्होंने कहा कि आज कांवड़ यात्रा भक्तिभाव से चल रही है, लेकिन कुछ लोग इसे उपद्रवियों का नाम दे देते हैं। यह वही वर्ग है, जो आदिवासियों को भड़काता है। हमें इनसे सतर्क रहना होगा। योगी ने जनजातीय समाज को भारत का मूल समाज बताते हुए इसके ऐतिहासिक योगदान पर चर्चा की।

इस अवसर पर पद्मश्री अशोक भगत, प्रदेश के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, अनिल राजभर, राज्यमंत्री रविन्द्र जायसवाल, दयाशंकर मिश्र दयालु, विधायकगण डॉ. नीलकंठ तिवारी, डॉ. अवधेश सिंह, सुशील सिंह, एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, धर्मेन्द्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

जनजातीय समाज सनातन परंपरा का आधार

मुख्यमंत्री ने जनजातीय समाज को भारत की सनातन परंपरा का आधार बताते हुए कहा कि यह समाज हर कालखंड में देश की रक्षा और संस्कृति के संरक्षण के लिए अग्रिम पंक्ति में खड़ा रहा है। उन्होंने भगवान राम, भगवान कृष्ण, महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी महाराज के समय में जनजातीय समाज के योगदान का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने बिरसा मुंडा को राष्ट्रीय आंदोलन का उत्प्रेरक बताते हुए कहा कि जनजातीय समाज ने हमेशा भारत की विरासत और धरोहर को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने डबल इंजन सरकार की जनजातीय समाज के लिए किए गए विकास कार्य गिनाए।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल का बेटा चैतन्य गिरफ्तार

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को कथित शराब घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। दुर्ग जिले के भिलाई शहर में चैतन्य बघेल के घर पर छापेमारी के बाद उनको धन शोधन रोधी अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हिरासत में लिया गया। पिता-पुत्र दोनों एक ही जगह रहते हैं। घर के बाहर भारी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद थे। कुछ पार्टी समर्थक भी वहां जमा थे। भूपेश बघेल ने कहा कि आज चैतन्य का जन्मदिन है।

● शराब घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में ईडी की कार्रवाई

सूत्रों के अनुसार, एक विशेष पीएमएलए अदालत ने चैतन्य को पांच दिन की ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) हिरासत में भेज दिया है। चैतन्य बघेल को धन शोधन रोधी अधिनियम की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया गया क्योंकि मामले में नए सबूत मिलने के बाद की गई छापेमारी के दौरान वह कथित तौर पर सहयोग नहीं कर रहे थे। सूत्रों ने बताया कि चैतन्य बघेल से कथित रूप से जुड़ी कंपनियों को शराब घोटाले से अर्जित लगभग 17 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई।

उत्तराखंड में भी छांगुर बाबा का नेटवर्क, एटीएस का छापा

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- अवैध धर्मांतरण रैकेट से जुड़ा संदिग्ध युवक देहरादून से गिरफ्तार
- पांच लोगों पर उत्तराखंड धार्मिक स्वतंत्रता एक्ट में मामला दर्ज

अमृत विचार : देश भर में धर्मांतरण के मास्टरमाइंड छांगुर बाबा उर्फ जलालुद्दीन का उत्तराखंड कनेक्शन भी सामने आ रहा है। देहरादून में अवैध धर्मांतरण के प्रयास में 5 आरोपियों के खिलाफ उत्तराखंड धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज कराया गया है। यूपी एटीएस, एसटीएफ और दून पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में देहरादून से एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

एसएसपी देहरादून अजय सिंह ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता में बताया कि गुरुवार को यूपी एटीएस ने उनसे सम्पर्क कर गोपनीय सूचनाओं का आदान-प्रदान किया था, उनके द्वारा देहरादून में एक संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी साझा करते हुए आगरा में धर्मान्तरण रैकेट के संबंध में दर्ज मुकदमे में शंकरपुर, सहसपुर (देहरादून) निवासी अब्दुल रहमान को पूछताछ हेतु हिरासत में लेने तथा अभियोग से संबंधित अन्य सूचनाओं को साझा किया गया था। अब्दुल रहमान उर्फ रूपेंद्र सिंह के संबंध में बताया गया कि वह वर्ष 2012 में धर्म परिवर्तन कर चुका था। एसएसपी के अनुसार, इस मामले में पुलिस और एसटीएफ द्वारा संदिग्ध इंस्टाग्राम आईडी की मॉनिटरिंग की गई। उत्तराखंड के रानीपोखरी क्षेत्र में एक संदिग्ध युवती की आईडी की जानकारी मिली। उक्त महिला के यूपी एटीएस द्वारा शंकरपुर सहसपुर से गिरफ्तार किए गए अब्दुल रहमान के सम्पर्क में होने की जानकारी मिली। युवती के पिता राजकुमार बजाज निवासी रानीपोखरी द्वारा भी अपनी पुत्री को धर्मान्तरण के लिए कुछ मुस्लिम युवकों व युवती द्वारा विवश करने के संबंध में एक तहरीर थाना रानीपोखरी पर दी गई, जिसके आधार पर थाना रानीपोखरी में एक अभियोग पंजीकृत किया गया। प्रारंभिक जांच में युवती के उत्तर प्रदेश, गोवा तथा दिल्ली में कुछ संदिग्ध इन्स्टाग्राम आईडी से सम्पर्क में होने की जानकारी प्राप्त हुई है।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों ने 6 नक्सली मार गिराए

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में शुक्रवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में छह नक्सलियों को मार गिराया। बस्तर क्षेत्र के आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी के आधार पर सुरक्षाबलों के संयुक्त दलों को नक्सल विरोधी अभियान पर भेजा गया था।

सुंदरराज ने बताया कि अभियान के दौरान दोपहर से सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ चल रही है। अब तक तलाशी अभियान के दौरान मुठभेड़ स्थल से छह नक्सलियों के शव, एके-47 और एसएलआर राइफल, कई अन्य हथियार, विस्फोटक सामग्री तथा दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की गई हैं।

अमेरिका ने टीआरएफ को घोषित किया आतंकी संगठन

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

● द रेजिस्टेंस फ्रंट ने ली थी पहलगाम हमले की जिम्मेदारी

अमेरिका ने पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के मुखौटा संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकवादी संगठन घोषित किया है। टीआरएफ ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी ली थी।

अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान जारी करके यह जानकारी दी। बयान में विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि यह कार्रवाई पहलगाम हमला मामले में न्याय संबंधी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुख पर अमल की अमेरिका की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। अमेरिका के इस कदम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए वाशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास ने कहा कि इससे पता चलता है कि भारत-अमेरिका आतंकवाद-रोधी सहयोग कितना मजबूत है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए हमले में 26 लोग मारे गए थे। द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने इस हमले की ज़िम्मेदारी ली थी लेकिन बाद में भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने पर उसने अपना बयान वापस ले लिया था।

लालू प्रसाद के खिलाफ कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को सीबीआई के जमीन के बदले नौकरी मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के खिलाफ निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय से सीबीआई की प्राथमिकी रद्द करने की उनकी याचिका पर सुनवाई में तेजी लाने को कहा। शीर्ष अदालत ने मामले में यादव को स्वास्थ्य आधार पर निचली अदालत में पेशी से छूट भी प्रदान की।

जस्टिस वर्मा ने की जांच रिपोर्ट रद्द करने की मांग

नकदी मामला: सुप्रीम कोर्ट में याचिका, कहा-खुद को साबित करने का मौका नहीं मिला

नई दिल्ली, एजेंसी

महाभियोग का प्रस्ताव लाना सांसदों का विषय : मेघवाल

नई दिल्ली। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शुक्रवार को कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाना पूरी तरह से सांसदों का विषय है और सरकार इसमें कहीं भी शामिल नहीं है। मेघवाल ने बताया कि न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ नकदी जब्त होने से जुड़े आरोपों की जांच के लिए तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा गठित आंतरिक समिति अपनी रिपोर्ट सौंप चुकी है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा ने आंतरिक जांच समिति की उस रिपोर्ट को अमान्य ठहराने का अनुरोध करने के लिए उच्चतम न्यायालय का रुख किया है, जिसमें उन्हें नकदी बरामदगी मामले में कदाचार का दोषी पाया गया है।

वर्मा ने तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा 8 मई को की गई, संसद से उनके खिलाफ महाभियोग चलाने का आग्रह करने वाली सिफारिश को रद्द करने की मांग की है। सरकार 21 जुलाई से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में वर्मा को हटाने के लिए प्रस्ताव लाने की योजना बना रही है। अपनी याचिका में, न्यायमूर्ति वर्मा ने कहा कि जांच ने 'साक्ष्य प्रस्तुत करने की उस जिम्मेदारी को उलट दिया, जिससे उन्हें अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच करनी है और उन्हें गलत साबित करना है। न्यायमूर्ति वर्मा ने आरोप लगाया कि समिति के निष्कर्ष एक पूर्वकल्पित कहानी पर आधारित थे। जांच समिति ने उन्हें पूर्ण और निष्पक्ष सुनवाई का अवसर दिए बिना ही प्रतिकूल निष्कर्ष निकाले। याचिका को सुनवाई के लिए किसी पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाना है। घटना की जांच कर रही समिति की रिपोर्ट में कहा गया था कि न्यायमूर्ति वर्मा और उनके परिवार के सदस्यों का उस स्टोर रूम पर गुप्त या सक्रिय नियंत्रण था जहां बड़ी मात्रा में अधजली नकदी मिली थी और इससे उनके कदाचार का प्रमाण मिलता है जो इतना गंभीर है कि उन्हें हटाया जाना चाहिए।

JPM GROUP OF INSTITUTIONS

Affiliated to Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly (MJPRU Code: 128)
Affiliated to SCERT, Lucknow (SCERT Code: 080004). Approved by NCTE, New Delhi
Affiliated to BTE, Lucknow (BTE Code: 2354) and Approved by PCI New Delhi (PCI Code: 5493)

JPM PG COLLEGE
JPM COLLEGE OF PHARMACY
JPM COLLEGE OF TEACHER'S TRAINING

Free Registration* - Upto 100% Scholarships

D.El.Ed.
₹20,000 Scholarship for All
B.El.Ed.
Upto ₹10,000 Scholarship for All
D.Pharma
B.Sc. (Bio. Tech) NEW COURSE
B.Sc. (Environmental Sc.) NEW COURSE
M.Sc. (Agriculture Hons)

ADMISSION OPEN
SESSION 2025-26

- B.Sc.(PCM/ZBC)
- B.Sc.(H.Sc.)
- BBA
- B.Com.
- M.Sc.(Chemistry/Zoology)
- M.Sc.(Human Dev.)
- BCA
- BA
- M.Sc. (H.Sc.)
- M.Sc. (Food & Nutrition)
- M.Com.
- MA
- M.Sc. (Ag) Agronomy / Animal Husbandry & Dairying / Agricultural Chemistry.
- B.Sc. (Agriculture Hons)

#T&C Apply.

100% Placement Assistance
For Eligible Candidate

Enquire Now
8899484668, 9149232322, 8057037500
www.jpmc.ac.in

Campus: Bhairpura Khajuria, Nainital Road, Bareilly (UP) 243202
City Office: City Heart Enclave, Opp. Model Town Gate, Stadium Road, Bareilly 243005 (UP)

भूजल बचाओ पर बहस और स्लोगन में छात्रों ने दिखाई जागरुकता

शाहजहांपुर, अमृत विचार: जल संरक्षण पर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से भूजल सप्ताह के अंतर्गत वाद-विवाद व स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन सरदार पटेल हिंदू इंटर कॉलेज में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य संजय कुमार कपूर ने किया। उन्होंने कहा कि जल के बिना जीवन संभव नहीं, सभी को जल संरक्षण का संकल्प लेना होगा।

कार्यक्रम में इतिहास प्रवक्ता राम सिंह, हिंदी प्रवक्ता रामकुमार मौर्य, वाणिज्य प्रवक्ता बुधपाल सिंह, मनोविज्ञान प्रवक्ता अनिल कुमार, शिक्षक श्रवण कुमार आदि मौजूद रहे। छात्रों ने जल बचाओ, भूजल रिचार्ज, भविष्य का पानी जैसे स्लोगन पेश किए। वाद-विवाद प्रतियोगिता में कक्षा 7 के छात्र कुशाग्र प्रताप सिंह, प्रथम, समर्थ प्रजापति द्वितीय स्थान पर रहे। जबकि स्लोगन प्रतियोगिता में कक्षा दस के छात्र अमितेश प्रथम और गोविंद द्वितीय स्थान पर रहे।

सहजन वन में 25,000 पौधों का वृहद वृक्षारोपण, रचा इतिहास

एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत अटल सहजन वन की हुई स्थापना, औषधीय गुणों से भरपूर होता है सहजन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : जिला प्रशासन ने ग्राम पंचायत तुर्कीखेड़ा में अटल सहजन वन की स्थापना कर एक पर्यावरणीय पहल की है। एक पेड़ मां के नाम व पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ महाअभियान के तहत एक ही दिन में 25,000 सहजन पौधों का सामूहिक रोपण किया गया। इसे स्थानीय प्रशासन ने जनपद में अब तक का सबसे बड़ा सहजन रोपण बताते हुए ऐतिहासिक कदम कहा है।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक ददरौल अरविंद कुमार सिंह ने जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह और मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अपराजिता सिंह के साथ संयुक्त रूप से फीता काटकर व भूमि पूजन कर किया। शुभारंभ के बाद जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, स्वयंसेवकों और ग्रामीणों ने एक साथ पौधे रोपित किए और संरक्षण का संकल्प लिया। सहजन (ड्रमस्टिक/मोरिंगा) को बहुउपयोगी, पोषक तत्वों से भरपूर और औषधीय गुणों वाला पौधा माना जाता है। इसकी पत्तियां, फलियां, बीज और यहां तक कि छाल भी पारंपरिक चिकित्सा और पोषण योजनाओं में उपयोगी मानी जाती हैं। शोधों में सहजन को विटामिन ए, सी, कैल्शियम, आयरन, पोटैशियम और प्रोटीन सहित कई सूक्ष्म पोषक तत्वों का अच्छा स्रोत बताया गया है। इसे कुपोषण से लड़ने, रोग प्रतिरोधक क्षमता को सहारा देने और समग्र स्वास्थ्य में सहयोगी संभावनाओं के कारण सुपरफूड भी कहा जाता है। उपभोक्ता स्वास्थ्य व पोषण विशेषज्ञ यह भी बताते हैं कि सहजन के नियमित आहार-स्तरीय उपयोग से पाचन सहायता, रक्त शर्करा प्रबंधन और सूजनरोधी प्रभावों की संभावनाएं चर्चा में रही हैं। यद्यपि कई दावों पर और व्यापक मानव-अध्ययन की आवश्यकता बनी हुई है। विधायक अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री की प्रेरणा पर छह महीने पहले ही सहजन वन के लिए भूमि चयन, गड्ढा खुदाई, पौधा उपलब्धता और सिंचाई प्रबंध की तैयारी शुरू करा दी थी। उन्होंने कहा कि भैंसी नदी के पुनर्जीवन सहित जिले की हरित पहलों को व्यापक जनसहयोग मिला है और सहजन वन उसी कड़ी का विस्तार है। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख ददरौल राजाराम वर्मा, डीसी मनरेगा यशोवर्धन सिंह, पुनीत पाठकक आदि रहे।

पौधारोपण करते डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह और सीडीओ डॉ. अपराजिता सिंह। ● अमृत विचार

- पोषण, औषधीय महत्व और सामुदायिक भागीदारी की मिसाल बनेगा यह वन

पर्यावरण संरक्षण से पोषण संवर्धन तक एकीकृत पहल

डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि सहजन ऐसा पौधा है, जिसमें सर्वांगपूर्ण उपयोगिता है पर्यावरणीय, पोषणीय और आयुर्वेदिक तीनों दृष्टियों से लाभकारी गुण हैं। अटल सहजन वन का लक्ष्य हरित आवरण बढ़ाना, ग्रामीणों को पौष्टिक विकल्प उपलब्ध कराना तथा भविष्य में सामुदायिक आहार योजनाओं विशेषकर विद्यालयों के मध्यान्ह भोजन में सहजन उत्पादों को सम्मिलित करने की संभावना को खोलना है। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों, स्वयंसेवी संस्थाओं और शिक्षण संस्थानों से पौधों की दीर्घकालिक देखभाल सुनिश्चित करने की अपील की।

एक पेड़ मां के नाम से जुड़तीं भावनाएं

कार्यक्रम को स्थानीय सांस्कृतिक अभियान एक पेड़ मां के नाम से जोड़ा गया। मंच से डीएम ने बच्चों, महिलाओं और ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने घरों में कम से कम एक पौधा अपनी मां के नाम से अवश्य लगाएं और उसका पालन-पोषण करें। उन्होंने कहा कि पौधों की देखभाल मां की सेवा जैसी है दोनों में धैर्य, समय और स्नेह चाहिए।

चैट जीपीटी से पूछें सहजन के फायदे: डीएम

ग्रामीण छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए डीएम ने कहा कि वे पढ़ाई पर ध्यान दें और डिजिटल शिक्षण संसाधनों का उपयोग कर ज्ञान बढ़ाएं। वह चैट जीपीटी से सहजन के लाभ पूछ सकते हैं, समझ सकते हैं कि यह पौधा आपके स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए कितना उपयोगी है। यह अपील कार्यक्रम को परंपरा से तकनीक तक जोड़ने वाली एक अनूठी झलक दे गई।

कांशीराम कॉलोनी में पानी का संकट 5 दिन से सूखे नल

जलालाबाद, अमृत विचार: कांशीराम कॉलोनी निवासी पांच दिन से पानी संकट से जूझ रहे हैं। कॉलोनी में पानी सप्लाई के लिए लगा समरसिबल मोटर खराब होने के कारण आपूर्ति बाधित है। कॉलोनी में कुल 156 आवास हैं, जहां लगभग 1000 से अधिक लोग रहते हैं। पीने के पानी से लेकर नहाने और घरेलू कामकाज तक में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शुक्रवार को कॉलोनी वासियों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में मानसिंह, अजय, राजीव, छुट्टन अली, शरीफ, रामौतार समेत कई पुरुष व महिलाएं शामिल हुईं। कॉलोनीवासियों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद नगरपालिका के कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचे। नगरपालिका के सुपरवाइजर नितिन शर्मा ने बताया कि समरसिबल मोटर मरम्मत के लिए शाहजहांपुर भेजी गई है। अस्थायी समाधान के तौर पर कॉलोनी में दो पानी के टैंकर लगवाए गए हैं।

कन्या जन्मोत्सव मनाकर माताओं को किया सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : ददरौल ब्लॉक के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मिशन शक्ति एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह व जिला प्रोबेशन अधिकारी गौरव मिश्रा के निर्देशानुसार महिला कल्याण विभाग द्वारा इस सप्ताह जन्मी 10 बच्चियों को बेबी किट वितरित की गई।

एमओआईसी डॉ. अमित यादव ने मरीजों को नवजात बच्चियों की माताओं व सभी को साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने को कहा। जिला मिशन कोऑर्डिनेटर अमृता दीक्षित ने बच्चियों के माता व पिता को कन्या सुमंगला योजना से लाभान्वित होने के लिए जनसेवा पर आवेदन करने के लिए बताया। महिला कल्याण विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी। साथ ही कन्या सुमंगला योजना के पम्पलेट वितरित किए गए। जेंडर स्पेशलिस्ट कीर्ति मिश्रा द्वारा बताया गया। इस अवसर पर डॉ. अमित यादव, जिला मिशन कोऑर्डिनेटर अमृता दीक्षित ,जेंडर स्पेशलिस्ट कीर्ति मिश्रा, रश्मि देवी, पूजा , सोनम आदि महिलाएं मौजूद रहीं।

महिला कल्याण विभाग द्वारा महिलाओं को सम्मानित किया गया।

बैंक ऑफ बड़ौदा के स्थापना दिवस पर किया रक्तदान

शाहजहांपुर, अमृत विचार : बैंक ऑफ बड़ौदा के 118वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 31 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर महादान किया। कार्यक्रम का उद्घाटन क्षेत्रीय प्रबंधक दीपक कुमार ने किया।

क्षेत्रीय प्रबंधक ने रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है। एक यूनिट रक्त कई ज़िंदगियों को बचा सकता है। हर व्यक्ति को अपने जीवन में रक्तदान अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बैंक ऑफ बड़ौदा न केवल वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में अग्रणी है बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत भी निरंतर जनहित के कार्यों में सक्रिय रहता है।

यूरिया के लिए लंबी कतार, पुलिस ने संभाला मोर्चा

संवाददाता, खुटार

अमृत विचार : धान और गन्ने की फसल में खाद डालने के मौसमी दबाव के बीच शुक्रवार को खुटार ब्लॉक के किसानों में यूरिया खाद को लेकर जबरदस्त होड़ देखने को मिली। इफको किसान केंद्र खुटार पर सुबह से ही किसानों की लंबी लाइनें लग गईं। हालात तब बिगड़ने लगे, जब खाद लेने के लिए धक्का-मुक्की और अभद्रता शुरू हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मोर्चा संभालते हुए लाइन में व्यवस्था बहाल कराई।

तेज धूप में किसान पूरे दिन लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे। इफको केंद्र खुटार के प्रभारी राजीव सिंह चौधरी ने बताया कि शुक्रवार को केंद्र पर 1100 बोरी यूरिया उपलब्ध थी, जिसे शाम तक किसानों में बांट दिया गया। केंद्र पर यूरिया की कोई कमी नहीं है। हर दिन स्टॉक आ रहा है। किसानों को परेशानी नहीं होगी। उन्होंने बताया कि पहले केंद्र पर सिर्फ एक फिंगर मशीन थी, जिसकी वजह से लाइन लंबी हो रही थी। शुक्रवार को एक और मशीन उपलब्ध कराई गई। दो मशीनों से डबल लाइन में किसानों को यूरिया दिया जा रहा है। इफको केंद्र के अलावा सहकारी समिति रौतापुर कला और नारायणपुर विक्रमपुर समिति पर भी किसानों की भारी भीड़ जुटी रही। रौतापुर कला समिति पर गहमा-गहमी बढ़ने पर सचिव अरुण गुप्ता ने किसानों को समझा-बुझाकर शांत कराया, जिसके बाद वितरण सुचारू ढंग से शुरू हुआ। जुलाई में धान और गन्ने की फसल में प्रारंभिक यूरिया डालना अनिवार्य होता है। समय पर यूरिया न मिलने पर फसल की बढ़वार प्रभावित होती है। यही कारण है कि इस समय किसानों में खाद लेने की होड़ लग जाती है।

यूरिया के लिए लाइन में लगे किसान। ● अमृत विचार

- धूप में पसीना बहाते हुए लाइन में खाद लेने को घंटों खड़े रहे किसान

बिजली निजीकरण व मर्जर के विरोध में उतरी वोटर्स पार्टी

नायब तहसीलदार अपूर्वा सिंह को ज्ञापन देते वोटर्स पार्टी के पदाधिकारी।

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: वोटर्स पार्टी इंटरनेशनल उत्तर प्रदेश सरकार के बिजली निजीकरण के प्रस्ताव और सरकारी स्कूलों को मर्ज करने के निर्णय के खिलाफ उतर आई है। पार्टी ने आंदोलन की चेतावनी दी है। पार्टी ने कहा कि अगर बिजली निजीकरण का प्रस्ताव तुरंत वापस नहीं लिया गया तो लाखों कार्यकर्ता आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

पार्टी की मांग है कि सरकारी स्कूलों का निजीकरण रोका जाए और शिक्षा का कक्षा 12 तक निशुल्क व चरणबद्ध तरीके से राष्ट्रीयकरण किया जाए। वोटरशिप कानून लागू कर प्रत्येक वयस्क नागरिक को 11,900 मासिक आय सुनिश्चित की जाए। समाज सेवा को रोजगार का दर्जा देकर सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं को चतुर्थ श्रेणी वेतन के बराबर भुगतान किया जाए। किसानों को स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप समर्थन मूल्य और कृषि को उद्योग का दर्जा दिया जाए। इस दौरान विनोद सिंह, रामनिवास वर्मा, कप्तान सिंह, सत्यपाल शंखवार, सुरेशचंद्र वर्मा, भंवरपाल, हनुमंत वर्मा, गयादीन वर्मा, शिवसागर, रामकिशोर, उदयवीर सिंह आदि रहे।

सार-संक्षेप

बिना लाइसेंस चल रहे निजी अस्पतालों में की छापेमारी

पुवायां,अमृत विचार : सीएचसी प्रभारी ने बिना लाइसेंस क्षेत्र में चल रहे निजी अस्पतालों व तमाम झोलाछाप के खिलाफ छापेमार अभियान चलाया। इस दौरान तमाम अस्पताल संचालकों में हड़कम्प मच गया उच्चाधिकारियों के निर्देश पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्साधिकारी डॉ. नरेंद्र पाल ने क्षेत्र में चल रहे तमाम फर्जी अस्पतालों व झोलाछाप के खिलाफ छापेमार अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने बण्डा रोड निगोही रोड, कहमारा रोड व नगर तथा ग्रामीण क्षेत्र के लगभग आधा दर्जन फर्जी अस्पतालों को चेक किया, जो अपने दस्तावेज नहीं दिखा सके। इसके अलावा उन्होंने नाहिल रोड के दो झोलाछाप के पास पहुंचकर भी निरीक्षण किया। हालांकि इस दौरान वह दोनों मौके से भाग निकले। चिकित्साधिकारी डॉ. नरेंद्र पाल ने बताया कि फर्जी अस्पतालों के खिलाफ छापेमारी की गई थी। दस्तावेज नहीं दिखा सके। जिस पर उन्हें अस्पताल बंद करने की हिदायत दी गई है।

बिजली बिल संशोधन कैंप में 2.40 लाख की वसूली

मीरानपुर कटरा, अमृत विचार : क्षेत्रीय बिजली उपभोक्ताओं की लंबित बिल त्रुटियों और शिकायतों के समाधान के लिए बिजली घर परिसर में दो दिवसीय मेगा बिल संशोधन कैंप शुरू हुआ। पहले दिन 45 उपभोक्ताओं ने अपना पक्ष रखा, जिनमें से 38 मामलों का तत्काल निस्तारण कर दिया गया। सुधारित बिल जारी होने के साथ ही 2,40,000 राजस्व की वसूली हुई। शेष शिकायतों पर प्रक्रिया जारी है। कैंप कल दूसरे दिन भी चलेगा, जिसमें लंबित बिल जमा कराने और मीटर/ रीडिंग/ लोड सुधार के मामलों का निपटारा किया जाएगा। कार्यक्रम में अधिशासी अभियंता केएन पांडेय, एसडीओ धर्मेंद्र सिंह, जेई मुनेंद्र यादव, अंकुर बाबू, विज्ञान मिश्रा सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

अब मैन्युअल पास होगा नक्शा

शाहजहांपुर, अमृत विचार : पिछले कुछ समय से शाहजहांपुर विकास प्राधिकरण के पोर्टल पर अपडेट होने के चलते नक्शा बगैरह पास न होने के चलते लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। उक्त समस्या प्रदेश के सभी प्राधिकरणों में मानचित्रों के स्वीकृति के लिए बनी हुई थी। इसे दूर करते हुए अब कुछ समय के लिए भवनों के मानचित्र मैनुअल पास करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

प्राथमिक विद्यालय मर्जर के विरोध में किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : कांट ब्लॉक का ग्राम कादरदादपुर जाटव गोटिया के अभिभावकों ने ग्राम के प्राथमिक विद्यालय को दूसरे विद्यालय में मर्ज किए जाने के निर्णय पर आपत्ति जताई है। अभिभावकों ने जिलाधिकारी शाहजहांपुर तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को संबोधित एक प्रार्थना पत्र देकर मर्जर आदेश निरस्त कर विद्यालय को पुनः यथास्थान संचालित किए जाने की मांग की है।

गांव का यह एकमात्र प्राथमिक विद्यालय हाल ही में प्रशासनिक निर्णय के तहत दूसरे विद्यालय से जोड़ा गया। अभिभावकों का कहना है कि मर्जर से बच्चों की शिक्षा प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो रही है। खासतौर पर छोटे बच्चों, कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि वाले परिवारों और बरसात के मौसम में जोखिमपूर्ण मार्ग से गुजरने को मजबूर विद्यार्थियों को भारी दिक्कत उठानी पड़ रही है। वर्तमान में विद्यालय में 38 विद्यार्थी नामांकित हैं और भी बच्चों का प्रवेश प्रस्तावित है, इसलिए विद्यालय बंद करना अनुचित बताया है। पास के दो मजरों के बच्चों के लिए सुलभः एक मजरा विद्यालय से लगभग 500 मीटर दूरी पर है। स्थानीय बच्चों की नियमित उपस्थिति में यह दूरी अनुकूल थी। मर्ज किया गया विद्यालय बहुत दूरः नया संलग्न विद्यालय लगभग 2.5 किमी दूर है, रास्ते में दो बड़े नाले हैं जो बरसात में भर जाते हैं, जिससे छोटे बच्चों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा है।

कलेक्ट्रेट में बच्चों के साथ प्रदर्शन करते अभिभावक। ● अमृत विचार

- अभिभावकों ने कहा जोखिम उठाकर बच्चों को भेजना पड़ रहा स्कूल

ग्राम की अधिकांश आबादी अनुसूचित जाति एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से आती है। अभिभावकों का कहना है कि आर्थिक सीमाओं के चलते वे बच्चों को रोज़ दूर भेजने में सक्षम नहीं और परिवहन व्यवस्था न होने से शिक्षा पर सीधा असर पड़ेगा। कामता प्रसाद, रामौतार, नरवीर, सुरपति सिंह सहित ग्राम के अनेक अभिभावकों ने सामूहिक हस्ताक्षर कर कहा कि प्रशासन स्थानीय भू-स्थिति, बच्चों की सुरक्षा, सामाजिक पृष्ठभूमि और मौजूदा नामांकन को ध्यान में रखकर निर्णय पर पुनर्विचार करें। प्राथमिक विद्यालय कादरदादपुर जाटव गोटिया को मर्जर से मुक्त किया जाए।

एक नजर

होटल में पकड़े गए युवक और युवतियां

शाहजहांपुर, अमृत विचार : चौक कोतवाली क्षेत्र में बरेली मोड़ पर एक होटल में अवैध गतिविधियों का मामला प्रकाश में आया है। स्थानीय संगठन की सूचना पर पुलिस ने दो युवक और दो युवती को पकड़ा था। कमरों के दरवाजे अंदर से बंद मिले थे। दरवाजे खुलवाने पर युवक और युवतियां आपत्तिजनक स्थिति में मिली थी। पुलिस चौकी अजीजगंज से कुछ दूरी पर होटल है। प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार सिंह ने पकड़े गए युवक और युवतियों बालिग है और परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

बैठक में गन्ना किसानों के विषय मे हुई वार्ता

पुवायां, अमृत विचार : सहकारी गन्ना विकास समिति के कार्यालय में हुई बोर्ड बैठक में अध्यक्ष महेंद्र पाल की अध्यक्षता में तमाम सदस्यों ने अलग अलग प्रस्ताव दिए। इस दौरान गन्ना किसानों को लेकर क्षेत्र में क्रय केंद्रों तक सड़क निर्माण, प्रत्येक सदस्य को एक किमी कच्ची सड़क का निर्माण कराना, किसान को स्प्रेयर मशीन दिलाना, गन्ना सर्वे तथा तमाम विकास कार्यों सम्बन्धी वार्ता हुई। इस दौरान समिति सचिव विनोद कुमार व पूर्णिमा मिश्रा, संजय चौधरी, अशोक सिंह, शकुंतला देवी, अशोक वर्मा, लेखराज, संगीता कटियार, प्रशांत समेत तमाम सदस्य मौजूद रहे।

घर बैठे डी-फार्मा की डिग्री दिलाने के नाम पर 1.82 लाख रुपये की ठगी

मध्यांचल प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी भोपाल की फर्जी मार्कशीट थमाई, रकम वापस मांगने पर धमकाया

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● तहरीर के बाद आरोपी पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज

अमृत विचार: दूरस्थ कोर्स के नाम पर ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है। सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला एमनजई जलालनगर निवासी अयूब हसन खान ने आरोप लगाया है कि परिचित मोहम्मद फहीम ने उनके बेटे को घर बैठे डी-फार्मा का दो वर्षीय डिप्लोमा दिलाने का झांसा देकर उनसे 1,82,300 हड़प लिए। बाद में भेजी गई डिग्री और मार्कशीट फर्जी निकलीं। रुपये वापस मांगने पर उन्हें धमकाया गया। शिकायत पर पुलिस ने धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

पीड़ित अयूब हसन के मुताबिक आरोपी मोहम्मद फहीम पहले सदर बजर थाना क्षेत्र के तारीन जलालनगर में रहता था और फिलहाल भोपाल के नारायण नगर में कोचिंग चलाने का दावा करता है। उसका अयूब के घर आना-जाना था। अयूब अपने पुत्र सैफ अली खान को इंटरमीडिएट उत्तीर्ण होने के बाद डी-फार्मा में प्रवेश कराना चाहते थे। फहीम ने भरोसा दिलाया कि वह मध्यांचल प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भोपाल से बिना कॉलेज गए कोर्स करवा देगा। उन्होंने उसकी बात का भरोसा कर लिया। वर्ष 2021 में फहीम ने सैफ के इंटरमीडिएट के मूल कागजात ले लिए। दो वर्ष का डी-फार्मा घर बैठे कराने के नाम पर 1,80,000 मांगे। पीड़ित ने किस्तों में 1,72,300 बैंक ट्रांसफर किए और घर पर 10,000 नकद दिए। इस तरह कुल 1,82,300 रुपये आरोपी के खाते में भेजे गए। फहीम ने बाद में फोन पर बताया कि एडमिशन हो गया है। छात्र को कॉलेज भेजने की जरूरत नहीं है। कोर्स पूरा होने पर डिग्री मिल जाएगी।

ठगी से ऐसे करें बचाव

- घर बैठे डिग्री और बिना क्लास गए प्रमाण पत्र देने की बात हो तो सतर्क हो जाएं
- मूल कागजात और फीस की रकम जल्दी मांगने पर जांच कर लें
- कई किश्तों में निजी खाते में ट्रांसफर कराए जाएं तो सावधान हो जाएं
- कूरियर से डिग्री/मार्कशीट बिना रोल नंबर भेजी जाए तो चेक कर लें
- कॉलेज/विवि का यूजीसी व पीसीआई से संबद्धता दर्जा आधिकारिक पोर्टल पर जांचें
- फीस केवल संस्थागत/अधिकृत खाते में जमा करें
- यदि संदिग्ध लगे तो राज्य उच्च शिक्षा/व्यावसायिक शिक्षा विभाग से पुष्टि लें
- फर्जीवाड़े पर तुरंत ईमेल, लिखित शिकायत व साइबर पोर्टल पर रिपोर्ट करें

तहरीर मिलने पर केस दर्ज कर लिया गया है। ट्रांजैक्शन, दस्तावेज और कथित विश्वविद्यालय संबद्धता की जांच की जा रही है। मामले में सख्त कार्रवाई होगी।
–अरविंद सिंह, प्रभारी निरीक्षक, सदर बाजार

दो साल बीतने पर जब अयूब ने मार्कशीट और डिग्री मांगी तो आरोपी टालता रहा और अंततः कूरियर से कागजात भेजे। संदेह होने पर परिवार ने मध्यांचल प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भोपाल की वेबसाइट पर विवरण जांचा तो वेबसाइट पर सैफ अली खान नाम का कोई वैध पंजीकरण नहीं मिला। भेजा गया प्रमाणपत्र फर्जी प्रतीत साबित हो गया। फर्जीबाड़े का खुलासा होने पर पीड़ित ने आरोपी से रुपये वापस मांगे तो उसने जान से मार डालने की धमकी दी। पीड़ित का कहना है कि उसने अधिकारियों को प्रार्थनापत्र दिया, जिसके बाद सदर बाजार थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद सिंह ने आरोपी मोहम्मद फहीम के खिलाफ धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस दस्तावेज़ों, बैंक ट्रांजैक्शन विवरण और कथित विश्वविद्यालय प्रमाणपत्र की सत्यता की विवेचना कर रही है।

सर्प को पकड़ने गए युवक को डसा

खुटार, अमृत विचार: खुटार कस्बे के मोहल्ला इंदिरा नगर निवासी राजकुमार प्रजापति 45 वर्षीय शुक्रवार सुबह अपने घर पर बैठे थे कि खुटार पुवाया रोड पर कबाड़ स्वामी उनके घर आया और कहा कि हमारी कबाड़ की दुकान में काला सर्प है, उसे पकड़ लो। जिस पर राजकुमार प्रजापति कबाड़ की दुकान पर पहुंचे और सांप को पकड़ने का प्रयास में सांप को पकड़ ही रहे थे कि उसने डस लिया। इस पर कबाड़ स्वामी के परिजनों को सूचना दी। परिजनों ने राजकुमार को सीएचसी न ले जाकर बण्डा क्षेत्र के सुनासीर नाथ में एक तंत्र मंत्र करने वाले के पास पहुंचे लेकिन वहां भी उसकी हालत में कोई सुधार न होता देख परिजन काफी देर बाद खुटार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। जहां पर डॉक्टर ने आनन-फानन में वैक्सीन लगाकर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। उधर, डॉक्टर द्वारा मेडिकल कॉलेज रेफर करने के बाद भी परिजन राजकुमार को मेडिकल कॉलेज न ले जाकर झाड़ फूंक करने वाले के पास कहीं दूसरी जगह लेकर चले गए जहां उसकी हालत नाजुक बनी है। सीएचसी प्रभारी डॉक्टर संजीव कुमार ने बताया कि राजकुमार प्रजापति की हालत बेहद नाजुक थी।

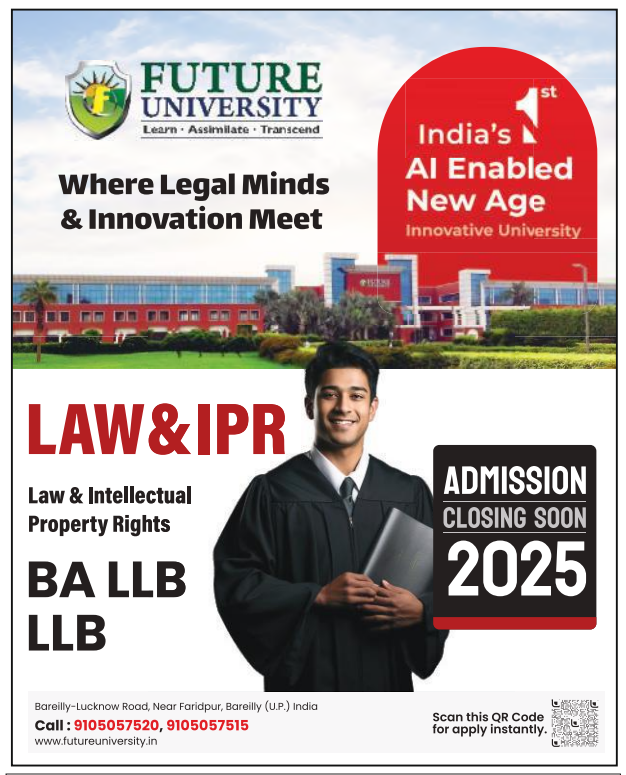

दो घरों का चोरी का खुलासा: बाल अपचारी समेत तीन गिरफ्तार

शाहजहांपुर/सेहरामऊ दक्षिणी, अमृत विचार : सेहरामऊ दक्षिणी में दो घरों में नकब लगाकर चोरी करने के मामले में पुलिस ने बाल अपचारी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने चोरों के कब्जे से नगदी और जेवर बरामद किए है। पुलिस ने आरोपियों का चालान कर दिया। सेहरामऊ दक्षिणी थाना क्षेत्र के भरगवां निवासी फरोज ने 6 जुलाई को रिपोर्ट दर्ज करायी थी कि चोरों ने उसके मकान में नकब लगा दी थी। चोर 20 हजार रुपये, सोने व चांदी के जेवर ले गए थे। चोरों ने एक मकान में और नकब लगाकर चोरी की थी। पुलिस चोरों की सुरागरसी में लगी थी। पुलिस की विवेचना में हंसराम निवासी बरेंग थाना सेहरामऊ दक्षिणी, पोहपी निवासी बरेंग थाना सेहरामऊ दक्षिणी और एक बाल अपचारी का नाम प्रकाश में आया था। पुलिस ने शुक्रवार की सुबह चांदापुर जाने वाली सड़क से तीनों को गिरफ्तार कर लिया।

गोशालाओं में छह गायों की मौत के बाद निरीक्षण, जिम्मेदारों को फटकार

संवाददाता, खुटार

● सिमरा वीरान की गोशाला पहुंचे सीवीओ ने किया निरीक्षण

● बीमार गायों का कराया उपचार व्यवस्थाएं सुधारने के दिए निर्देश

सिमरा वीरान की गोशाला का निरीक्षण करते सीवीओ राजेंद्र प्रताप।

अमृत विचार: ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत महोलिया वीरान के मजरा सिमरा वीरान स्थित अस्थाई गोशाला में गुरुवार को छह गायों की मौत हो गई। लगातार हो रही गोवंश की मौतों से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। इस संबंध में ग्रामीणों ने डीएम समेत उच्चाधिकारियों को अव्यवस्थाओं की सूचना दी थी। शुक्रवार को समाचार प्रकाशित होने के बाद हरकत में आए प्रशासन ने जिम्मेदार अधिकारियों को फटकार लगाई और व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

इसी क्रम में शुक्रवार को जिला मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी (सीवीओ) राजेंद्र प्रताप सिंह सिमरा वीरान गोशाला पहुंचे और बीमार गायों के इलाज, हरे चारे व स्वच्छ पानी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मौके पर खुटार पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद व ग्राम पंचायत सचिव अनुज शुक्ला को भी फटकार लगाते हुए व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिए। ग्राम प्रधान गुरमेज सिंह को सीवीओ ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि गौशाला में गोवंश की उचित देखरेख सुनिश्चित की जाए। सीवीओ आरपी सिंह ने कहा कि लापरवाही पाई गई तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी।

डीएम को संबोधित ज्ञापन सौंपा

शुक्रवार को हिन्दू युवा संगठन के अध्यक्ष अवनीश मिश्र के नेतृत्व में कार्यकर्ता ब्लॉक मुख्यालय पहुंचे और जिला अधिकारी को संबोधित ज्ञापन एडीओ पंचायत देवेंद्र अवस्थी को सौंपा। ज्ञापन में महोलिया वीरान और सिंहुरा खुर्द कला गौशालाओं में चारे-पानी की बदहाल व्यवस्था व गोवंश की लगातार हो रही मौतों का उल्लेख करते हुए दोषियों पर कार्रवाई की मांग की गई। संगठन ने रसवा कला गौशाला और नगर पंचायत खुटार की डंपिंग ग्राउंड स्थित गोशाला में भी गोवंश न रखे जाने पर नाराजगी जताई। जल्द व्यवस्था दुरुस्त न होने पर धरना-प्रदर्शन की चेतावनी दी गई है।

रास सांसद ने स्टेशन का किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

शाहजहांपुर, अमृत विचार: सांसद राज्य सभा मिथिलेश कुमार ने शुक्रवार को रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म पर दो पर रहे अमृत योजना के तहत कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन परिसर में सुरक्षा, सफाई व्यवस्था और स्टाल आदि का निरीक्षण किया।

उन्होंने कहा कि यात्रियों को बेहतर सुविधा दी जाए और प्लेटफार्म ट्रेन के एनाउंस सिस्टम स्पीकर को और बढ़ाया जाए। प्लेटफार्म दो और तीन पर घड़ी लगाई जाए और प्लेटफार्म दो व तीन और तीन व चार संकेत बोर्ड लगाए जाए। सांसद राज्यसभा ने कहा कि प्लेटफार्म कोच डिस्प्ले सिस्टम को चालू किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न हो। प्लेटफार्म और सर्कुलेटिंग एरिया में रात के समय प्रकाश व्यवस्था हो। निरीक्षण के समय स्टेशन अधीक्षक पीएस तोमर, सीएमआई एसके ठाकुर, मुख्य वाणिज्य निरीक्षक कृष्ण कांत, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक त्रिलोक चंद, मुख्य कार्यालय अधीक्षक शुभम मिश्रा, सुनील वर्मा आदि मौजूद थे।

नगर निगम गार्बेज फ्री सिटी 1 स्टार का खिताब भी प्राप्त

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● नगर निगम में राष्ट्रीय रैंकिंग में 33वें पायदान पर, महापौर ने की बैठक

अमृत विचार: आवासन एवं शहरी मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले स्वच्छ सर्वेक्षण प्रतियोगिता में नगर निगम शाहजहांपुर को इस वर्ष राष्ट्रीय रैंकिंग 33वां स्थान प्राप्त हुआ है। प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली उक्त प्रतियोगिता में शहर के अंदर साफ सफाई कूड़ा प्रबंधन, शौचालयों के रखरखाव स्थिति, स्लज मैनेजमेंट, नागरिकों के फीडबैक तथा अन्य विभिन्न बिंदुओं पर सर्वे करके रैंकिंग का निर्धारण किया जाता है।

इस वर्ष देश के लगभग 4512 शहरों द्वारा सर्वेक्षण में प्रतिभाग किया गया। जिसमें मानकों के आधार पर सर्वे कर रैंकिंग का निर्धारण किया गया। नगर निगम द्वारा पहली बार 2016 में स्वच्छ सर्वेक्षण में प्रतिभा किया गया था, जिसमें निगम की रैंकिंग देश के 10 गंदे शहरों में आई थी। तत्पश्चात लगातार नगर निगम के प्रयासों से रैंकिंग में उत्तरोत्तर वृद्धि होती गई। हालांकि विगत वर्ष कुछ तकनीकी कारणों से नगर निगम की रैंकिंग प्रभावित हुई थी तथा 181 रैंक पर नगर निगम को संतोष करना पड़ा था किंतु इस बार 148 रैंक की छलांग लगाते हुए नगर निगम में राष्ट्रीय रैंकिंग में 33 वां स्थान तथा उत्तर प्रदेश के 767 निकायों में 35 वां स्थान प्राप्त किया है।

नगर निगम को इस बार गार्बेज फ्री सिटी 1 स्टार का खिताब भी प्राप्त हुआ है, जिसमें शहर के अंदर साफ सफाई तथा कूड़े के प्रबंधन और उसके साथ-साथ कूड़े के डिस्पोजल आदि मानकों पर निर्धारित किया जाता है। इसके अतिरिक्त निगम द्वारा खुले में शौच मुक्त नगर की श्रेणी में ओडीएफ प्लस प्लस सर्टिफिकेशन भी प्राप्त हुआ है, जिसमें खुले में शौच मुक्ति के साथ-साथ शौचालयों के उचित होने वाले फ़ीकल स्लज के मैनेजमेंट के आधार पर सर्टिफिकेशन प्रदान किया जाता है।नगर निगम की इस उपलब्धि पर महापौर अर्चना वर्मा द्वारा प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आगामी सर्वेक्षण में इससे भी बेहतर प्रदर्शन की अपेक्षा की गई।

बैठक करते हुए महापौर, नगर आयुक्त। ● अमृत विचार

महापौर ने निगम के अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ पार्षदों को उनकी मेहनत तथा सर्वेक्षण में सहयोग के लिए बधाई देते हुए नगर की जनता का भी आभार व्यक्त किया। नगर आयुक्त डा.बिपिन कुमार मिश्रा ने बताया कि नगर निगम द्वारा इस वर्ष सर्वेक्षण में वाटर प्लस के सर्टिफिकेशन तथा गार्बेज फ्री सिटी 5 स्टार प्राप्त करने हेतु सारी तैयारियां की जा रही है। जिससे निगम की रैंक में और अधिक सुधार होगा। नगर आयुक्त द्वारा इस सर्वेक्षण में अपर नगर आयुक्त तथा उनकी टीम द्वारा किए गए सराहनीय प्रयास के लिए बधाई दी गई।

ऑनलाइन ट्रेडिंग के विरोध में व्यापारी एकजुट हों : सौमित्र

नई कार्यकारिणी के साथ जिलाध्यक्ष सौमित्र गुप्ता व महानगर अध्यक्ष सलाउद्दीन।

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल की बैठक में हद्दफ चौकी इकाई भंग

अमृत विचार: हद्दफ चौकी स्थित एक प्रतिष्ठान पर शुक्रवार कोउद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल की बैठक हुई, जिसमें जिला अध्यक्ष सौमित्र गुप्ता ने कहा कि व्यापारियों को बचाने के लिए आनलाइन ट्रेडिंग बंद होनी जरूरी हो गई है। बैठक में हद्दफ चौकी बाजार की वर्तमान इकाई को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया। नई कार्यकारिणी का गठन चुनाव प्रक्रिया के तहत जिला एवं महानगर इकाई के वरिष्ठ पदाधिकारियों की मौजूदगी में किया गया। नव निर्वाचित पदाधिकारियों में ताल्हा खान को अध्यक्ष, अभिषेक को महामंत्री, इमरान जैदी को कोषाध्यक्ष, कमलेश सिंह और इमरान खान को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सैयद सुहैल अली को उपाध्यक्ष, अयूब अंसारी को वरिष्ठ मंत्री, प्रतीक मिश्रा व जावेद अंसारी को संगठन मंत्री, आबिद हसन खान को संरक्षक बनाया गया।

मुनादी के बाद भी नहीं हटाया कब्जा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

तहसील प्रशासन के नेतृत्व अतिक्रमण को लेकर कार्यवाही की गई। ● अमृत विचार

● हथौड़ा बुजुर्ग में तीन एकड़ सरकारी जमीन पर दुकान, घर बनाने पर कार्रवाई

● एसडीएम के नेतृत्व में कब्जेदारों के बिजली कनेक्शन काटे

अमृत विचार: जिले में सरकारी जमीनों पर कब्जाधारियों को हटाने को लेकर डीएम के सख्त रुख के बाद शुक्रवार को हथौड़ा बुजर्ग में सरकारी लगभग 3 एकड़ जमीन पर अवैध तरीके से दुकानें व मकान बनवाकर कब्जेदारों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए सभी के बिजली कनेक्शन कटवाए और कब्जा हटाने की चेतावनी दी। कार्यवाही में एसडीएम सदर संजय कुमार पाण्डेय, तहसीलदार सत्येंद्र कटियार, नायब तहसीलदार निशि सिंह आदि मौजूद रही।

बता दें कि ग्राम समाज में दर्ज भूमि पर लोगों ने कब्जा कर लिया था। अवैध कब्जेदारों को बेदखली का आदेश 9 मई को दिया जा चुका है। इसकी नोटिस भी चस्पा की गई, मुनादी कराई गई लेकिन किसी कार्यवाही पर कब्जेदारों का असर नहीं हुआ और 2 माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी कब्जेदारों द्वारा उक्त भूमि खाली नहीं की गयी। इस क्रम में डीएम के निर्देशन में राजस्व विभाग टीम द्वारा विद्युत विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों के साथ ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जेदरों की दुकानों व घरो का विद्युत कनेक्शन कटवा दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि उक्त कार्यवाही ग्राम समाज की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की प्रक्रिया का हिस्सा है।

सरकारी जमीन पर कुछ लोगों पर अवैध रूप से कब्जा कर अतिक्रमण कर रखा गया था, जिसे मुक्त कराने को पूर्व में चिह्नित कर नोटिस भेजे जा चुके थे, लेकिन किसी द्वारा कब्जा न छोड़ने पर बिजली कनेक्शन कटवा दिए गए हैं। जल्द अग्रिम कार्रवाई भी अमल में लाई जाएगी।
– एसडीएम सदर संजय कुमार पाण्डेय

पीलीभीत के लिए आज से नई ट्रेन चलेगी

शाहजहांपुर, अमृत विचार: पूर्वोत्तर रेल प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए शाहजहांपुर से पीलीभीत के लिए पैसेंजर ट्रेन का शनिवार से संचालित होगी। शाहजहांपुर से पीलीभीत और पीलीभीत से शाहजहांपुर के लिए ट्रेन संख्या 0544748 एक्सप्रेस के रूप में संचालित हो रही थी। इस ट्रेन का संचालन शनिवार से बंद कर दिया जाएगा। रेल प्रशासन ने इसके स्थान पर पीलीभीत-शाहजहांपुर और शाहजहांपुर-पीलीभीत पैसेंजर ट्रेन का संचालन शनिवार से शुरू किया है।

पीलीभीत से दोपहर 12 बजकर 05 मिनट पर चलेगी और 02 बजकर 25 मिनट पर शाहजहांपुर पूर्वोत्तर रेलवे स्टेशन पर पहुंचेगी। शाहजहांपुर से पीलीभीत के लिए दोपहर 3 बजकर 10 मिनट पर पीलीभीत के लिए रवाना होगी। रात में पीलीभीत से आने वाली ट्रेन यहां 05 बजकर 55 मिनट पर आएगी और अगले दिन सुबह सात बजकर 40 मिनट पर छूटेगी।

एडीएम ने बिना लाइसेंस चल रहा अल्ट्रासाउंड सेंटर किया सील

ल्ट्रासाउंड सेंटर सील कराते एडीएम वित्त अरविंद कुमार। ● अमृत विचार

संवाददाता, तिलहर

अमृत विचार: गुरुवार को स्वास्थ्य सेवाओं में धांधली पर शिकंजा कसते हुए अपर जिलाधिकारी अरविंद कुमार ने अवैध रूप से संचालित लाइफ केयर अल्ट्रासाउंड सेंटर पर छापा मारकर उसे सील कर दिया। यह सेंटर सीएचसी तिलहर के पास संचालित हो रहा था।

एडीएम की टीम के मौके पर पहुंचने पर अभिलेख दिखाने को कहा तो सेंटर में मौजूद स्टाफ लाइसेंस से संबंधित कोई भी अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सका। जांच के दौरान सेंटर पर कोई रेडियोलॉजिस्ट मौजूद नहीं था, जबकि अल्ट्रासाउंड प्रक्रिया बिना प्रमाणित रेडियोलॉजिस्ट के कराना गंभीर अपराध है। छापे की भनक लगते ही अल्ट्रासाउंड कर रहा तकनीकी सहायक मौके से फरार हो गया। एडीएम अरविंद कुमार ने बताया कि नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर सेंटर को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

खाते से निकाले, 82 हजार रुपये, रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार: सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला आवास विकास कॉलोनी निवासी सुभाष चंद्र ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 13 जुलाई की रात में 10 बजे उसके मोबाइल पर एक काल आई। काल करने वाले कहा कि सीतापुर से राजीव आनंद बोल रहा हूं। आरोपी ने एक मैसेज किया। उन्होंने मैसेज खोला और मोबाइल हैक हो गया। आरोप है कि अगले दिन उसके एचडीएफसी बैंक में खाते से 82 हजार 672 रुपये कट गए। पीड़ित ने अपना खाता लॉक करा दिया। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

इनसे सीखें लर्निंग बाय डूइंग कार्यक्रम के तहत जिले के 40 विद्यालयों में प्रशिक्षण शुरू, लखनऊ में प्रशिक्षित शिक्षक बच्चों को देंगे ट्रेनिंग

परिषदीय विद्यालयों के बच्चे सीखेंगे शू स्टैंड और पकौड़े बनाना

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

शिक्षिका पल्लवी के नेतृत्व में शू स्टैंड बनाने का प्रशिक्षण प्राप्त करते बच्चे।

अमृत विचार: अब जिले के परिषदीय विद्यालयों में बच्चों को शिक्षा के साथ साथ रोजगारपरक बनाने व आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाने के लिए लर्निंग बाय डूइंग यानी करके सीखो कार्यक्रम के तहत बच्चों को शिक्षक प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। उक्त कार्यक्रम के तहत 40 परिषदीय विद्यालयों को चिह्नित किया गया है।

इसमें प्रत्येक ब्लॉक के दो-दो स्कूल लिए गए हैं। इसमें कक्षा 6-8 के तहत बच्चों को ट्रेनिंग दी जाएगी। शासन से जो ग्रांट राशि भेजी जाएगी, उससे स्कूल कृषि के लिए फावड़े, खुरपे, जूस बनाने, पकौड़ा बनाने आदि के लिए सामान की खरीददारी की जाएगी। वेल्डिंग व पंक्चर लगाने के लिए भी उपकरण खरीदे जाएंगे। पुवायां के जेवां स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय की शिक्षिका पल्लवी ने बताया कि उनके विद्यालय में बच्चों को लर्निंग बाय डूइंग कार्यक्रम के अंतर्गत पीवीसी पाइप के माध्यम से जूता स्टैंड बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शिक्षिका पल्लवी का कहना है कि विद्यालयी शिक्षा का मुख्य उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान देना नहीं, बल्कि बच्चों को जीवन के लिए तैयार करना होता है। उक्त उद्देश्य की पूर्ति में करके सीखना एक प्रभावशाली एवं व्यावहारिक विधि है। यह पद्धति विद्यार्थियों में न केवल जिज्ञासा उत्पन्न करती है, बल्कि उनके अनुभवात्मक ज्ञान को भी समृद्ध बनाती है।

जनपद के परिषदीय विद्यालयों में बच्चों को शिक्षा के साथ साथ व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम के तहत आत्मनिर्भर बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसमें बच्चे लर्निंग बाय डूइंग के तहत जूस बनाने से लेकर शू स्टैंड, पकौड़ा बनाना सीख रहे हैं। 40 स्कूलों का चिह्नांकन कर वहां प्रशिक्षण शुरू करा दिया गया है।
–दिव्या गुप्ता, बीएसए

वह कहती हैं कि जब कोई बच्चा किसी विषय को स्वयं करके सीखता है तो वह ज्ञान उसके मन-मस्तिष्क में गहराई से बैठ जाता है। यह तरीका बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाता है, उनकी सोचने-समझने की क्षमता को विकसित करता है और सीखने की प्रक्रिया को आनंददायक बनाता है।

किशोरी को किया अगवा, रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार: सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला आवास विकास कालोनी के एक महिला ने बताया कि उसकी 14 वर्षीय पुत्री की इंस्टाग्राम व सोशल मीडिया के माध्यम से उत्कर्ष से जान पहचान हो गई। 17 जुलाई की सुबह वह सोकर उठे तो उसकी पुत्री घर पर नहीं थी और मकान का मुख्य दरवाजा खुला था। उसकी पुत्री घर से 25 हजार रुपये और सोने के टॉप्स और अंगूठी ले गई है। आरोप है कि आरोपी उसकी पुत्री को अगवा करके ले गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

प्रवेश प्रारम्भ

चन्द्रलोक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

रजऊपरसपुर (बरेली) उ.प्र.

चिकित्सा के क्षेत्र में उज्जवल भविष्य बनाने हेतु उत्तम संस्थान

- उ.प्र. स्टेट मेडिकल फैकल्टी लखनऊ एवं उ.प्र. सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
- सरकारी, अर्द्धसरकारी, सेना एवं विदेश में नौकरी के लिए मान्य
- सरकारी मानकों के अनुसार फीस एवं छात्रवृत्ति

स्थान सीमित शीघ्र प्रवेश लें

GNM (जनरल नर्सिंग एण्ड मिडवाइफरी) 3 Years (इंटरमीडिएट)

आयुष्मान भारत योजना एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय योजना में निःशुल्क इलाज

विशेष सुविधाएं

- मेडिक्लेम, बीमा योजना
- ICU वेन्टीलेटर सुविधा

सिटी ऑफिस

चन्द्रलोक हॉस्पिटल

दूरबीन विधि द्वारा

- पित्त की थैली, पित्त की नली की पथरी (Lap Chole, ERCP), गुर्दे, यूरेटर की पथरी (PCNL, URS)
- प्रोस्टेट (गदूद) (TURP, TURBT)
- रसौली, बांझपन की जाँच
- बबासीर, हर्निया का ऑपरेशन

- मेडिक्लेम • स्त्री एवं प्रसूति रोग
- सभी प्रकार की सर्जरी
- पैथोलॉजी, अल्ट्रासाउण्ड
- ट्रॉमा, हेड इंजरी, फ्रेक्चर आदि।
- ICU, कार्डियक मॉनिटर, वेन्टिलेटर,
- हृदय, सांस, गुर्दा रोग एवं डायबिटीज

पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

सम्पर्क करें-

9458882565
9410002566
8859493000

समर स्पेशल ट्रेनें यात्रियों के लिए बनीं परेशानी स्पेशल

अधिक किराया और घंटों के विलंब के चलते परेशान हो रहे यात्री, अक्सर कोच रहते हैं खाली

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: यात्रियों की सुविधा के नाम पर रेलवे द्वारा चलाई जा रही समर स्पेशल ट्रेनें अब शिकायतों का कारण बन गई हैं। अधिक किराया और अनिश्चित समय पर गंतव्य तक पहुंचने के चलते यात्री इन ट्रेनों में यात्रा करना पसंद नहीं कर रहे हैं। नतीजतन ट्रेनें खाली जा रही हैं।

रेल प्रशासन हर वर्ष छठ पूजा, दीपावली, होली जैसे त्योहारों और इस समय कांवड़ यात्रा के लिए समर स्पेशल ट्रेनें चलाता है। वर्तमान में शाहजहांपुर से गुजरने वाली अप और डाउन लाइनों पर करीब एक दर्जन समर स्पेशल ट्रेनों का स्टॉपेज है। यात्रियों की सबसे बड़ी शिकायत है कि इन ट्रेनों का किराया नियमित ट्रेनों की तुलना में काफी अधिक है। शाहजहांपुर से हरिद्वार तक समर स्पेशल स्लीपर किराया 400 रुपये है। अन्य ट्रेनों का स्लीपर किराया 320 रुपये है यानी यात्रियों को 120 अधिक देने पड़ते हैं। बावजूद इसके ट्रेनें कई घंटे लेट होकर गंतव्य तक पहुंचती हैं।

रेलवे सूत्रों के अनुसार, इलेक्ट्रिक ट्रेन पर प्रति किलोमीटर औसतन 150 बिजली खर्च आता है, जबकि डीजल ट्रेन पर 350 डीजल खर्च। बावजूद इसके यात्रियों का कहना है कि किराया बढ़ाकर भी समय पालन न होना अनुचित है। जानकारों के मुताबिक समर स्पेशल ट्रेनों को मार्ग में कई बार रोका जाता है और अन्य नियमित ट्रेनों को पास कराया जाता है। ऐसे में यात्रियों का सफर अनिश्चित और थकाऊ हो जाता है। यात्रियों का कहना है कि अगर अधिक किराया लिया जा रहा है तो सेवा भी समय से मिले। कई यात्रियों ने सरकार से मांग की है कि किराया सामान्य ट्रेनों के बराबर रखा जाए और स्पेशल ट्रेनों को समय से चलाया जाए।

खाली पड़ा समर स्पेशल का डिब्बा। ● अमृत विचार

- शाहजहांपुर-हरिद्वार स्लीपर किराया 400 रुपये, लेकिन समय पर पहुंचने की गारंटी नहीं

कुल समर स्पेशल ट्रेनें 12 (अप-डाउन)

शाहजहांपुर-हरिद्वार किराया स्लीपर का किराया- **400**

साधारण ट्रेन का किराया- **320**

समस्या : कई घंटे विलंब से पहुंचना

अधिक किराया और देरी से यात्रियों में नाराजगी है। समर स्पेशल का किराया अन्य ट्रेनों जैसा होना चाहिए।

-प्रतिभा मिश्रा

समर स्पेशल का किराया ज्यादा है और समय की पाबंदी नहीं है। रेल प्रशासन दोहरी नीति अपना रहा है।

-महेश गुप्ता

अधिक किराया देकर भी घंटों इंतजार करना होता है इसलिए लोग समर स्पेशल से बच रहे हैं। अन्य ट्रेनों में सफर कर रहे हैं।

-प्रतिमा

यात्रियों की सुविधा के लिए किराया कम करें और समय से ट्रेन चलाएं। सभी यात्रियों का रुझान समर स्पेशल ट्रेनों की ओर बढ़ेगा।

-रितेश कुमार

अरुण फिर बने विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष

शाहजहांपुर, अमृत विचार: विश्व हिंदू महासंघ ने एक बार फिर अरुण कुमार गुप्ता को जनपद शाहजहांपुर का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। पहले कार्यकाल में गुप्ता ने संगठन को जनपद स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया था। उनकी सक्रियता और नेतृत्व क्षमता के कारण संगठन ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। इसी विश्वास के साथ संगठन ने उन्हें पुनः जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। सभी ने निर्णय का स्वागत करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विश्व हिंदू महासंघ द्वारा 20 जुलाई 2025 को एसपी कॉलेज शाहजहांपुर में स्वागत समारोह आयोजित किया जाएगा। संगठन का विश्वास है कि अरुण कुमार गुप्ता के नेतृत्व में महासंघ न केवल अधिक संगठित और प्रभावशाली बनेगा, बल्कि समाज एवं राष्ट्रहित में अपनी भूमिका को और मजबूती से निभाएगा।

विद्युत दरों में वृद्धि के प्रयास का संगठन ने किया विरोध

अधीक्षण अभियंता से वार्ता करते हुए व्यापारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष मुकंद मिश्रा एवं महामंत्री राजेंद्र गुप्ता के आह्वान पर शुक्रवार को व्यापार जिलाध्यक्ष कुलदीप सिंह दुआ के नेतृत्व में नगर अध्यक्ष सुनील गुप्ता सहित तमाम पदाधिकारियों ने अधीक्षण अभियंता को ऊर्जा मंत्री संबोधित ज्ञापन दिया। इसमें जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा विद्युत दरों में वृद्धि किए जाने के प्रयास एवं स्मार्ट मीटर का संगठन विरोध करता है, क्योंकि चेक मीटर के द्वारा जांच किए जाने पर स्मार्ट मीटर लगभग 40 फीसदी अधिक यूनिट दर्शाता है, जो उपभोक्ता के साथ अन्याय है। इसलिए स्मार्ट मीटर लगाना बंद कराए जाना चाहिए। इस संबंध में एक ज्ञापन भी दिया गया। कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री धर्मपाल, जिला महामंत्री नाजिम खान, नगर अध्यक्ष सुनील गुप्ता, महामंत्री अतुल गुप्ता, कोषाध्यक्ष सतनाम चावला आदि पदाधिकारी शामिल हुए।

निगोही में अंबेडकर की प्रतिमा तोड़ी, आरोपी को दबोचा

निगोही, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के परसौना खलीलपुर में संविधान रचैता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। प्रतिमा की उंगली तोड़ी गई है। घटना की जानकारी मिलते ही निगोही पुलिस मौके पर पहुंची और एक युवक को पूछताछ के लिए पकड़ कर थाने ले आई।

थाना निगोही प्रभारी रामायण सिंह ने बताया कि परसौना खलीलपुर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा की उंगली तोड़ी गई है। एक व्यक्ति को पूछताछ के लिए थाने लाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है। निगोही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और घटना के संबंध में पूछताछ कर रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

हर व्यक्ति का बीमा सुरक्षा कवर होना आज की आवश्यकता : विधायक

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया के निर्देशन में बैंक ऑफ़ बड़ौदा और क्रिसिल फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से आम जनमानस को वित्तीय साक्षरता पर जागरूक करने के लिए मेगा जागरूकता कैंप आयोजित किए गए। भावलखेड़ा अंतर्गत ग्राम इटौरिया में कैंप का आयोजन किया गया। उद्घाटन विधायक अरविंद कुमार सिंह ने करते हुए कहा कि क्रिसिल फाउंडेशन द्वारा रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया के सहयोग से जागरूकता के अभिनव प्रयास सराहनीय है। जिले के नागरिकों का आह्वान करते हुए कहा कि सभी लोग चाहे, वह महिला हो या पुरुष हो सभी को बैंकों द्वारा दिए जाने वाले माइक्रो इंश्योरेंस जिनकी वार्षिक प्रीमियम 20 रूपये और 436 रुपये है, इसका लाभ अवश्य लेना चाहिए। हर व्यक्ति का बीमा सुरक्षा कवर होना आज की आवश्यकता हो गई है।

विधायक अरविंद कुमार महिला को प्रपत्र देते हुए। ● अमृत विचार

बैंक ऑफ़ बड़ोदा के अग्रणी जिला प्रबंधक राधे रमन तिवारी ने बताया कि बैंकों के माध्यम से बहुत सारी सेवाएं आपने ग्राहकों को दी जाती है। एटीएम कार्ड पर भी 2 लाख का दुर्घटना बीमा होता है, इसके आलावा अटल पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना आदि पर जानकारी दी। नाबार्ड के डीडीएम प्रवेश गंगवार द्वारा बैंक खाता को चालू रखने के लिए नियमित केवाईसी करवाने के बारे में बताया गया। क्रिसिल फाउंडेशन के क्षमता निर्माण अधिकारी अजय मिश्रा ने कहा कि आज के दौड़भाग जिंदगी में हर व्यक्ति का बीमा सुरक्षा कवर होना बहुत जरुरी है। कार्यक्रम में भारतीय मानक ब्यूरो से अमित सिंह, क्रिसिल फाउंडेशन केंद्र प्रबंधक उदयवीर सिंह, क्षेत्र समन्वयक अमोल सक्सेना, डेटा एंट्री ऑपरेटर मुस्कान जी एवं लगभग 150 स्थानीय निवासियों ने भाग लिया। संचालन अजय मिश्रा द्वारा किया गया।

बिना अनुमति अनुपस्थित रहे तो होगी सेवा समाप्त

संवाददाता, शाहजहांपुर

- शिक्षक बिना पूर्व अनुमति अनुपस्थित हो तो पांच दिन की हो वेतन कटौती

अमृत विचार: बेसिक शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षा बैठक डीएम धर्मेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था, शिक्षकों उपस्थिति, विद्यालयों अवस्थापना स्थिति और छात्र-छात्राओं की शैक्षिक प्रगति सहित कई विषयों पर गहन समीक्षा की गई। डीएम ने पेयर किए गए विद्यालयों के संबंध में जानकारी ली।

बीएसए ने बताया कि जनपद में 370 विद्यालयों को आपस में पेयर किया गया है। डीएम ने ब्लॉकवार विद्यालय शिफ्टिंग स्थिति तथा इन पेयर किए गए विद्यालयों में शिक्षक उपस्थित हो रहे हैं या नहीं, इसकी रिपोर्ट 30 जुलाई तक प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बच्चों की नियमितता, क्लास टीचर का नामांकन एवं छात्र-छात्राओं की जोड़ीकरण की भी समीक्षा की। खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह यह सुनिश्चित करें कि विद्यालयों तक जाने वाले रास्ते सुगम हों, विद्यालयों तक जाने का रास्ता खराब, कीचड़युक्त, टूटी हुई सड़क या असुविधाजनक है, उनका सर्वे कर एक सप्ताह भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। प्रत्येक माह कम से कम दो बार निपुण भारत टेस्ट आयोजित किया जाए। यदि कोई शिक्षक बिना पूर्व अनुमति के अनुपस्थित पाया जाता है, तो उसकी पांच दिन की वेतन कटौती की जाएगी। साथ ही यदि कोई शिक्षा मित्र या अनुदेशक महीने में तीन बार बिना अनुमति अनुपस्थित पाया जाता है, तो उसकी सेवा समाप्त कर दी जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर संबंधित शिक्षक की वेतनवृद्धि भी रोकी जाएगी और उन्हें नोटिस जारी किया जाएगा। सभी विद्यालयों के मुख्य द्वार पर कम से कम 10-10 फूलों के पौधे लगाए जाएं।

डीएमने बेसिक शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षा बैठक लेते हुए।

गणितीय दक्षता बढ़ाने को अबेकस प्रशिक्षण शुरू करने की योजना पर भी चर्चा हुई। डीएम ने बताया कि अब तक 67 अमान्य विद्यालयों को बंद किया गया है और प्रत्येक पर 1-1 लाख का जुर्माना लगाया गया है। डीएम ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह गंभीरता और निष्ठा के साथ कार्य करें।

गिरफ्तारी न होने पर भड़के स्वास्थ्यकर्मी, तिलहर सीएचसी पर दिया धरना

सीएचसी में धरने पर बैठे स्वास्थ्य कर्मी। ● अमृत विचार

संवाददाता, तिलहर

- कोल्ड चेन में घुसकर मारपीट व तोड़फोड़ का है आरोप
- एडीएम के कार्रवाई आश्वासन पर हड़ताल समाप्त

अमृत विचार: गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तिलहर में हुए कथित हमले और मारपीट प्रकरण में नामजद आरोपियों की 24 घंटे बीतने पर भी गिरफ्तारी न होने से स्वास्थ्यकर्मी भड़क उठे। आक्रोशित कर्मचारियों ने शुक्रवार को अस्पताल परिसर में धरना देकर कार्य बहिष्कार किया और नारेबाजी की। सूचना पाकर पहुंचे अपर जिलाधिकारी अरविंद कुमार ने कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद आंदोलन अस्थायी रूप से वापस ले लिया गया और कर्मचारी कार्य पर लौट आए।

स्वास्थ्य पर्यवेक्षक सुशील कुमार ने तहरीर देकर आरोप लगाया है कि मोहल्ला पचासा निवासी मोहित सिंह और उनके साथी कोल्ड चेन कक्ष में जबरन घुस आए और उनके साथ-साथ स्वास्थ्यकर्मियों जतिन गंगवार व राधेश्याम के साथ मारपीट की। इस दौरान तोड़फोड़ किए जाने का भी आरोप है।

घटना गुरुवार को हुए स्वास्थ्य सर्वेक्षण अभियान के दौरान बताई गई है। तहरीर के आधार पर पुलिस में मुकदमा दर्ज कराया गया है। घटना के बाद से स्वास्थ्य कर्मचारियों में रोष व्याप्त रहा, परन्तु नामजदों की त्वरित गिरफ्तारी न होने से विरोध उग्र हो गया। शुक्रवार सुबह से ही कर्मचारियों ने आउटडोर सेवाएं बाधित कर अस्पताल परिसर में धरना शुरू कर दिया। हमले के दोषियों की तुरंत गिरफ्तारी करो और स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करो जैसे नारे लगाए गए। कई कर्मियों ने आरोप लगाया कि संवेदनशील स्वास्थ्य संस्थान की सुरक्षा को लेकर प्रशासन लापरवाह है।

सूचना मिलते ही अपर जिलाधिकारी अरविंद कुमार टीम के साथ सीएचसी पहुंचे। उन्होंने कर्मचारियों से वार्ता की और कहा कि मामले में कोई लापरवाही नहीं बरती जाएगी। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी के लिखित आश्वासन के बाद स्वास्थ्य कर्मचारियों ने धरना स्थगित कर कार्य शुरू किया पर चेतावनी दी कि समयसीमा में गिरफ्तारी न होने पर दोबारा आंदोलन किया जाएगा।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
TPA सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
80773443353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

यौन उत्पीड़न रोकने को बनाया गया पॉश एक्ट

वीडियो कांफ्रेसिंग कक्ष जनपद न्यायालय में शिविर का आयोजन।

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : जिला जज एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विष्णु कुमार शर्मा की अध्यक्षता में जिला विधिक सेवा प्राधिकर के तत्वावधान में 'पॉश एक्टः यौन उत्पीड़न अधिनियम विषय पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन वीडियो कांफ्रेसिंग कक्ष जनपद न्यायालय में किया गया।

जिला जज ने बताया कि भारत सरकार द्वारा कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न को रोकने, निषेध करने और उसका निवारण करने के लिए यह कानून बनाया गया है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण एवं समानता का अधिकार विषय पर जानकारी दी। अपर सिविल जज सीनियर डिवीजन कीर्ति सिंह ने कहा कि महिलाओं के उनके कार्यस्थल पर यदि कोई नियोक्ता इस अधिनियम का उल्लंघन करता है, तो उस पर जुर्माना लगाया जा सकता है और उसे सजा से दंडित किया जा सकता है। यह अधिनियम कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया है। भारतीय साक्ष्य अधिनियम एवं इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य विषय पर प्रकाश डालते हुए इलेक्ट्रॉनिक सिग्नेचर के विषय में जानकारी दी।

शहर में आज

- तहसील सदर में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन सुबह 10 बजे।
- किसानों की समस्याओं को लेकर मालवीय अध्यापक गृह पर भाकियू का धरना दोपहर 12 बजे।

एक नजर

आज तहसील सदर में होगा समाधान दिवस

बदायूं, अमृत विचार : जिलाधिकारी कार्यालय से प्राप्त सूचना के अनुसार 19 जुलाई शनिवार सदर तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित होगा। जिसमें जिलाधिकारी अवनीश राय अन्य अधिकारियों के साथ उपस्थित रहकर जन समस्याएं सुनेंगे। साथ ही उनका निस्तारण भी करेंगे।

म्याऊं में पेड़ से टकराई कार, युवक की मौत

म्याऊं,अमृत विचार : मामा के घर से लौट रहे युवक की कार पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार चालक की मौत हो गई। कार क्षतिग्रस्त हो गई। राहगीरों की सूचना पर पुलिस पहुंची। उझानी कोतवाली क्षेत्र के गांव ननाखेड़ा निवासी आरिफ (30) पुत्र साबिर के मामा उसहैत क्षेत्र के गांव में रहते हैं। गुरुवार को वह अपने मामा के घर से वापस लौट रहे थे। उसहैत-म्याऊं मार्ग पर उनकी कार अनियंत्रित हो गई और पाकड़ के पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। आरिफ कार में फंस गए। हादसे में आरिफ की मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। युवक की पहचान करके उसके परिजनों को सूचना दी। कोहराम करते परिजन पहुंची। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

आठ घंटे बिजली गुल, पानी को भटके लोग, अस्पताल में सेवाएं भी ठप

दूसरे दिन भी आठ घंटे ठप रही बिजली घर से सप्लाई, जिले में हो रहे धरना प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- जगत ब्लाक के 200 गावों की बिजली आंधी के कारण बंद की
- जनप्रतिनिधियों के शांत रवैये से नाराज है क्षेत्र की जनता

अमृत विचार : जिले में बिजली व्यवस्था पटरी पर नहीं लौट पा रही है। गुरुवार रात से गुल हुई बिजली शुक्रवार दोपहर तक ठप रही। करौलया फीडर से जुड़े करीब दो सौ गांवों में आठ घंटे से अधिक बिजली नहीं रही, जिससे ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए भटकना पड़ा।

ब्लॉक जगत के करौलया फीडर से दो सौ गांवों को सप्लाई दी जाती है। गुरुवार शाम तेज आंधी के चलते बिजली सप्लाई रोक दी गई थी। रात नौ बजे थोड़ी देर के लिए बिजली दी गई, लेकिन कुछ समय बाद फिर गुल हो गई। शुक्रवार दोपहर तक बिजली सप्लाई बहाल नहीं हो सकी। बिजली संकट का असर जिला अस्पताल पर भी पड़ा। शुक्रवार सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक अस्पताल की बिजली ठप रही। ट्रांसफार्मर के केबल जलने से बिजली सप्लाई बंद हो गई। एक्सरे रूम बंद रहा और मरीज परेशान होकर लौटने लगे। डॉक्टर और तीमारदार भी परेशानी में रहे। जगह-जगह प्रदर्शन की चेतावनी दी जा रही है। जनप्रतिनिधियों के रवैये से भी जनता गुस्से में है।

ब्लॉक जगत के करौलया फीडर से करीब दो सौ गांवों को बिजली सप्लाई दी जाती है इस फीडर से गुरुवार को शाम को बिजली गुल हो गयी। तेज आंधी के चलते बिजली सप्लाई रोक दी गयी। उसके बाद रात नौ बजे बिजली सप्लाई दी गयी। लेकिन कुछ देर के बाद ही बिजली गुल हो गयी और शुक्रवार दोपहर तक ठप रही। करीब आठ घंटे तक सौ से अधिक गांवों की बिजली गुल रही। जिससे उपभोक्ताओं को पीने के पानी के लिए भटकना पड़ा। बिजली नहीं होने से समरवेबिल नहीं चले जिससे लोगों को पानी नहीं मिल सका। बिजली गुल होने से बीबीपुर, बूचेनगला, उनौला, इस्लामगंज, उपरैला, उदमई, सूरजपुर, झंडापुर, रूपापुर, सिमरिया, रसूलपुर सहित करीब सौ गांवों के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। दोपहर 12 बजे सप्लाई शुरू हुयी तो लोगों ने राहत की सांस ली।

बिजली विभाग का कहना है कि बीती शाम तेज हवा के दौरान कुछ स्थानों पर बिजली की लाइन में फाल्ट हो गया जिससे बिजली सप्लाई बाधित रही।लेकिन आज लाइन को ठीक कर दिया गया। जिसके बाद सप्लाई दी जा रही है।

जिला अस्पताल में 8 घंटे परेशान रहे मरीज

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

जिला अस्पताल स्थित बिजलीघर।

- ब्लड टेस्ट कराने को लगी रही भारी भीड़, नहीं चली मशीन
- ट्रांसफार्मर जलने के बाद दिन भर ठप रही अस्पताल

अमृत विचार : शुक्रवार को जिला अस्पताल के बिजली घर के ट्रांसफार्मर का केबल जल गया। तेज धमाके के साथ बिजली गुल हो गयी। उसके बाद वार्डों में अंधेरा छा गया। ओपीडी में अंधेरा छाया रहा। डाक्टर भी ओपीडी में कुछ देर के लिए ही बैठे। जबकि मरीजों की लाइन लगी रही। मरीजों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा। ब्लड टेस्ट कराने वालों की लाइन लगी रही लेकिन बिजली गुल होने से सैंपलों की जांच भी नहीं हो सकी।

बिजली न होने से कई डाक्टर ओपीडी से निकल कर बाहर चले गए जबकि कुछ डाक्टर ओपीडी से बाहर खुले में बैठे जहां मरीजो की लाइन लगी रही। बिजली गुल होने से हड्डी वार्ड, मलेरिया वार्ड और टीबी वार्ड में अंधकार बना रहा। मरीज भी भारी गर्मी से परेशान रहे।

बिजली गुल होने से आज एक्सरे रूम में लोगों ने हंगामा किया। चार घंटे तक एक्सरे रूम बंद रहा। जिससे सैकड़ों मरीज वापस लौट गए। बिजली गुल होने से किसी का एक्सरे नहीं हो सका।

घोर अंधकार बना रहा। अल्ट्रासाउंड कराने पहुंची महिलाएं भी वापस लौट गयीं। दोनों स्थानों पर अंधेरा छाया रहा। दो बजे तक बिजली गुल रही। उसके बाद किसी तरह केबल को ठीक किया गया तो फिर सप्लाई शुरू हो सकी। जिला अस्पताल प्रशासन का कहना है कि शुक्रवार सुबह बिजली घर के ट्रांसफार्मर की केबल जल गई जिससे बिजली सप्लाई बाधित रही। बिजली कर्मचारियों ने कुछ देर बाद केबल को जोड़ कर सप्लाई शुरू कर दी।

हाईवे पर वाहनों का आवागमन बंद

कछला से कावड़ लेकर गंतव्य को जाते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

कछला गंगा घाट पर वाहन से जल भरने जाते श्रद्धालु ● अमृत विचार

- कांवड़ यात्रा को लेकर रूट डायवर्ट किया, बदले रूट से निकाले जा रहे वाहन

अमृत विचार: बरेली मथुरा हाईवे कांवड़ियों के आगमन से केसरिया रंग में रंग चुका है। सैकड़ों की संख्या में लोग कावड़ लेकर आ रहे हैं तो कछला गंगा घाट पर पहुंचने वालों की तादात भी हजार में पहुंच चुकी है। सावन के दूसरे सोमवार को लेकर बरेली मथुरा राजमार्ग भारी वाहनों के लिए देर रात बंद कर दिया गया। उन्हें बदले गए रूट से गुजारा जा रहा है। भारी वाहनों के गुजरने पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही रोड पर बैरियर लगा दिए गए हैं।

21 जुलाई को सावन का दूसरा सोमवार है। शिव का जलाभिषेक करने के लिए हजारों की संख्या में शिवभक्त गंगा जल लेने के लिए कछला गंगा घाट की ओर जा रहे हैं। कांवड़ियों के आगमन से बरेली मथुरा हाईवे केसरिया रंग में दिखाई दे रहा है। हर हर महादेव और बोल बम के जयकारे गूंज रहे हैं। कांवड़ियों की संख्या में शनिवार से और अधिक इजाफा होगा।

इसको देखते हुए प्रशासन ने रूट डायवर्ट कर दिया है। भारी वाहनों के आने जाने पर देर रात से प्रतिबंध लगा दिया है। उन्हें बदले हुए रूट से गुजारा जा रहा है। दौरान बरेली से आने-जाने वाले वाहन कुंवरगांव, आंवला, अलीनगर, गैनी, अखा, रामगंगा, लाल फाटक होकर गुजारे जा रहे हैं। वहीं, एटा, कासगंज, दिल्ली, मथुरा से आने वाले भारी वाहन गुन्नौर, सहसवान, बिसौली और आंवला होकर आ जा रहे हैं। रोडवेज बसें भी बदले हुए रूट से गुजारी जाने लगी हैं। बदायूं से कासगंज, एटा जाने वाली रोडवेज बसें शेखूपुर, कादरचौक, कादरगंज होकर होकर आ जा रही हैं। इसी तरह बरेली जाने वाली रोडवेज बसें आंवला, अलीनगर, कादरचौक होकर कासगंज, एटा जा रही हैं।

करोड़ों की सरकारी जमीन पर कब्जा, लोक निर्माण विभाग चुप

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

लोक निर्माण विभाग की जमीन पर चारदीवारी लगाते मजदूर ● अमृत विचार

- लोक निर्माण की जमीन पर चारदीवारी बनना शुरू, एक साल से कब्जा नहीं छुड़ा सका विभाग
- भूमि को कब्जा मुक्त कराने के लिए ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के साथ डीएम से की शिकायत

अमृत विचार: उसावां-ककराला मार्ग पर गाटा संख्या 24 में अंकित लोक निर्माण विभाग की 0.177 हेक्टेयर भूमि पिछले एक साल से कब्जाधारियों के नियंत्रण में है। विभागीय जमीन को खाली कराने में पीडब्ल्यूडी और तहसील प्रशासन दोनों असफल साबित हो रहे हैं। ग्रामीणों ने लगातार शिकायतें कीं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। ग्रामीणों बताते हैं कि यदि विभाग और प्रशासन इसी तरह हाथ पर हाथ धरे बैठा रहा, तो सरकारी जमीन पर कब्जा पक्का हो जाएगा।

करीब 33 फीट चौड़ी इस सड़क की जमीन पर अवैध कब्जे के बाद अब निर्माण कार्य भी शुरू हो गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि कब्जाधारियों ने पहले इस जमीन को बेचने की कोशिश की थी, लेकिन विरोध के चलते असफल रहे। अब चारदीवारी बनाकर रास्ता पूरी तरह बंद करने की तैयारी है। इस मामले में ग्रामीण लक्ष्मी, प्रदीप कुमार, सुखवीर, मनोज कुमार, आलोक व सर्वेश मिश्रा ने जिलाधिकारी और मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर जमीन कब्जा मुक्त कराने की मांग की है।

> ककराला-उसावां मार्ग पर विभाग की जमीन है, जिसकी जांच कराई गई थी। तहसील प्रशासन से जांच रिपोर्ट मांगी गई थी, जो अब तक नहीं मिली है। अब फिर से जांच रिपोर्ट मांगी जाएगी ताकि जमीन को कब्जा मुक्त कराया जा सके।
> **नरेश कुमार**, अधिशासी अभियंता, पीडब्ल्यूडी

मेडिकल सार्टिफिकेट बनवाना हुआ दुश्वार, अभ्यर्थी परेशान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

ब्लड चेक कराने को सैंपल देते अभ्यर्थी ● अमृत विचार

- ब्लड टेस्ट और रिपोर्ट की बाध्यता, दौड़ रहे अभ्यर्थी
- अस्पताल में हो रही अवैध वसूली सर्टिफिकेट बनवाने में हो रही देरी

अमृत विचार : जिला अस्पताल में मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाने की प्रक्रिया जटिल कर दी गई है। अभ्यर्थी दिनभर डॉक्टरों के चक्कर काट रहे हैं, फिर भी सर्टिफिकेट आसानी से नहीं मिल पा रहा। अलग-अलग जांच की अनिवार्यता और अवैध वसूली से छात्र-छात्राओं में भारी रोष है।

पहले जहां डॉक्टर फार्म पर दस्तखत कर सर्टिफिकेट दे देते थे, अब नया नियम लागू कर दिया गया है। अब अभ्यर्थियों को मेडिकल सर्टिफिकेट के लिए ब्लड टेस्ट, आंख, नाक-कान-गला की जांच करानी होगी और अलग-अलग डॉक्टरों से दस्तखत कराने होंगे। उसके बाद ही सर्टिफिकेट बन सकेगा। अभ्यर्थियों का आरोप है कि डॉक्टर सुविधा शुल्क के नाम पर 100 से 200 रुपये वसूल रहे हैं। अगर यह राशि नहीं दी जाती, तो अभ्यर्थियों को बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं। डॉक्टर सही जानकारी भी नहीं दे रहे, जिससे छात्र-छात्राओं को बेवजह दौड़ाया जा रहा है।

फिजीशियन डॉ. एसएम कमल ने बताया कि सीएमएस के निर्देश पर नियम बदले गए हैं। वहीं सीएमएस डॉ. कप्तान सिंह ने कहा कि शासन के आदेश के बाद यह बदलाव किए गए हैं और अब नियमानुसार ही सर्टिफिकेट दिया जाएगा। शासन का हवाला देकर जिला अस्पताल में मनमानी की जा रही है। भर्ती प्रक्रियाओं में शामिल होने वाले छात्र-छात्राओं के लिए ब्लड टेस्ट जरूरी कर दिया गया है। अवैध वसूली की शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही। इससे अभ्यर्थियों में नाराजगी है।

टीम ने पांच अवैध लैब सील कीं

पैथोलॉजी सील करते स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- कमिश्नर के आदेश पर बिसौली में चला अभियान,हड़कंप

अमृत विचार : मंडलायुक्त के निर्देश पर शुक्रवार को सीएमओ ने तीन सदस्यी टीम गठित कर बिसौली में अवैध रूप से चल रही 5 पैथालॉजी को सील कर संचालकों के खिलाफा कार्यवाही की। इस छापेमारी से कस्बे में हड़कंप मचा रहा।

बिसौली सहित जिले में अवैध रूप से सैकड़ों पैथोलॉजी लैब संचालित की जा रही हैं जिनकी शिकायत स्वास्थ्य विभाग से लगातार की जा रही है फिर भी आज तक किसी अवैध लैब के खिलाफ कार्यवाही नही की गयी।

कुछ शिकायतों पर अमल करते हुए बरेली मंडलायुक्त ने सीएमओ को निर्देशित किया इसके बाद डा. पवन कुमार, डा. पवन कुमार जायसी, व डॉ. पंकज शर्मा की टीम बनाई। टीम ने सुबह अपना काम शुरू कर दिया। सबसे पहले दबतोरी रोड स्थित गुनगुन लैब पर छापा मारा गया कागज न मिलने पर उसे सील कर दिया गया। उसके बाद ईदगाह रोड स्थित लिबरा पैथोलॉजी लैब , कमल पैथोलॉजी लैब, मां दुर्गा पैथोलॉजी लैब, लाल पैथ लैब को भी सील किया गया। इन सभी दुकानों पर नोटिस चस्पा कर दुकान संचालकों से जबाब मांगा गया है। उक्त पांचों लैब संचालकों के खिलाफ कार्यवाही के निर्देशदिए ।

गंगा के पुल से स्टंट करने वाला युवक गिरफ्तार

बदायूं,अमृत विचार : उझानी कोतवाली क्षेत्र में कछला स्थित गंगा के रेलवे लाइन के पुल से स्टंटबाजी का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने युवक पर रिपोर्ट दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

गुरुवार को रेलवे पुल से स्टंटबाजी करते हुए गंगा में छलांग लगाने का वीडियो वायरल हुआ। पुलिस ने आरोपी कछला के वार्ड सात निवासी आकाश पुत्र अनेकपाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। शुक्रवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस की पूछताछ में उसने बताया कि वह नगर पंचायत कछला में काम करता है। प्राइवेट गोताखोर है। बचपन से ही कछला घाट पर रहा है। उसने 20 व 24 जून को रील बनाई थी और सोशल साइट्स पर अपनी आइडी पर अपलोड की थी लेकिन वायरल होने के बाद उसे अपनी आइडी से डिलीट कर दिया था।

नाबालिग से दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार

बिल्सी, अमृत विचार : बिल्सी पुलिस ने नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने के एक आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेजा है। नगर के एक मोहल्ला निवासी व्यक्ति की तहरीर पर पुलिस ने 9 जुलाई को आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने लड़की को खैरी अड्डा से सकुशल बरामद कर लिया था। आरोपी की तलाश की जा रही थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी गांव दिघौनी निवासी शाहरुख पुत्र निसार को नरैनी चौराहे से पकड़कर जेल भेजा। टीम में उपनिरीक्ष मोहित नैन, कांस्टेबिल संजय कुमार व मनोज कुमार रहे।

चेहरा प्रमाणीकरण में सबसे नीचे है बदायूं, प्रदेश में 75वां स्थान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा के दौरान अधिकारियों के साथ बैठक करते सीडीओ। ● अमृत विचार

- खराब प्रगति मिलने पर सीडीओ ने दिए 59 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की सेवा समाप्त करने के निर्देश
- डेढ़ माह में अब तक मात्र 58.76 प्रतिशत हो सका है चेहरा प्रमाणीकरण
- कर्मचारियों सहित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का कई माह से रुका चल रहा है वेतन

अमृत विचार: आंगनबाड़ी केंद्रों पर लाभार्थियों का चेहरा प्रमाणीकरण का काम चल रहा है। इस कार्य को आंगनबाड़ी कार्यकत्री कर रही हैं। उनकी लापरवाही का आलम यह है कि प्रदेश स्तर पर जिले की स्थिति बेहद खराब हैं। इस कार्य में पिछले माह तक जिले की रैंकिंग 74 थी। वह अब और नीचे गिर गई। जिला 75 वें स्थान पर आ गया। ऐसी स्थिति होने पर सीडीओ ने नाराजगी जताते हुए कार्य न करने वाली 59 कार्यकत्रियों की सेवा समाप्त करने के आदेश दिए हैं।

शुक्रवार को सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा करते हुए सीडीओ केशव कुमार ने पाया कि 50 कार्यक्रमों में जनपद को ए रैंकिंग, 06 में भी बी, 03 कार्यक्रमों में सी, 02 कार्यक्रमों में डी रैंकिंग मिली है तथा 26 कार्यक्रम ऐसे हैं जिसमें कोई रैंकिंग नहीं मिली है। समीक्षा के दौरान सीडीओ ने पाया कि जनपद में चेहरा प्रमाणीकरण के 211182 के लक्ष्य के सापेक्ष 58.76 प्रतिशत कार्य हुआ है। स्थिति बेहद खराब है। जिसमें 59 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के द्वारा कोई कार्य नहीं किया है। पोर्टल पर शून्य दिख रहा है। ऐसी स्थिति मिलने पर सीडीओ ने इन सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की सेवा समाप्त करने के आदेश दिए हैं। वहीं बेसिक शिक्षा परिषद के 140 प्राथमिक विद्यालय जिनका समीप के विद्यालयों में समाहित किया गया है। उनका निरीक्षण कर बाल वाटिका बनाने के आदेश दिए हैं। वृक्षारोपण में पाया कि जनपद में 53 लाख 75 हजार 850 पौधारोपण का लक्ष्य था जिसे पूर्ण कर लिया गया है। अब पौधों की जिओ ट्रैकिंग की जा रही है। यह कार्य 84.58 प्रतिशत तक हो चुका है। सीडीओ ने संबंधित विभागों के को जियो टैगिंग का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए।

संतुलित उर्वरक का प्रयोग करें किसान

उझानी, अमृत विचार : किसान खेतों में रासायनिक उर्वरकों का कम प्रयोग करें और नैनो यूरिया, नैनो डीएपी जैसे वैकल्पिक उत्पादों का प्रयोग करके मिट्टी के स्वास्थ्य का भी संरक्षण करे। संतुलित उर्वरक प्रबंधन पर हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम में यह बात इफको के स्टेट मार्केटिंग मैनेजर ने कही। कृषि विज्ञान केन्द्र उझानी के सभागार में पैक्स समितियां को संतुलित उर्वरक प्रबंधन पर हुए कार्यक्रम में स्टेट हेड यतेन्द्र तेवतिया ने कहा कि मिट्टी का बेहतर स्वास्थ्य किसानों को अच्छी फसल और दे सकता है। मेरठ से आए इफको के डीजीएम शैलेन्द्र सिंह ने बिक्री केंद्र प्रभारियों से इफको के विशिष्ट उत्पादों विशेष से रूप से नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी की किसानों के मध्य ग्राह्यता बढ़ाने पर जोर दिया।

डा सौहार्द दुबे वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र उझानी ने कृषि विज्ञान केंद्र के फॉर्म एवं नैनो डीएपी के उत्कृष्ट परिणाम के बारे में बताया। नैनो यूरिया, नैनो डीएपी जैव उर्वरक से पूरी करने किसानो को प्रशिक्षित करने का आह्वान किया।

जगत ब्लॉक के गुलड़िया गांव में बनेगा सीएचसी, भेजा प्रस्ताव

80 हजार की आबादी पर होगा दूसरा सीएचसी ,मिलेगी सुविधा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- स्वीकृति मिलने के बाद गांव में शुरू होगा निर्माण कार्य

अमृत विचार : स्वास्थ्य सुविधाओं को विस्तार देने को शासन स्तर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। ब्लॉक जगत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र है। अब इसके बाद अब इसी ब्लॉक क्षेत्र के गांव गुलड़िया में एक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। प्रस्ताव स्वीकृत होने के बाद गुलड़िया में सीएचसी का निर्माण शुरू करा दिया जाएगा।

अभी तक जनपद में 15 ब्लॉक हैं। 15 ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैं। जबकि पीएचसी और न्यू पीएचसी की संख्या भी अधिक है। अब ब्लॉक जगत में एक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खोला जाएगा। नगर पंचायत गुलडिया में इसके लिए जगह देखी गई है गुलड़िया में दूसरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने को शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। प्रस्ताव स्वीकृत होने के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का निर्माण शुरू करा दिया जाएगा।

ब्लॉक जगत के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के एमओआईसी डा. मोहम्मद असलम ने बताया कि ब्लॉक जगत की कुल आबादी 2 लाख 40 हजार है। बड़ा ब्लॉक क्षेत्र होने के कारण एक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र होना चाहिए। बताया कि 80 हजार की आबादी पर एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र होना चाहिए। गुलडिया पर दूसरा सीएचसी बन जाने पर इस ब्लॉक का कुछ क्षेत्र

> ब्लॉक जगत क्षेत्र में एक और सीएचसी बनाने का प्रस्ताव बनाया गया है। प्रस्ताव शासन को भेजा जा चुका है। नयी सीएचसी गांव गुलड़िया में बनाया जाएगा। प्रस्ताव स्वीकृत होते ही धन भी आवंटित कर दिया जाएगा। उसके बाद विभाग नयी बिल्डिंग का नक्शा बना कर देगा और निर्माण शुरू करा दिया जाएगा।
> –डा. रामेश्वर मिश्रा, सीएमओ

उसमें शामिल कर दिया जाएगा। जिससे स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं सुविधापूर्वक मुहैया हो सकेंगी। उन्होंने बताया कि दूसरा सीएचसी बन जाने पर विभाग को भी सुविधा होगी साथ ही इस ब्लॉक के लोगों को घर बैठे दवाएं मिल सकेंगी। शासन की मंशा है कि स्वास्थ्य सुविधाओं को विस्तारित किया जाए जिससे मरीज को अधिक दूर तक न दौड़ना पड़े।

डीएम ने अधिकारियों संग किया कछला घाट का निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- कांवड़िया की सुविधा के लिए वॉच टावर से ठीक से करें निगरानी

अमृत विचार : जिलाधिकारी अवनीश राय ने शुक्रवार को पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ श्रावण मास में कावड़ यात्रा के दृष्टिगत की गई तैयारी का जायजा लेने को कछला घाट का निरीक्षण किया। उन्होंने वॉच टावर से ठीक प्रकार से निगरानी करने के निर्देश दिये । डीएम ने कछला घाट पर बने पुल से मुआयना किया, साथ ही घाट के दोनों छोर पर की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सीसीटीवी कैमरों,नावों, गोताखोरों की व्यवस्था, सफाई व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग आदि का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

डीएम ने बताया कि कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने को प्रत्येक शुक्रवार की सांय से सोमवार की सांय तक रूट डायवर्जन की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि डायवर्जन व्यवस्था के दौरान यह सुनिश्चित करें कि आम आदमी को परेशानी न हो, साथ ही कांवड़ियों का मार्ग सुगम हो। उन्होंने सोमवार व अन्य मुख्य स्नान के दिनों में क्राउड मैनेजमेंट पर कार्य करने के निर्देश भी दिए।

डीएम ने विभिन्न शिविरों व अन्य स्थानों पर वितरित की जा रही खाद्य सामग्री की नियमित रूप से चेकिंग करने के निर्देश दिए, कावड़ मार्ग का भी अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पतालों में एंटी वेनम व एंटी रैबीज इंजेक्शन सहित आवश्यक दवाओ की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार सिंह सहित अन्य पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

सार-संक्षेप

स्थानान्तरण हुए कर्मियों को दी विदाई

बदायूं, अमृत विचार : शुक्रवार को चकबंदी कार्यालय में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें स्थानांतरण पाने वाले चार कर्मियों को बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी विनोद कुमार सिंह ने विदाई दी। चकबंदी कार्यालय में कार्यालय में कार्यरत तीन लिपिक संवर्ग तथा एक लेखपाल का स्थानांतरण हुआ है। विदाई समारोह के दौरान चकबंदी अधिकारी अमित कुमार ने स्थानान्तरित कर्मचारियों का माल्यार्पण किया। इस मौके पर योगेश कुमार गुप्ता, सत्यवीर पेशकार, इंतखाब हुसैन आदि उपस्थित रहे।

साइबर ठगी को लेकर तत्काल करें कार्रवाई

बदायूं, अमृत विचार : एसपी सिटी विजेंद्र द्विवेदी ने रिजर्व पुलिस लाइन सभागार में थानों पर तैनात साइबर सेल, साइबर हेल्पडेस्क के निरीक्षक, उपनिरीक्षक और कंप्यूटर ऑपरेटर्स के साथ गोष्ठी की। कहा कि वर्तमान में साइबर ठगी घटनाएं बढ़ी हैं। इन घटनाओं, डिजिटल अरेस्ट कैंप की प्रभावी रोकथाम के लिए एनसीआरपी पोर्टल पर प्रभावी कार्रवाई करने को कहा। साथ ही साइबर फ्राड पीड़ितों की शिकायतों को तत्काल संबंधित थानों की ओर से गोल्डन ऑवर्स में पंजीकृत करने को निर्देशित किया। थानों पर गठित साइबर सेल पर तैनात सभी कर्मियों को नेशनल साइबर क्राइम ट्रेनिंग सेंटर का प्रशिक्षण भी हर दिशा में पूरा करने को कहा।

चिकित्सा शिविर को औषधि निरीक्षक ने कराया शुरू

बदायूं, अमृत विचार : कांवड़ियों के स्वास्थ्य सेवा को उझानी के कल्याण चौक व बाईपास पर प्राथमिक चिकित्सा खोला गया है। इन शिविरों को ड्रग्स एसोसिएशन की सहायता से खोला गया है। इन शिविरों का शुक्रवार को औषधि निरीक्षक लव कुश प्रसाद ने शुरू कराया। साथ ही कांवड़ियों में दवाइयों का वितरण किया। इस अवसर पर उझानी केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष अवधेश गोयल, गोपाल कृष्ण अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, डॉ मोहित अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

कैंप में सुनी शिकायतें, सवा आठ लाख वसूले

बिल्सी, अमृत विचार : विद्युत उपकेंद्र पर शुक्रवार को कैंप लगाया गया। जिसमे अधिशासी अभियंता नागेंद्र सिंह की मौजूदगी में उपभोक्ताओं की समस्याओं को सुनने के बाद निस्तारण किया गया। इस दौरान उनके समक्ष 53 शिकायतें आई। जिनमें बिल से संबंधित 21 शिकायत आयी। 19 का मौके पर समाधान किया गया। मीटर खराब होने की 23 शिकायतें प्राप्त हुई। जिनमें से 11 नंबर शिकायतों का मौके पर ही निस्तारित किया गया। कैंप में 112 उपभोक्ताओं से सवा आठ लाख की राजस्व वसूली की गई। इस मौके पर उपखण्ड अधिकारी जयप्रकाश, अवर अभियंता गजेंद्र पाल, बिलिंग बाबू कुलदीप, अभिषेक, मनोज कुमार, सत्यपाल सिंह, राजेश कुमार, देवकी नन्दन आदि मौजूद रहे।

गिंदो देवी में हुई प्रतियोगिताएं, पल्लवी व स्नेहा प्रथम

बदायूं, अमृत विचार : गिन्दो देवी महिला महाविद्यालय में प्राचार्या डॉ. सरला चक्रवर्ती के संरक्षण में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता और स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रीति वर्मा व कार्यक्रम अधिकारी अवनीशा वर्मा और रोवर्स रेंजर्स प्रभारी शालू गुप्ता, एनसीसी प्रभारी डॉ. श्रद्धा यादव ने 22 जुलाई तक आयोजित होने वाले भूजल सप्ताह के बारे में विस्तार से बताया। प्राचार्या ने छात्राओं को जल के महत्व, उसे बचाने के तरीके और इस पर सरकार की विभिन्न पहलों के बारे में समझाते हुए संबोधित किया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में तृतीय सेमेस्टर की पल्लवी और स्लोगन लेखन में प्रथम सेमेस्टर की स्नेहा को पहला स्थान मिला।

एडीजे ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

बदायूं, अमृत विचार : अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश शिव कुमारी ने शुक्रवार को जिला कारागार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एडीजे ने महिला बैरक के साथ वहां की रसोई की स्थिति देखी। निरीक्षण के दौरान एडीजे ने ऐसे निरुद्ध बंदी जो दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 436 क से के आरोप में बंद हैं और अपनी आधी सजा से अधिक समय व्यतीत कर चुके हैं उससे सम्बन्धित बंदियों की सूची व इनकी रिहाई के सन्दर्भ जानकारी दिए जाने के निर्देश कारागार अधीक्षक को दिए। साथ ही कारागार में साफ सफाई रखने को कहा। एडीजे ने महिला बंदियों की समस्याओं को सुना। निरीक्षण के दौरान एडीजे के साथ कारागार में चीफ, ब्रहमानन्दन गौतम, सत्यवीर सिंह, राकेश कुमार यादव, कशिश सक्सेना, कारापाल रणनजय सिंह, उपकारापाल मो. खालिद आदि उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नाम के तहत स्कूल में किया पौधारोपण

बिल्सी, अमृत विचार : शुक्रवार को फ्यूचर लीडर्स स्कूल में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों द्वारा विभिन्न प्रकार के पौधे जैसे नीम, पीपल, अशोक, अमरूद, गुलमोहर आदि लगाए गए। विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण से संबंधित पोस्टर बनाए गए और नारे भी प्रस्तुत किए गए। विद्यालय के डायरेक्टर वी.पी. सिंह ने कहा "वृक्ष हमारे जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। विद्यालय के एमडी राहुल कुमार सिंह ने बताया कि पेड़ प्रकृति का आधार हैं। प्रधानाचार्य रविन्द्र सिंह ने वृक्षों के महत्व के बारे में बताया। इस दौरान परमेंद्र सिंह, केशव शर्मा, राखी गुप्ता, रूबी मौर्य, मुनीश शर्मा, आकांक्षा गौतम, प्रशांत सिंह, विशेष चौहान, दीक्षा वार्ष्णेय, साक्षी गुप्ता, रागिनी मिश्रा, ट्विंकल जैन, ऐश्वर्या माहेश्वरी, प्रीति श्रीवास्तव, अंकित सिंह, विश्व दीपक आदि रहे।

20 टीबी मरीजों को दी गयी छठवीं पोषण पोटली

बदायूं, अमृत विचार : डाइट ऑडिटोरियम में शुक्रवार को बिल्सी विधायक हरीश शाक्य की अध्यक्षता में टीबी मरीजों को गोद ले लिया गया, जिसमें योग टीम संस्था के योगाचार्य गिरधारी सिंह राठौर एवं उनके सदस्यों द्वारा 20 टीबी के मरीजों को गोद लिया गया। गोद लिए गए सभी टीबी के मरीजों को इस बार छठवीं पोषण पोटली उपलब्ध कराई गई, एवं उनका टीबी का इलाज पूर्ण होने तक उनके स्वास्थ्य की पूर्ण जिम्मेदारी भी ली गयी।

क्रिटिकल नवजात केंद्र बना झोलाछापों का अड्डा

संवाददाता, सहसवान

- नवजात की सुरक्षा के नाम पर खुला है झोलाछाप का एनआईसीयू पीसीयू,सीपीएपी हॉस्पिटल

> सहसवान में हुई घटना के बाद एक अस्पताल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। यदि यह कोई दूसरा केंद्र है तो जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी
> –डा. रामेश्वर मिश्रा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ)

अमृत विचार : नगर में बदायूं-मेरठ हाईवे से ग्राम डकारा को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर मंडी समिति के पीछे स्थित एक कथित क्रिटिकल नवजात शिशु केंद्र झोलाछापों का अड्डा बन गया है। यहां एनआईसीयू, पीआईसीयू और सीपीएपी सेंटर के नाम पर बिना किसी विशेषज्ञ चिकित्सक के नवजातों का इलाज किया जा रहा है। अस्पताल में ऑक्सीजन सिलेंडर के अलावा कोई विशेष सुविधा नहीं है, फिर भी नवजात शिशुओं के परिजनों से लाखों रुपये वसूले जा रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, संचालक ने क्षेत्र में दलालों का नेटवर्क खड़ा कर रखा है, जो कमीशन के लालच में नवजात शिशुओं को यहां भर्ती कराने के लिए परिजनों को गुमराह करते हैं। अस्पताल के बाहर बड़े-बड़े बोर्ड पर विशेषज्ञों की निगरानी में इलाज लिखकर भ्रम फैलाया जा रहा है। अंदर इलाज करने वाला स्टाफ मात्र झोलाछाप है, जो मेडिकल की कोई मान्यता प्राप्त डिग्री नहीं रखते।

शिशु की हालत बिगड़ने पर उसे खुद ही रेफर कर दिया जाता है, ताकि इलाज की कोई जिम्मेदारी न बने। हैरानी की बात है कि मुख्य मार्ग पर खुले इस कथित क्रिटिकल सेंटर पर अब तक स्वास्थ्य विभाग या प्रशासन की कोई कार्रवाई नहीं हुई है। सूत्र बताते हैं कि जिले के बड़े अफसरों तक हर माह मोटी रकम पहुंचाई जाती है, ताकि कार्रवाई न हो सके।

बैंक प्रबंधक के खिलाफ किया किसानों ने प्रदर्शन

बदायूं, अमृत विचार : ग्रामीण बैंक गुलड़िया में किसानों को केसीसी के नाम पर ठगा जा रहा है। मनमाना पैसा नहीं देने पर उनके साथ अभद्रता की जा रही है। इसी के विरोध में भाकियू ने शुक्रवार को मालवीय आवास गृह पर धरना प्रदर्शन कर बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक को ज्ञापन सौंपा।

गुलड़िया निवासी गजेंद्र सिंह ने बताया कि उसने ग्रामीण बैंक में केसीसी बनवाने को प्रार्थना पत्र दिया था सभी दस्तावेज बनवा लिए इसके बाद बैंक प्रबंधक से बात की तो उन्होंने टालमटोल कर दिया।

कई दिनो तक चक्कर लगवाए मगर किसान क्रेडिट कार्ड नहीं बना। प्रबंधक ने योजना का लाभ लेने से वंचित किया है। जिससे परेशान होकर वह धरना प्रदर्शन कर रहा है। उसने क्षेत्रीय प्रबंधक को बैंक के कारनामों की जांच कराने को ज्ञापन देते हुए कार्यवाही की मांग की।

मांग पूरी न हुई तो 22 से कलमबंद हड़ताल करेंगे रोजगार सेवक

संवाददाता, इस्लामनगर

खंड विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपते रोजगार सेवक। ● अमृत विचार

- शुक्रवार को रोजगार सेवकों ने खंड विकास अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार : शुक्रवार के ब्लॉक के सभी रोजगार सेवकों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर शुक्रवार को खंड विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। चेतावनी दी कि अगर 21 जुलाई तक उनकी मांगों को पूरा नहीं किया गया तो वे 22 जुलाई से कलमबंद हड़ताल पर बैठने के लिए बाध्य होंगे। रोजगार सेवकों ने बताया कि उन्हें कई महीनों से मानदेय नहीं मिला है। जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

इसके अलावा उन्हें न तो ईपीएफ (कर्मचारी भविष्य निधि) की सुविधा मिल रही है। न ही आईडी-पासवर्ड उपलब्ध कराए जा रहे हैं। साथ ही शासन से बार बार शासनादेश निर्गत होने के बावजूद डब्टेलिंग जैसे कार्य नहीं हो पा है, जिससे कार्यों में बाधा उत्पन्न हो रही है। रोजगार सेवकों ने स्पष्ट किया कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र अमल नहीं किया गया, तो वह हड़ताल करने को बाध्य होंगे। साथ ही समस्त रोजगार सेवकों ने चेतावनी देते हुए कहा है कि उनकी मांगे जब तक पूर्ण नहीं होती है तब तक समस्त रोजगार सेवक बीएलओ ड्यूटी, राशन वितरण ड्यूटी व अन्य सभी प्रकार की सरकारी जिम्मेदारियों से विरत रहेंगे और पूर्णतः कलम बंद हड़ताल पर चले जाएंगे। रोजगार सेवकों ने प्रशासन से मांगों पर गंभीरता से विचार करने की अपील की है। ब्लॉक अध्यक्ष लाइक सिंह, जिला सचिव दिनेश कुमार, रूप बसंत, चंद्र प्रकाश, चरण सिंह, उदयवीर सिंह, अवधेश शर्मा, कृष्णवीर, आर्य इंद्र सिंह, विमल कुमार, खेमपाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

पीओएस मशीन की कनेक्टिविटी हुई फेल, किसानों को नहीं मिली खाद

घटपुरी की साधन सहकारी समिति पर खाद लेने को लगी किसानों की भीड़। ● अमृत विचार

संवाददाता, विजय नगला

अमृत विचार : ब्लॉक सलारपुर क्षेत्र की सहकारी समिति घटपुरी पर खाद वितरण के दौरान कई बार पीओएस मशीन की कनेक्टिविटी फेल हुई। जिसकी वजह से किसानों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई ऐसे रहे जिन्हें खाद नहीं मिल सकी, वह बिना खाद लिए ही वापस लौट गए।

साधन सहकारी समिति पर शुक्रवार को डीएपी खाद वितरण की सूचना मिलते ही दर्जन भर से अधिक गांव के लोग डीएपी खाद लेने समिति पर पहुंच गए। डीएपी वितरण के दौरान कई बार पीओएस मशीन की कनेक्टिविटी फेल हुई। जिसकी वजह से खाद वितरण में वहां के प्रभारी को दिक्कत हुई। कई किसान ऐसे रहे जो सुबह से भूखे प्यास लाइन में लगे थे। उन्हें खाद नहीं मिल सकी। उन्हें बिना खाद के वापस लौटना पड़ा।

समिति पर कार्यरत सचिव सुभाष सिंह ने बताया समिति पर डी ऐ पी खाद के 500 बोर, यूरिया खाद के 1030 बोरे उपलब्ध हैं। जिसमें 360 कटटे डीएपी 370 कटटे यूरिया खाद का ही वितरण हुआ है। पीओएस मशीन की कनेक्टिविटी फेल होने से खाद वितरण में दिक्कत हुई। शनिवार को खाद का वितरण किया जाएगा।

कादरचौक में प्रभारी निरीक्षक आवास का उद्घाटन

कादर चौक,अमृत विचार : शुक्रवार को कादरचौक थाना परिसर में दातागंज विधायक राजीव कुमार सिंह व पूर्व विधायक धर्मेन्द्र शाक्य ने कादरचौक प्रभारी निरीक्षक के आवास का निर्माण व जीर्णोद्धार कार्यो का फीताकाट कर उद्घाटन किया।

उद्घाटन के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर विजयेन्द्र द्विवेदी, क्षेत्राधिकारी उझानी डॉ. देवेन्द्र कुमार तथा प्रभारी निरीक्षक कादरचौक धनंजय सिंह उपस्थित रहे । विधायक राजीव कुमार सिंह पूर्व विधायक धर्मेन्द्र शाक्य शेखुपुर तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. बृजेश कुमार सिंह द्वारा थाना कादरचौक में प्रभारी निरीक्षक कादरचौक के आवासीय निर्माण एवं जीर्णोद्धार का उद्घाटन कर साफ संदेश दिया गया कि जनता की सेवा में तत्पर पुलिस कर्मियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

कंपार्टमेंट परीक्षा के लिए जिले में पहुंचे प्रवेश पत्र

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : 26 जुलाई को होने वाली हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की कंपार्टमेंट परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पहुंच चुके हैं। डीआईओएस ने प्रधानाचार्य को पत्र जारी कर प्रवेश पत्र प्राप्त करने के आदेश दिए हैं। साथ ही कहा कि परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों का केंद्र और तिथि से भी अवगत कराएं। जिससे वह परीक्षा में शामिल हो सकें।

जिला विद्यालय निरीक्षक लालजी यादव ने बताया कि 26 जुलाई को हाई स्कूल इंप्रूवमेंट, कंपार्टमेंट और इंटर कंपार्टमेंट परीक्षा शहर राजकीय इंटर कॉलेज में होगी। कंपार्टमेंट परीक्षा को लेकर तैयारी पूरी की जा रही है। बताया कि इंप्रूवमेंट, कंपार्टमेंट परीक्षा में बैठने वाले छात्र-छात्राओं के प्रवेश पत्र आ गए हैं। प्रवेश पत्र का वितरण करने को कहा गया है। साथ ही पत्र जारी कर विद्यालयों के प्रधानाचार्य को निर्देश जारी किए गए है कि किसी भी छात्र का प्रवेश पत्र वितरण में विलंब न हो।

विद्यालय प्रशासन परीक्षा की तिथि, समय और केंद्र के बारे में जानकारी छात्रों को समय से उपलब्ध कराएं। जिससे किसी भी विद्यार्थी की परीक्षा छूटने न पाए। निर्देश दिए गए हैं कि परीक्षा में बैठने वाले विद्यार्थी अच्छी तैयारी करें, जिससे वह सफलता प्राप्त कर सकें।

जिले के विभिन्न स्कूलों के हाईस्कूल 774 और इंटर में 386 परीक्षार्थियों ने कंपार्टमेंट और इंप्रूवमेंट परीक्षा के लिए आवेदन किया। यह परीक्षा 26 जुलाई को राजकीय इंटर कॉलेज में होगी। जिसकी तैयारी चल रही है।

स्कूल में गणित प्रदर्शनी का आयोजन, बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : नगर के बाबा इंटरनेशनल स्कूल में शुक्रवार को गणित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया । सर्वप्रथम विद्यालय डायरेक्टर अनुज वार्ष्णेय व विद्यालय प्रधानाचार्य रूपा माहेश्वरी ने फीता काटकर प्रदर्शनी का शुभारम्भ किया ।

छात्रों ने प्रदर्शनी में विभिन्न गणितीय माडलों को बनाकर अपनी रचनात्मकता और गणित की समझ का प्रदर्शन किया । जिसमे बच्चों ने द्विआयामी एवं त्रिआयामी ठोस आकृतियों का मॉडल बनाकर उनके बारे में बताया व संख्याओं का डाटा ग्राफ के माध्यम से समझाया, त्रिभुज की भुजाओं व पाइथागोरस प्रमेय को प्रयोगात्मक रूप से सिद्ध कर दिखाया व अन्य माडलों द्वारा ज्यामितीय आकार जैसे बेलन, शंकु, पिरामिड, प्रिज्म आदि तथ्यों को समझाया, जो कि गणित की विभिन्न अवधारणाओं को दर्शाते हैं ।

प्रधानाचार्या रूपा माहेश्वरी ने कहा कि बच्चों ने गणित प्रदर्शनी में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने सभी बच्चों के मॉडलों को देखने के बाद बच्चों की प्रतिभा को सराहते हुए कहा कि गणित प्रदर्शनी स्कूल का एक महत्वपूर्ण आयोजन है ।विद्यालय प्रशासक अमित माहेश्वरी ने कहा कि इस प्रदर्शनी का उद्देश्य बच्चों में गणित विषय के प्रति रुचि और उत्साह पैदा करना है, इस अवसर पर तुषा वार्ष्णेय, विकास गाँधी, प्रियम वार्ष्णेय, रेखा शर्मा आदि का सहयोग रहा ।

हेपेटाइटिस के मरीजों की रही भीड़, कई मरीज बेहोश

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

जिला अस्पताल में डाक्टर कक्ष के बाहर लगी मरीजों की लाइन। ● अमृत विचार

- काली पीलिया के 97 मरीज, नए मरीजों का सैंपल नहीं

> ब्लड सैंपल अभी लखनऊ भेजे जा रहे हैं। राजकीय मेडिकल कॉलेज में बाहरी मरीजों का वायरल लोड नहीं किया जा रहा है। सीएमओ के आदेश हैं कि सैंपल लखनऊ न भेजे जाएं, इसी कारण सैंपल कलेक्शन की तिथि तय नहीं की गई है।
> –डॉ. एसएम कमल, फिजीशियन

अमृत विचार : जिला अस्पताल में शुक्रवार को हेपेटाइटिस मरीजों की भारी भीड़ रही। सुबह से दोपहर तक मरीज दवा और इलाज के लिए लाइन में खड़े रहे। देर होने पर कई मरीज बेहोश होकर गिर गए जबकि दर्जनों मरीज लाइन में ही बैठे रहे। शुक्रवार को करीब 187 मरीजों को देख कर दवा दी गई। अन्य मरीजों को भी दवा दी गई। मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन इस माह अब तक नए मरीजों का ब्लड सैंपल नहीं लिया गया है। 12 जून को आई जांच रिपोर्ट के मरीजों का ही इलाज चल रहा है।

जिला अस्पताल में शुक्रवार और मंगलवार को हेपेटाइटिस मरीज देखे जाते हैं। पिछले माह 12 जून को लखनऊ से आई जांच रिपोर्ट में 190 मरीज पॉजिटिव पाए गए थे। उन्हीं मरीजों का इलाज अभी किया जा रहा है। शुक्रवार को सुबह 9 बजे से मरीज ओपीडी के बाहर कतार में लगने लगे। डॉक्टर 10 बजे के बाद बैठे, जिससे कतार और लंबी हो गई। ओपीडी 6 के बाहर मरीजों ने दोहरी लाइन लगा दी। भीड़ बढ़ने पर हंगामा भी हुआ लेकिन समझा-बुझाकर मामला शांत कराया गया। डॉक्टर के बैठने के बाद मरीज शांत हुए, लेकिन दवा लेने में भी मरीजों को मशक्कत करनी पड़ी।

फिजीशियन डॉ. शिवमोहन कमल ने बताया कि सभी मरीज पुराने हैं। जून में रिपोर्ट आने के बाद इलाज शुरू हुआ था। शुक्रवार को लगभग सभी मरीज ओपीडी में आए। कुछ नए मरीज भी पहुंचे जिन्हें देखकर दवा दी गई। 12 जून की रिपोर्ट में 97 मरीज काली पीलिया से ग्रसित पाए गए थे। डॉक्टरों के अनुसार, काली पीलिया का इलाज सामान्य पीलिया की तुलना में कठिन है। काली पीलिया के मरीजों को ठीक होने में करीब 45 दिन लगते हैं, जबकि सामान्य पीलिया 30-35 दिन में ठीक हो जाता है। गंभीर मरीजों को अभी और दवा दी जा रही है।

इस माह नए संभावित मरीजों का ब्लड सैंपल नहीं लिया गया है। शुक्रवार को दर्जनों मरीज ब्लड सैंपल देने पहुंचे, लेकिन उन्हें वापस कर दिया गया। मरीजों को बताया गया कि सैंपल देने की तारीख तय नहीं की गई है, तिथि मिलने पर बुलाया जाएगा।

खून के आंसू

हकीम जहीर अहमद (क्लीनिक)
पंजी. सं. 19706
डॉ. एम. अहमद (BUMS)
जो लोग बचपन की गलतियों से अपनी जवानी बर्बाद कर चुके हैं जिनको
धात, स्वप्नदोष, सुस्ती, कमजोरी, शीघ्र पतन होना, जोश में कमी, रूकावट, बवासीर, भगन्दर, ल्यूकोरिया, महावारी का न होना, शुक्राणुओं की कमी, नि:संतान रोगी (नशा छुड़वाये), सोराइसिस, नलों का बंद होना, कैंसर, शुगर इन्दी का लंबापन, मोटापन, 50 साल से ऊ पर वाले मर्दों का सैक्स पावर खत्म होना, गुर्दे का क्रीटनीन, प्रोस्टेट, अल्सर, योनि का ढ़ीलापन, पेशाब बार-बार आना, पेशाब में खून आना।
वह लोग जिनका विचारों से ही स्लखन हो जाता हो या वे भाई जिनकी उम्र ज्यादा हो वक्त पर बीबी से शर्मिन्दा रहते हो तुरन्त मिलें प्रत्येक:-
शनिवार रविवार
बिहारीपुर पुलिस चौकी के आगे, इस्लामिया मैदान के सामने, बरेली
मो. 9634499693
9837338306

पहली बारिश ने खोली गुणवत्ता की पोल

8 महीने में ही धंसी सड़कें, टूटी सड़कों ने बढ़ाया हादसों का खतरा, स्कूली वाहन फंसे

वन विभाग की टूटी पर गुजरती रोडवेज बस । ● अमृत विचार

रोडवेज जाने वाली सड़क में बना गहरा गड्ढा । ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- पहली बारिश में बिखर गई नगर पालिका की सड़कों की गिट्टी
- सड़कों पर गड्ढे होने से लोगों को आने में हो रही दिक्कत

अमृत विचार: शहर में नगर पालिका द्वारा बनवाई गई सड़कें पहली ही बारिश नहीं झेल पाईं। मानसून की बरसात में ये सड़कें टूट कर बिखर चुकी हैं। जगह-जगह गहरे गड्ढे हो चुके हैं, जिनमें बरसात का पानी भर गया है। सड़कों पर पैदल चलना और दोपहिया वाहनों से गुजरना मुश्किल हो गया है।

आठ महीने पहले नगर पालिका ने लाखों रुपये खर्च कर पुलिस लाइन चौराहे से रोडवेज बस स्टैंड और वन विभाग रोड समेत आधा दर्जन से अधिक सड़कों का निर्माण कराया था। निर्माण के समय अफसरों ने गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया। नतीजा यह है कि बारिश में सड़कों की गिट्टी बाहर निकल आई है और गड्ढों में पानी भरकर सड़कें तालाब में बदल गई हैं।

टूटी सड़कों से वाहन हिचकोले खाते हुए गुजर रहे हैं। स्कूली वाहन चालकों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। हादसे का डर हर वक्त बना रहता है। वहीं पैदल चलने वालों को गंदे पानी और कीचड़ के बीच से निकलना पड़ रहा है।

> बरसात से पूर्व बनी सड़कों के टूटने की जांच कराई जाएगी। ईओ और जेई से रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट के आधार पर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाएगी।
> — अरुण कुमार, एडीएम प्रशासन

नाला निर्माण बना लोगों की मुसीबत

जलभराव से निपटने के लिए नगर पालिका ने बड़े नालों से जोड़कर छोटे नाले बनवाने का काम शुरू किया था, जो अब लोगों के लिए मुसीबत बन गया है। निर्माण कार्य धीमी गति से हो रहा है। खुदाई के दौरान निकली मिट्टी अभी तक सड़कों पर पड़ी है, जिससे बरसात में सड़कें कीचड़ में बदल गई हैं। स्कूली बच्चे तक फिसलकर गिर चुके हैं।

शौच के समय तालाब में गिरी महिला की मौत

बिल्सी, अमृत विचार : कोतवाली बिल्सी क्षेत्र के गांव नगला दम्पति में शुक्रवार की सुबह शौच के लिए गई एक बुजुर्ग महिला की तालाब में डूबने से मौत हो गई। परिवार के लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को नहीं दी और ना ही पोस्टमार्टम पीएम कराया। शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

विकास खंड अंबियापुर की ग्राम पंचायत पहाड़पुर के मजरा नगला दम्पति निवासी रामश्री (59) पत्नी गंगा सहाय शुक्रवार तड़के चार बजे शौच के लिए घर से निकली और घर के पास स्थित तालाब के किनारे बैठ गई। इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और वह तालाब में गिर गई। वह गहरे पानी में डूब गई।

वह चिल्लाईं तो ग्रामीण एकत्र हो गए और परिजन भी पहुंच गए।जब तक परिवार के लोगों ने महिला को बाहर निकाला तब तक उनकी पानी में डूबने से मौत हो गई। सूचना पर हल्का लेखपाल विनय कुमार सिंह गांव पहुंचे और जानकारी की। लेखपाल ने पोस्टमार्टम कराने को कहा लेकिन परिजनों ने इंकार कर दिया।

सार-संक्षेप

मुद्दा : खाद की कालाबाजारी रोकने को सहकारिता मंत्री से मिले विधायक

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जिले में खाद को लेकर सुबह सुबह सोसायटियों के बाहर लंबी किसानों की कतारें और खाद यूरिया पाने को मची मारामारी को लेकर पुवायां विधायक चेतराम ने विधानसभा क्षेत्र के किसानों को खाद को लेकर दुश्वारियों का सामना न करना पड़े, इसके लिए लखनऊ में सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर से मिलकर वार्ता की। विधायक ने बताया कि उन्होंने खाद की उपलब्धता व कालाबाजारी रोकने के संबंध में मंत्री से अनुरोध किया कि खुटार, बंडा व पुवायां में कुछ किसानों को खाद की किल्लत हो रही है। समाचार पत्रों, सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी मिल रही है कि किसान खाद के लिए लंबी लाइनों में लग रहा है, इस समस्या का निराकरण हो। इसको लेकर मंत्री द्वारा अपने विभाग के अधिकारियों को अपने स्तर से निर्देशित करें, जिस पर मंत्री ने आश्वासन दिया कि जनपद में खाद को लेकर कोई दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। विधायक ने आगे बताया कि मंत्री ने बताया कि कुछ असमाजिक तत्वों द्वारा मोटरसाइकिल से खाद की बोरियां बाहर पड़ोसी मुल्क नेपाल ले जाई जा रही है, जिसका उन्होंने वीडियो भी दिखाया है। मंत्री ने कहा कि इसकी रोकथाम व जिलाधिकारी लखीमपुर खीरी व अन्य संबधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए हैं। यहां के किसानों को वितरण वाली खाद बाहर जा न पाए। इसके साथ ही विधायक ने जिला प्रशासन से भी अपील करते हुए कहा है कि किसानों को खाद को लेकर परेशानी न हो, गोदामों का अधिकारी रोजाना निरीक्षण कर खाद का वितरण कराएं।

दर्जन भर गार्ड, फिर भी सीएचसी बना आशिकों का अड्डा

पुवायां, अमृत विचार : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता है, इसके बावजूद अस्पताल प्रशासन अपनी आंखें मूंदे बैठा है। गुरुवार की शाम कुछ लोगों ने अस्पताल परिसर में एक प्रेमी युगल को अश्लील हरकतें करने का वीडियो बना लिया, जो वायरल हो रहा है। गुरुवार की दोपहर बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में दीवार के किनारे एक प्रेमी युगल बैठकर अश्लील हरकतें कर रहे थे। अस्पताल में मौजूद कुछ लोगों ने इस घटना का वीडियो बना लिया। इस दौरान एक युवक उनके सामने पहुंच गया, जिसे देखकर अश्लील हरकतें कर रहा युवक घबरा गया लेकिन महिला वहीं लेटी रही। महिला ने युवकों पर चिल्लाना शुरू कर दिया। साथ ही महिला पति-पत्नी होने का दावा करती रही। जब लोगों ने सख्ती दिखाई तो वह दोनों वहां से खिसक लिए। यह तमाशा लगभग एक घंटे तक चला। इस बीच अस्पताल में तैनात गार्ड मौके पर नहीं पहुंचे थे। सीएचसी परिसर की देखभाल और सुरक्षा के लिए अस्पताल में लगभग एक दर्जन सुरक्षाकर्मी तैनात हैं, इसके बावजूद अस्पताल परिसर में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता है, इस बारे में जब चिकित्साधिकारी नरेंद्र पाल से बात की तो उन्होंने बताया कि इस बारे में कोई जानकारी नहीं है, जानकारी होने पर कार्रवाई की जाएगी।

101 लीटर गंगाजल भरी कांवड़ का किया स्वागत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : लखीमपुर निवासी भोलेनाथ के भक्त श्रद्धालु रंजीत, सुनील, रवि, दुर्गेश, अनिल, अजय, नितिन, सुजीत पांचालघाट फर्रुखाबाद से 101 लीटर पवित्र गंगाजल भरकर गोला गोकर्णनाथ जा रहे हैं। शुक्रवार को शाहजहांपुर पहुंचने पर बजरंग दल ने कार्यकर्ताओं ने पटका पहनाकर सम्मानित किया। महानगर मंत्री धर्मेन्द्र, विश्व हिंदू परिषद हर्षित गुप्ता सहित बजरंग टीम श्रद्धालुओं के साथ मनोकरण मंदिर रेती से हथौड़ा चौराहा तक साथ पैदल चली। इस दौरान हर्षित श्रीवास्तव, अनुज यादव, छोटेलाल वर्मा, अजीत राजपूत, अनुज जोशी, सचिन आदि कार्यकर्ता रहे।

चेयरमैन की पॉवर सीज होने के बाद ईओ ने निपटाए काम

उसहैत, अमृत विचार : गबन के मामले में अलापुर चेयरमैन हुमा बी की पॉवर सीज कर कर दी गई है। जहां के अधिशासी अधिकारी त्रिवेंद्र कुमार ने देर शाम तक उसहैत नगर पंचायत कार्यालय में बैठकर काम निपटाए। वह ज्यादातर समय फोन पर व्यस्त नजर आए। उनपर अलापुर के अलावा नगर पंचायत उसहैत, सैदपुर का भी अतिरिक्त चार्ज है। पिछले दिनों भारतीय किसान यूनियन ने उनकी कार्यशैली को लेकर सवाल उठाए थे। कहा था कि वह कभी-कभार ही नगर पंचायत आते हैं। जिसकी वजह से नगर में नालों का निर्माण नहीं हो पा रहा और सफाई व्यवस्था भी चौपट है। मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ता जा रहा है। संजीव कुमार, पप्पू, श्यामपाल, सतेंद्र, अनुज ने डीएम से अधिशासी अधिकारी के संबंध में जांच कराकर कार्रवाई की मांग की है।

बैनामा कराकर महिला को दी दूसरी जमीन

उझानी, अमृत विचार : उझानी के मोहल्ला नझियाई निवासी ओमवती पत्नी प्रदीप कुमार ने बताया कि शहर के मोहल्ला सैय्यदबाड़ा निवासी चिराग सेठी से 16 अप्रैल 2016 को जमीन का बैनामा कराया था। जिसके बाद वह बेफिक्र हो गई थीं और मजदूरी करने लगी थीं। उनकी आर्थिक स्थिति ठीक हुई तो वह जमीन का निर्माण कराने के लिए पहुंचीं। उनकी जमीन किसी और के नाम पर थी। उन्हें अब उनके बैनामा वाले प्लाट की बजाय तालाब के दूर का प्लाट दिया जा रहा है। महिला का आरोप है कि उन्हें गुमराह किया गया है।

खेत में जबरन ट्रांसफार्मर रखने का आरोप

खुटार, अमृत विचार : इंदिरा नगर निवासी सर्वेश कुमार ने डीएम को शिकायती प्रार्थना पत्र भेज कर खेत पर जबरन ट्रांसफार्मर लगाने का आरोप लगाया है।

बताया कि बिजली विभाग द्वारा कुछ वर्ष पूर्व उसके खेत पर जबरन ट्रांसफार्मर रखा था। हाईटेंशन बिजली लाइन होने के कारण आए दिन चिंगारी व आग की लपटें निकलती हैं। पीड़ित का मकान भी पास में है। इस चिंगारी से कई बार बच्चे भी झुलस चुके हैं। जिसकी शिकायत कई बार बिजली विभाग से की और ट्रांसफार्मर हटाने के लिए प्रार्थना पत्र भी दिए। लेकिन बि कोई भी कार्रवाई नहीं की गई। शुक्रवार को बिजली कर्मी उसकी आरजी में दूसरा ट्रांसफार्मर जबरन रखने का प्रयास करने लगे जब उसने मना किया तो कर्मचारियों द्वारा उसे मौके से भगा दिया गया। जिस पर पीड़ित की पत्नी देववती ने शुक्रवार को करीब 6 बजे अपने ऊपर डीजल छिड़क कर आत्मदाह करने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद लोगों ने बमुश्किल महिला को आग लगने से बचा लिया। पुलिस ने महिला से मामले की पूछताछ की व उसे जांच के लिए सीएचसी भेज दिया।

हिसार की घटना को लेकर महिला कांग्रेस ने किया कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : अखिल भारतीय महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष अर्चना वाल्मीकि के नेतृत्व में सैकड़ो महिला कार्यकर्ता कांग्रेस कार्यालय पर एकत्रित हुई तथा वहां से पैदल जुलूस के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंची। जहां राष्ट्रपति संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार को दिया। घटना को लेकर विरोध प्रदर्शन कर कार्यवाही की मांग उठाई।

महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष अर्चना वाल्मीकि ने बताया कि हरियाणा के हिसार में विगत कुछ दिनों पूर्व एक दलित वाल्मीकि परिवार में जन्मदिन का आयोजन चल रहा था, पुलिसकर्मियों द्वारा घर में घुसकर म्यूजिक बंद कराने के साथ लोगों के साथ मारपीट करने लगे। जिस बालक का जन्मदिन था, वह जान बचाने को

कलेक्ट्रेट में अखिल भारतीय महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष अर्चना वाल्मीकि के नेतृत्व में नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। ● अमृत विचार

- दलित उत्पीड़न का लगाया आरोप कार्यवाही की मांग

छत पर भागा, लेकिन नशे में धुत दो पुलिसकर्मी उसका पीछा करते हुए छत पर पहुंच गए और उसके साथ मारपीट की तथा छत से नीचे फेंक दिया, जिससे गणेश की मृत्यु हो गई। जिलाध्यक्ष ने कहा कि जब से भाजपा सरकार बनी है, तब से लगातार दलितों पर अत्याचार हो रहे हैं। दलितों के साथ लगातार भेदभाव किया जा रहा है। इस दौरान महिला कांग्रेस महानगर अध्यक्ष सीमा गौतम, मुरारी लाल भास्कर,संजीव चौधरी, तस्दीक अंसारी,इरशाद खान, रोहित जट, आजम शाह, फरमान खान, शाहबेज उर्फ शाका, शाहिना खातून, जितेन्द्री देवी, विमला देवी, रामदेवी ,रीता, नूरजहां, तबस्सुम ,बेबी, नसीम बानो, नूरी, संगीता, विनीता, बिटोली देवी, विमला, रूबी शाह आदि मौजूद रहे।

SEXOLOGIST
आखिर कब तक शर्माते रहोगे

हर उम्र में जबरदस्त ताकत व रुकावट प्राप्त करें
शीध्रपतन, शुक्राणुओं की कमी
मैं नीरज कुमार, आंवला निवासी हूं मैनें बचपन में अपने हाथों से अपना जीवन खराब कर लिया था काफी जगह ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ फिर मेरे दोस्त ने डा. शेख के बारे में बताया वहां मैनें 40 दिन ईलाज कराया आज में पूरी तरह अपने वैवाहिक जीवन का आनंद उठा रहा हूं अगर आप भी नामर्दी, घात, स्वप्नदोष, शीध्रपतन जैसी बिमारियों से परेशान हैं तो डाक्टर शेख से मिलकर बिमारियों से छुटकारा पायें।
मैं अकील खान, शाहजहांपुर निवासी हूं मुझे शीध्रपतन की बिमारी थी। काफी नीम हकीमों से ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ मैं इस बिमारी के कारण अपनी घरवाली से भी आंख नहीं मिला पाता था। क्योंकि सेक्स के समय मेरा वीर्य एक या दो मिनट में ही निकल जाता था जिस कारण घरवाली संतुष्ट नहीं हो पाती थी। फिर मैंने डा.शेख से सम्पर्क किया आज मैं पूरी तरीके से ठीक हूं मेरा टाईम तकरीबन 15 से 20 मिनट बढ गया है।
मैं सतीस, उम्र 55 साल है मैं पीलीभीत निवासी हूं मुझे डायबिटीज है। डायबिटीज के कारण मेरा सेक्स पूरी तरह से खत्म हो गया था काफी ईलाज कराया कोई फायदा नहीं हुआ फिर मैं डा. शेख से मिला। डा.शेख ने शुगर के साथ मुझे मर्दाना कमजोरी की दवा भी दी। आज मेरी शुगर भी कंट्रोल है और मर्दाना ताकत भी पुनः वापस आ गई है। आज मैं फिर से जवान हो गया हूं।
क्या आप यौन समस्याओं से परेशान हैं और इधर उधर ईलाज कराकर थक चूके हैं और इन बिमारियों को लाईलाज समझ चूके हैं जैसे नामर्दी, धात, शीध्रपतन, शुक्राणुओं की कमी, माहवारी का कम या ज्यादा आना, स्तनों का बैडोल होना, जोडों का दर्द, शुगर, पेट रोग, किडनी रोग, हृदय रोग, निःसंतान दम्पति डा. शेख से सम्पर्क करें। डा. शेख के नाम से हिन्दुस्तान में 50 दवाखाने चल रहे हैं डा.शेख अपने मरीजों के लिये दवायें खुद तैयार करते हैं दवायें सहार हर्बल फार्मेसी में तैयार की जाती है। दवायें देश विदेश में लाखों मरीजों पर आजमाई हुई हैं। डा.शेख को अच्छे ईलाज के लिए अनेकों अवार्ड मिल चूके है जैसे Gold Medelist, Best Sexologist in India, Pride of Country, Kohinoor A Tibb, Chikitasak Ratan, Asia's Best Sexual Health Clinic
भारत प्रसिद्ध YouTube पर Search करें गोल्ड मेडेलिस्ट
डा.शेख
Best Sexologist in india आयुर्वेदा
मिलें हर मंगलवार
ईसाईयों की पुलिया बरेली
निकट सैटेलाईट बस स्टैण्ड
9837023223

सावन में मीट की दुकानें बंद कराओ दिया ज्ञापन

मीरानपुर कटरा, अमृत विचार: सावन मास में कांवड़ यात्रियों की आवाजाही के बीच नगर में खुले मीट होटल और दुकानों को बंद कराने की मांग को लेकर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने थाना प्रभारी निरीक्षक जुगल किशोर पाल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि कांवड़ मार्ग से गुजरते श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं, नगर अध्यक्ष रिशु गुप्ता ने मीट की खुली बिक्री पर रोक आवश्यक है। ज्ञापन सौंपने वालों में नितिन गुप्ता, धर्मेंद्र राठौर, विवेक, आकाश, हिमांशु गुप्ता, अजय राठौर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जैन महिलाओं ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : अखिल भारतीय जैन मिलन की महिला पदाधिकारियों ने शुक्रवार को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नाम ज्ञापन एसडीएम रिपुदमन सिंह को सौंपा।

ज्ञापन में महिलाओं ने कहा कि जूनागढ़ स्थित गिरनार पर्वत की पांचवीं टोंक पर जैनों को पूजा के अधिकार से वंचित रखना भारत गणराज्य का संविधान सभी नागरिकों को उनके धर्म के पालन की स्वतंत्रता प्रदान करता है। इसमें किसी को भी रोकने का अधिकार नहीं देता है। लेकिन विगत दो जुलाई 2025 को गिरनार पर्वत की पांचवीं टॉक पर स्थान से जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर नेमिनाथ जी मोक्ष गए थे। देशभर से आए हजारों जैन धर्मावलंबियों को उनके पूजा के अधिकार से वंचित रखा गया। जैन महिलाओं के साथ भी अभद्रता की गई। जब कि भारत सरकार के पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआई) तथा गुजरात राज्य गजेटियर, दोनों ने स्पष्ट रूप से यह प्रमाणित किया है कि गिरनार की पंचम टोंक मूलतः जैन तीर्थ है। जैनियों ने मांग की है कि गिरनार की पांचवीं टोंक को संरक्षित जैन राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया जाए। इस मौके पर नीरेश जैन, प्रशांत जैन, मोना जैन, स्वीटी जैन, बबिता जैन, कंचन जैन, दिव्या जैन आदि मौजूद रही।

गिरफ्तारी न होने पर भड़के स्वास्थ्यकर्मी, दिया धरना

संवाददाता, तिलहर

अमृत विचार : गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तिलहर में हुए कथित हमले और मारपीट प्रकरण में नामजद आरोपियों की 24 घंटे बीतने पर भी गिरफ्तारी न होने से स्वास्थ्यकर्मी भड़क उठे। आक्रोशित कर्मचारियों ने शुक्रवार को अस्पताल परिसर में धरना देकर कार्य बहिष्कार किया और नारेबाजी की। सूचना पाकर पहुंचे अपर जिलाधिकारी अरविंद कुमार ने कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद आंदोलन अस्थायी रूप से वापस ले लिया गया और कर्मचारी कार्य पर लौट आए।

स्वास्थ्य पर्यवेक्षक सुशील कुमार ने तहरीर देकर आरोप लगाया है कि मोहल्ला पचासा निवासी मोहित सिंह और उनके साथी कोल्ड चेन कक्ष में जबरन घुस आए और उनके साथ-साथ स्वास्थ्यकर्मियों जतिन गंगवार व राधेश्याम के साथ मारपीट की। इस दौरान तोड़फोड़ किए जाने का भी आरोप है। घटना गुरुवार को हुए स्वास्थ्य सर्वेक्षण अभियान के दौरान बताई गई है। तहरीर के आधार पर पुलिस में मुकदमा दर्ज कराया गया है। घटना के बाद से स्वास्थ्य कर्मचारियों में रोष व्याप्त रहा, परन्तु नामजदों की त्वरित गिरफ्तारी न होने से विरोध उग्र हो गया। शुक्रवार सुबह से ही कर्मचारियों ने आउटडोर सेवाएं बाधित कर अस्पताल परिसर में धरना शुरू कर दिया। हमले के दोषियों की तुरंत गिरफ्तारी करो और स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करो जैसे नारे लगाए गए। कई कर्मियों ने आरोप लगाया कि संवेदनशील स्वास्थ्य संस्थान की सुरक्षा को लेकर प्रशासन लापरवाह है।

सूचना मिलते ही अपर जिलाधिकारी अरविंद कुमार टीम के साथ सीएचसी पहुंचे। उन्होंने कर्मचारियों से वार्ता की और कहा कि मामले में कोई लापरवाही नहीं बरती जाएगी, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी और सुरक्षा के अतिरिक्त उपाय भी विचाराधीन है। लिखित आश्वासन के बाद कर्मचारियों ने धरना स्थगित कर कार्य शुरू किया पर चेतावनी दी कि समयसीमा में गिरफ्तारी न होने पर पुनः आंदोलन किया जाएगा।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
आवश्यकता है
The Glamour Beauty Parlour
में फुल-टाइम लेडी ब्यूटीशियन की आवश्यकता है।
वेतनः योग्यता अनुसार
स्थान : Max City, Grass Mandi, Nakatiya
Full time 10-7 PM
संपर्क करें :-
6399667666, 8445819999

सूचना

मेरे पासपोर्ट नं. G4445044 में अंकित नाम KALVINDER SINGH व उपनाम SUNDARH अंकित है जो कि गलत हैं। जबकि मेरे आधार कार्ड सं.- 4188 में अंकित नाम- KULVINDER SINGH व जन्मतिथि 18/12/1975 अंकित है जो कि सही व शुद्ध है। अत: मेरे आधार कार्ड पर अंकित नाम के अनुसार नवीनतम पासपोर्ट जारी करने की कृपा करे। **कुलविन्दर सिंह पुत्र सुच्चा सिंह नि. नौरंगाबाद, परगना खैरीगढ़ तह. निघासन, जिला लखीमपुर खीरी।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र इसराइल खां व उसकी पत्नी रिजवाना को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **सत्तार खां पुत्र श्री स्व. मो. जान खां निवासी ग्राम मूसेपुर थाना खीरी जिला खीरी**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का सही नाम शिवांगी यादव (Shivangi Yadav) जन्मतिथि 24.06.2004 है तथा माता का सही नाम कान्ती देवी जन्मतिथि 01.01.1959 है। **सुरेन्द्र सिंह पुत्र चरन सिंह यादव निवासी ग्राम नवादा विलसण्डी तहसील फरीदपुर जिला बरेली।**

NOTICE

This is to be notify that my daughter's real name is Shivangi Yadav date of birth 24.06.2004 & my mother's aname is Kanti Devi date of birth 01.01.1959. Surendra Singh S/o Charan Singh Yadav R/o Vill. Nawada Vilsandi The.Faridpur Distt. Bareilly.

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम सरिता (Sarita) था जिसे बदलकर मैंने आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों के अनुसार सरिता पटेल (Sareeta Patel) कर लिया है। भविष्य में मुझे सरिता पटेल (Sareeta Patel) के नाम से ही जाना व पहचाना जाये। **सरिता पटेल पत्नी यश पाल निवासी झील गौटिया चनेटी जिला बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अनादरो विलम्बश्च वै मुख्यम निष्ठुर वचनम।
पश्चतपश्च पश्चापि दानस्य दूषणानि च।।

अपमान करके देना, मुंह फेर कर देना, देरी से देना, कठोर वचन बोलकर देना और देने के बाद पछ्चाताप होना। ये सभी 5 क्रियाएं दान को दूषित कर देती है।

संपादकीय

बुजुर्ग आबादी के लिए

दुनिया भर में लोग लंबा जीवन व्यतीत कर रहे हैं। भारत में जीवन प्रत्याशा एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संकेतक है जो देश में लोगों की औसत जीवन अवधि को दर्शाता है। वर्ष के अंत तक, भारत में जीवन प्रत्याशा बढ़कर लगभग 72.48 वर्ष होने का अनुमान है, जिसमें महिलाएं 74.13 वर्ष और पुरुष 70.95 वर्ष तक जीवित रहने की उम्मीद है। आर्थिक विकास के कारण जीवन स्तर में सुधार हुआ है, जिससे लोगों को बेहतर पोषण और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो रही है। अभी भी स्वास्थ्य सेवाओं को ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंचाने की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक विश्व भर में, 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोगों की संख्या, वर्ष 2050 तक मौजूदा 76 करोड़ 10 लाख से बढ़कर, एक अरब 60 करोड़ तक पहुचने की संभावना है। इसके मद्देनज़र, यूएन विशेषज्ञों ने एक टिकाऊ भविष्य के लिए सामूहिक प्रयासों के केन्द्र में, वृद्धजन कल्याण और उनके अधिकारों को प्राथमिकता दिए जाने का आग्रह किया है। आर्थिक और सामाजिक मामलों के संयुक्त राष्ट्र विभाग की रिपोर्ट, विश्व जनसंख्या संभावना ने अनुमान लगाया है कि भारत में सदी के मध्य तक देश की बुजुर्ग आबादी दोगुनी हो जाएगी। यानी भारत की आबादी में वृद्धों की आबादी तेजी से बढ़ रही है।

आबादी की आयु बढ़ रही है, मगर इनमें बेहतरी का लाभ हर किसी तक समान रूप से नहीं पहुंचा है। देश में कई कानूनी प्रावधान भी किए गए हैं लेकिन समाज में बुजुर्गों के बीच जागरूकता की कमी की वजह से इसके असर का दायरा सीमित रहा। सवाल है कि निकट भविष्य में वृद्ध जनों को जीवन की अच्छी गुणवत्ता प्रदान करने के लिए क्या किया जा सकता है? एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण से उजागर हुआ कि कम से कम 47 प्रतिशत वृद्ध जन आय के लिए अपने परिवारों पर आर्थिक रूप से निर्भर हैं और 34 प्रतिशत पेंशन एवं सरकारी नकद हस्तांतरण पर निर्भर हैं, जबकि सर्वेक्षण में शामिल 40 प्रतिशत लोगों ने 'जब तक संभव हो' तब तक कार्य करते रहने की इच्छा प्रकट की। वृद्ध व्यक्तियों के लिए एक सम्मानजनक जीवन की दिशा में पहला कदम यह होगा कि उन्हें निराश्रिता और इससे संबंधित अभावों से बचाया जाए। भारत निकट भविष्य में वृद्ध जनों के लिए जीवन की अच्छी गुणवत्ता सुनिश्चित करना चाहता है तो इसके लिए योजना निर्माण और उसका क्रियान्वन शीघ्र ही शुरू कर देना चाहिए। जीवन प्रत्याशा में सुधार के लिए अभी भी कई चुनौतियां मौजूद हैं। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को कम करने और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने से जीवन प्रत्याशा में और वृद्धि की जा सकती है।

यूरिया की कालाबाजारी से किसान परेशान

डॉ. रमेश ठाकुर
नई दिल्ली

केंद्र सरकार यूरिया की कमी को दूर करने लिए इस साल के अंत तक यूरिया के आयात को बंद करके नैनो लिक्विड यूरिया और नैनो लिक्विड डाई-अमोनियम फॉस्फेट जैसे वैकल्पिक उर्वरकों के बढ़ावे पर विचार कर रही हो? लेकिन, मौजूदा परिस्थितियों से कैसे निपटा जाए, इस पर तत्काल कोई हल निकालना होगा।

किसान केंद्र सरकार से यूरिया की किल्लत दूर करने और सब्सिडी बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि जिस तरह रसोई गैस के सिलेंडर का सब्सिडी वाला धन उपभोक्ता के बैंक अकाउंट में सीधे ट्रांसफर होता है। वैसे ही किसान बाजार मूल्य पर यूरिया खरीदे और सब्सिडी की रकम उनके खातां में पहुंचाई जाए। अगर ऐसा होता, तो निश्चित रूप से इस कदम से यूरिया की कालाबाजारी रूकेगी। क्योंकि विगत कुछ वर्षों से यूरिया पर बाजारों में जमकर कालाबजारी बढ़ी है। सरकार अगर ऐसा कदम उठाती है तो कालाबाजारी को रोकने में अप्रत्याशित मदद मिलगी। क्योंकि यदा-कदा निजी यूरिया के प्रतिष्ठानों पर सरकारी छापों और यूरिया की बोरियां जब्त करने की तमाम अनगिनत घटनाएं इसकी हिस्सा रही हैं।

यूरिया खाद की कमी ने पूरे देश में हाहाकार मचाया हुआ है। यूरिया के लिए किसान दर-दर भटक रहे हैं। सेंटरों पर घंटों डेरा डालने व अन्य कोशिशों के बाद भी उन्हें यूरिया नहीं मिल रही। सरकार के अधिकृत मंडियों, सेंटरों व समितियों में यूरिया है ही नहीं? हर जगह किल्लत है। जबकि, सरकार का कहना है कि देश में यूरिया की जितनी जरूरत थी उतनी समितियों में भेज दी है। हुकूमती बयान को किसान किल्लत कहें या कालाबाजारी? दरअसल, मानसून के मध्य वाला ये सीजन धान की फसल का होता है। धान का पौधा बगैर यूरिया खाद डाले फुटाव नहीं करता। धान की नर्सरी को लईया कहते है जिसकी रोपाई के पहले सप्ताह में यूरिया की जरूरत पड़ती है जो इस समय पूरी नहीं हो पा रही।

बेशक, केंद्र सरकर यूरिया की कमी को दूर करने लिए इस साल के अंत तक यूरिया के आयात को बंद करके नैनो लिक्विड यूरिया और नैनो लिक्विड डाई-अमोनियम फॉस्फेट जैसे वैकल्पिक उर्वरकों के बढ़ावे पर विचार कर रही हो? लेकिन, मौजूदा परिस्थितियों से कैसे निपटा जाए, इस पर तत्काल कोई हल निकालना होगा। क्योंकि यूरिया की किल्लत को लेकर देशभर के किसानों में घोर आक्रोश है। विभिन्न जगहों पर आंदोलन जैसे हालात बने हुई हैं। बीती 17 जुलाई को उत्तर प्रदेश के जिले लखीमपुर में किसानों और पुलिस के बीच यूरिया को लेकर जमकर विद्रोह हुआ। नौबत ऐसी आई कि किसानों पर पुलिस ने लाठियां भी भांजी। घटना के बाद किसान भंयकर गुस्से में है। लखीमपुर ही नहीं, देश के कई हिस्सों में खाद के लिए दुकानों पर किसानों की लंबी-लंबी कतारें लगी हुई हैं।

नई यूरिया नीति-2015 के मुताबिक वर्तमान में लगभग 283.74 एलएमटी की संस्थापित वार्षिक क्षमता वाली 36 गैस आधारित यूरिया विनिर्माण इकाइयां हैं। पर, इसमें भी अब और वृद्धि की आवश्यकता महसूस होने लगी है। किसानों का आरोप है कि यूरिया की किल्लत के पीछे कालाबाजारी है। कहने को बाजारों में यूरिया के स्टॉक की कमी है। पर, ब्लैक में कोई जितनी चाहें, उतनी यूरिया ले सकता है। दरअसल, धान के लिए यूरिया सबसे बड़ी जरूरत होती है। पिछले कुछ दशकों से खेती पूर्ण रूप से यूरिया खाद पर निर्भर हो गई है। यूरिया ऐसी खाद है जो किसी भी किस्म की फसल की उर्वरक उत्पादन क्षमता बढ़ाती है। बेशक सरकारें ऑरगेनिंक फसलों पर जोर देती हों। लेकिन कड़वी सच्चाई ये है जमीनें अब उतनी ताकतवर नहीं रही, जो बिना यूरिया के फसलें उग सकें। खेतों में इस समय धान की फसल लगी है, उसमें यूरिया नहीं ड़लने से फसल मुरझाने लगी हैं।

कुल मिलाकर, यूरिया की कमी का बिचौलिए और दलाल खूब फायदा उठा रहे हैं। यूरिया की पहली खेप जब सेंटरों पर पहुंची, तभी दलालों ने स्टॉक जमा कर लिए। उन्हें पता था, इस बार भी हर साल की भांति यूरिया के लिए मारामारी मचेगी। किसानों को सरकार के अधिकृत सेंटरों से यूरिया नहीं मिलने पर वह मजबूरन दलालों से दूनी कीमतों पर खरीदने को विवश हैं। उनके सामने 'मरता क्या न करता' जैसी नौबत जो है। यूरिया धान में नहीं डलेगी, तो फसल नष्ट हो जाएगी। किसानों की किल्लत को देखते हुए कुछ प्रमुख किसान संगठन केंद्र सरकार से यूरिया की क्षमता बढ़ाने और सब्सिडी बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। भारत में यूरिया की उपलब्धता 280 लाख टन है, जबकि मांग करीब 350 लाख टन यूरिया की है। इस बड़े गैप के चलते ही ऐसी मारामारी हो रही है।

कुछ साल पहले केंद्र सरकार का जोर था कि किसान ऑर्गेनिक खेती पर ध्यान दें? पर, किसान ऐसी सलाहों पर ज्यादा गौर नहीं करते। वह इसलिए कि जमीन में बंजरपन इतना बढ़ गया है कि खादों के इस्तेमाल करने बिना फसलें उग ही नहीं सकती। प्रतीत ऐसा होता है कि हम दूसरी पीढ़ी के लिए खेती लायक जमीन छोड़ेगे ही नहीं? फसली जमीन को जिंदा रखने के लिए ऑर्गेनिक खाद का इस्तेमाल करना ही होगा। नहीं तो जमीन खेती के योग्य नहीं बचेगी। पर, अन्नदाता दूरगामी दुष्परिणामों की परवाह किए बिना यूरिया का इस्तेमाल बेहताशा करता है। ये सच्चाई भी उन्हें पता है कि यूरिया के अत्यधिक उपयोग से खेतों की उपज क्षमता लगातार घट रही है। पर उनके सामने खेती करने का कोई दूसरा विकल्प है भी तो नहीं?

किसान केंद्र सरकार से यूरिया की किल्लत दूर करने और सब्सिडी बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि जिस तरह रसोई गैस के सिलेंडर का सब्सिडी वाला धन उपभोक्ता के बैंक अकाउंट में सीधे ट्रांसफर होता है। वैसे ही किसान बाजार मूल्य पर यूरिया खरीदे और सब्सिडी की रकम उनके खातां में पहुंचाई जाए। अगर ऐसा होता, तो निश्चित रूप से इस कदम से यूरिया की कालाबाजारी रूकेगी। क्योंकि विगत कुछ वर्षों से यूरिया पर बाजारों में जमकर कालाबजारी बढ़ी है। सरकार अगर ऐसा कदम उठाती है तो कालाबाजारी को रोकने में अप्रत्याशित मदद मिलगी। क्योंकि यदा-कदा निजी यूरिया के प्रतिष्ठानों पर सरकारी छापों और यूरिया की बोरियां जब्त करने की तमाम अनगिनत घटनाएं इसकी हिस्सा रही हैं।

ताज्जुब इस बात का है कि सहकारी समितियों पर यूरिया मौजूद होते हुए भी दुकानदार किसानों को मुहैया नहीं कराते। लोकल प्रशासन भी चुप्पी साधे हुए हैं। उन्हें शिकायतें मिलती हैं कि सहकारी मंडियों और समितियों में खाद उपलब्ध नहीं है, लेकिन निजी दुकानों पर ऊंचे दाम पर यूरिया मिल जाती है। नेपाल से सटे उत्तरी बिहार और उत्तर प्रदेश के इलाकों में यूरिया की खुलेआम तस्करी होती है। नेपाल में कई गुना दामों में बिकती है। यूरिया को सुगमता से उपलब्ध करवाने का जिम्मा 'रसायन एंव उर्वरक मंत्रालय' का होता है। 2022-23 में यूरिया का आयात 91.36 लाख टन से घटकर 75.8 लाख टन रह गया। 2020-21 में यूरिया आयात 98.28 लाख टन, 2019-20 में 91.23 लाख टन और 2018-19 में 74.81 लाख टन था। लगातार हुई इस घटौती ने ही विकट समस्या उत्पन्न कर दी है। किसान यूरिया के लिए परेशान हो, इसके लिए बिना देर किए कोई हल निकालने की आवश्यकता है।

प्रसंगवश

आदिम मानस

मनोवैज्ञानिकों और लोकवार्ता शास्त्रियों ने आदिम मानस पर शोध करने के बाद प्रतिपादन किया है कि केवल आदिम मानव में ही नहीं, आधुनिक से आधुनिक मानस में आदिम मानस विद्यमान है और वह अनुकूलता पाकर उत्तेजित किया जा सकता है या हो जाता है। इसका एक उदाहरण 21 सितंबर 1995 को सामने आया, जब एक तांत्रिक स्वामीजी के अनुयायियों ने वैश्विक संचार माध्यमों से यह अफवाह फैलाई कि दोपहर को गणेशजी दूध पियेंगे। आदिम मानस को लेकर आप केवल भारत की ही बात करें तो यह अधूरी बात है, आदिम मानस उन्नत और विकसित देशों में भी है, अमरीका में उसका उदाहरण लिंकन के भूत की कहानी है। रूस में विवाह के बाद नव युगल लेनिन की समाधि पर जा कर मंगल कामना करते थे। अभी भी वहां के राष्ट्रपति पुतिन तीर्थस्नान करते हैं।

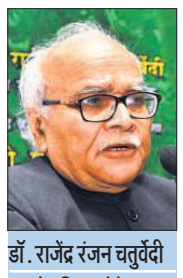

डॉ. राजेंद्र रंजन चतुर्वेदी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

मलाया के निवासियों का विश्वास है कि उनके पांवों के निशान की मिट्टी को कोई ले जाता है तो उससे उसका अनिष्ट किया जा सकता है। चीन में एक देवता का चित्र घर से बाहर चिपकाया जाता है। अमेरिका में तेरह का अंक बड़ा अनिष्टकारी माना जाता है। तेरह तारीख को बहुत से लोग शुभ कार्य नहीं करते। कुछ मुस्लिम जातियों में संडास को भूत तथा जिन्नों का निवास स्थान माना जाता है। आस्ट्रेलिया के आदिवासी इस बात का ध्यान रखते हैं कि कोई शत्रु उनकी छाया के छुरा न मार सके।

प्राचीन जर्मनी में भी आत्मा और छाया का संबंध माना जाता था। तिब्बत में घरों पर जब प्रार्थना के झंडे लगाये जाते हैं, तब दुष्ट आत्माओं को दूर करने के लिए एक तिब्बती नीली भेड़ का सिर भी रख दिया जाता है। नाइजीरिया की पाबिर जाति में मगर की पूजा की जाती है। मृतात्मा के लिए नाइजीरिया के लोग सड़क पर भोजन रख देते हैं। रूस में प्रेत के प्रवेश को रोकने के लिए दरवाजे पर कुल्हाड़ी रखी जाती थी। अमेरिका का नीग्रो अपने पास खरगोश का पांव रखता है ताकि चुड़ैल उसके जूते में सांप का चूरा न रख सके। मिस्र में प्राचीन काल में नील नदी पर चलने वाली नावों पर आंख बनाई जाती थी। चीन की नौकाओं पर भी आंख बनाई जाती थी और समझा जाता था कि यह आंख चट्टानों से बचायेगी, नाव देखकर चलेगी। पूर्वी अफरीका के अकम्बा लोग टूटता तारा देख वेदी पर भोजन पहुंचाते थे क्योंकि वे समझते थे कि देवता एन्गाई भोजन मांग रहा है।

ब्रिटेन में तारों को सद्यः मृतों की आत्मा माना जाता था। आयरलैंड का ब्लानी स्टोन ऐसा है, जो उसे चूमते हैं उनकी वाक्शक्ति बढ़ जाती है। स्कॉटलैंड में कुछ पत्थरों पर सामुदायिक रूप से थूका भी जाता है। ऐसी परंपरा से शुभ भविष्य की प्राप्ति मानी जाती है। बल्गेरिया में मान्यता है कि देयुमियस के भोज के अवसर पर आत्माओं का जमघट होता है। रोमन कैथलिक गिरजा घरों में मोमबत्तियां जलाना दुष्टात्मा भगाने में समर्थ माना जाता है। आस्ट्रेलिया का आदिवासी योद्धा अपने बांये कंधे पर कंगारू चूहे की पूंछ बांधता है। कोर्निश लोग यह मानते हैं कि अंधेरे पाख में पैदा हुए लोग अधिक नहीं जीते। मानवशास्त्रियों और पुरातात्त्विकों ने संसार के आदिवासी-जीवन के जो साहसिक अध्ययन किये हैं, उनके विवरण पढ़ कर आश्चर्य होता है कि कितनी महिमामय साधना का काम रहा होगा वह! उन जंगली-जातियों के बीच जा कर उन्होंने जाना कि किस प्रकार आभरणों से सजी सुन्दर स्त्रियां और युद्ध में पकड़े गए युवक पातालदेवता को प्रसन्न करने के लिए बलिकूप में जबरन फेंक दिए जाते थे। उन खूनी कूओं में चढ़ावे चढ़ते रहे और कंकाल जमते रहे। मानवशास्त्रियों और पुरातात्त्विकों ने इनका अध्ययन संसार के सामने प्रकाशित किया। धर्मयुग 16 फरवरी 1964 में की बलिकूप की सचाई प्रकाशित हुई थी। नेता और अभिनेता गंडा बांधते हैं, ताबीज पहनते हैं, उंगलियों में ग्रहों से जुड़े रत्न धारण करते हैं। उद्योगपति तो अपने साथ न जाने कितने ज्योतिषियों से परामर्श लेते हैं। एक केंद्रीय मंत्री ने कुर्सी बचाने के लिए बकरे की बलि दी थी। यह आदिम मानस है। हम विश्वासों के बीच जन्म लेते हैं। विश्वास मनुष्य के मन में उसी प्रकार जन्म लेता है, जिस प्रकार वृक्ष पर फल।

डेयरी विवादः आजीविका और आत्मनिर्भरता का प्रश्न

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

इस विवाद का समाधान केवल व्यापारिक आंकड़ों या दबाव के तहत संभव नहीं है। इसके लिए आवश्यक है कि व्यापारिक सिद्धांत सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों को भी स्थान दें। भारत की मांग है कि डेयरी उत्पादों के आयात में पारदर्शिता हो, जिससे उपभोक्ता और पशुपालक दोनों के अधिकार सुरक्षित रह सकें। अमेरिका यदि अपनी निर्यात नीतियों में भारत की न्यूनतम आवश्यकताओं को स्थान देता है, तो एक व्यावहारिक व्यवस्था विकसित की जा सकती है, जो दोनों देशों के लिए लाभकारी होगी।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की रूपरेखा में डेयरी क्षेत्र से जुड़ा विवाद इस समझौते के सबसे कठिन बिंदुओं में से एक बन गया है। अमेरिका चाहता है कि भारत उसके डेयरी उत्पादों को अपने बाजार में प्रवेश दे, लेकिन भारत-सांस्कृतिक मान्यताओं, धार्मिक भावनाओं और आर्थिक संरचना को ध्यान में रखते हुए इससे हिचक रहा है। विशेष रूप से 'नॉन-वेज दूध', यानी ऐसा दूध जो उन गायों से प्राप्त हो जिन्हें मांस या रक्त आधारित चारा खिलाया जाता है, भारत के लिए एक 'रेड लाइन' बन चुका है। अमेरिका में पशुओं को दिए जाने वाले चारे में मांसाहारी घटकों का उपयोग होता है। भले ही वहां कुछ नियंत्रणात्मक नियम हों, लेकिन भारत जैसे समाज में जहां खाद्य की पवित्रता एक संवेदनशील विषय है, यह मॉडल स्वीकार्य नहीं हो सकता। भारत की लगभग 38 प्रतिशत आबादी शाकाहारी है, और दूध, दही व घी का उपयोग केवल आहार में ही नहीं, बल्कि धार्मिक अनुष्ठानों और संस्कारों में भी होता है। ऐसे में उपभोक्ताओं का यह बुनियादी अधिकार है कि वे यह जान सकें कि उनके घर तक पहुंचने वाला दूध किस प्रक्रिया से गुज़रा है। भारत की मांग है कि अमेरिका डेयरी उत्पादों पर ऐसा प्रमाणपत्र दे जिससे यह पूरी तरह स्पष्ट हो कि उस दूध का स्रोत पूर्णतः शाकाहारी रहा है। यह मांग केवल किसी एक धर्म के लिए नहीं, बल्कि खाद्य पारदर्शिता, उपभोक्ता संरक्षण और सामाजिक संवेदनशीलता के लिए है।

आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो भारत विश्व का सबसे बड़ा दूध उत्पादक और उपभोक्ता देश है। इसकी डेयरी अर्थव्यवस्था का आकार 9 लाख करोड़ से अधिक है, जो सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) का लगभग 2.5–3 प्रतिशत

हिस्सा है। लगभग 8 करोड़ पशुपालकों की आजीविका सीधे इस क्षेत्र से जुड़ी हुई है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की जुलाई 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, अगर अमेरिकी डेयरी उत्पादों को बाजार में प्रवेश मिलता है, तो दूध की कीमतों में 15 प्रतिशत तक गिरावट हो सकती है, जिससे पशुपालकों को सालाना 1.03 लाख करोड़ का नुकसान हो सकता है। छोटे और सीमांत पशुपालकों पर इसका असर सबसे गंभीर होगा, जिनके लिए अमेरिकी सब्सिडी-समर्थित डेयरी उद्योग से प्रतिस्पर्धा करना बेहद मुश्किल होगा। अमेरिका ने भारत की प्रमाणीकरण संबंधी मांगों को विश्व व्यापार संगठन में "अनावश्यक व्यापार बाधा" कहा है। फिलहाल भारत का रुख स्पष्ट है-यह नीति संरक्षणवाद की नहीं, बल्कि उपभोक्ता अधिकारों, सामाजिक-सांस्कृतिक समरसता और ग्रामीण आजीविका की रक्षा की है।

इस विवाद का समाधान केवल व्यापारिक आंकड़ों या दबाव के तहत संभव नहीं है। इसके लिए आवश्यक है कि व्यापारिक सिद्धांत सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों को भी स्थान दें। भारत की मांग है कि डेयरी उत्पादों के आयात में पारदर्शिता हो, जिससे उपभोक्ता और पशुपालक दोनों के अधिकार सुरक्षित रह सकें। अमेरिका यदि अपनी निर्यात नीतियों में भारत की न्यूनतम आवश्यकताओं को स्थान देता है, तो एक व्यावहारिक व्यवस्था विकसित की जा सकती है, जो दोनों देशों के लिए लाभकारी होगी। अंततः भारत के लिए यह केवल एक व्यापारिक निर्णय नहीं है। यह उसकी सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक आत्मा और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रक्षा का सवाल है। दूध भारत में मात्र एक उपभोक्ता वस्तु नहीं है-यह आस्था, परंपरा और पहचान से भी जुड़ा एक प्रतीक है। इस विषय पर कोई भी निर्णय संवाद, पारस्परिक सम्मान और दीर्घकालिक दृष्टिकोण के आधार पर ही लिया जाना चाहिए।

सोशल फोरम

विस्फोटक जनसंख्या

यूएन की हाल ही में प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2023 तक भारत की जनसंख्या चीन से भी अधिक हो सकती है। शायद हो गई है। बेशक़ जनसंख्या पर नियंत्रण होना चाहिए। साल दर साल अगर जनसंख्या बढ़ती रहेगी तो इंसानों के रहने लायक ज़मीन नहीं बचेगी। बाकी जरूरत की चीज़ें जैसे अन्न, बिजली, सड़कें, नौकरियां और व्यापार वग़ैरह भी सबकी जरूरतों को पूरा करने के लिए कम पढ़ने लगेगा जो पूरे मानव समाज में असंतोष, अराजकता और अपराध को बढ़ावा देगा। जनसंख्या नियंत्रित करना न केवल सरकार की जिम्मेदारी है बल्कि पूरे समाज का दायित्व है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार एक क़ानून भी लेकर आई। पता नहीं कब सुझाव मांगे गए और किसने दिए। लेकिन सरकार यह अच्छे से जानती है कि देश-प्रदेश का आर्थिक रूप सक्षम और पढ़ा-लिखा वर्ग अपने आप से ही कम बच्चे पैदा कर रहा है। तो सवाल उठता है कि जनसंख्या में बढ़ोत्तरी हो कहां से रही है। तो ज्यादा बच्चे ग़रीब लोगों के परिवारों में पैदा हो रहें हैं। हमारे जैसे लोगों के घर घरेलू काम-काज में मदद के लिए नौकर रखे जाते थे। ज्यादातर नौकरों के परिवारों में पांच से ज्यादा बच्चे होते थे। इन बच्चों की न तो ढंग से शिक्षा हो रही थी और न ही चिकित्सा आदि। तो असल में जनसंख्या वृद्धि गरीब जनता की हो रही है। अगर सरकार वास्तविक रूप से जनसंख्या विस्फोट को रोकना चाहती है तो यह जो ग़रीबों को नाम पर मुफ्त वाली योजनाओं को बंद करे। हो सके तो सरकार उस परिवार के पति और पत्नी जिन्होंने किसी विशेष तारीख़ के बाद दो बच्चों से ज्यादा बच्चे पैदा किए है उनके वोट देने और मुफ्त में मिलने वाली सुविधाओं पर रोक लगा दे इसी क़ानून के माध्यम से। यह चुनाव वग़ैरह लड़ने पर रोक लगाना और नौकरी न देना आदि जैसे प्रावधानों से सिर्फ़ सियासत तेज़ होगी और कुछ अच्छे नतीजे नहीं मिलने वाले। दक्षिण भारत में उत्तर भारत की अपेक्षा जनसंख्या नियंत्रण में है लेकिन उससे उन्हें यह नुकसान हो रहा है कि लोक सभा में जनसंख्या के हिसाब से उनका प्रतिनिधित्व कम हो रहा है। जिस समाज में अपनी जिम्मेदारियों के सोच का अभाव है वह धीरे-धीरे विनाश की ओर अग्रसर होता है। इसका उदाहरण पाकिस्तान, हिन्दुस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका में दिखाई दे रहा है।

अमरजीत सिंह
लखनऊ

-फेसबुक वॉल से

आपदा प्रबंधन तंत्र को और मजबूत करना होगा

रोहित माहेश्वरी
स्वतंत्र पत्रकार

भारत में भी प्राकृतिक आपदाओं का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है। साल 2024 में भारत में 400 से ज्यादा प्राकृतिक आपदाएं आईं जो पिछले दो दशकों में सबसे अधिक हैं और इस आपदाओं का सबसे बड़ा नुकसान लोगों के घरों को हुआ है।

इस सदी के पहले दो दशकों के दौरान तापमान वृद्धि और जलवायु परिवर्तन की वजह से दुनिया भर में बाढ़, तूफान और अन्य प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता और आवृत्ति बढ़ रही है। जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल असर से आज भारत के साथ-साथ समूचा विश्व ही दो-चार हो रहा है। इसकी वजह से उपजी आपदाओं के कारण न सिर्फ जान-माल की व्यापक क्षति हो रही है, अपितु बड़ी संख्या में लोगों को विस्थापित होने के लिए भी विवश होना पड़ रहा है।

भारत में भी प्राकृतिक आपदाओं का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है। साल 2024 में भारत में 400 से ज्यादा प्राकृतिक आपदाएं आईं जो पिछले दो दशकों में सबसे अधिक हैं और इस आपदाओं का सबसे बड़ा नुकसान लोगों के घरों को हुआ है। साथ ही ये आपदाएं लोगों को अस्थायी और स्थायी रूप से विस्थापित कर रही है।

जेनेवा स्थित इंटरनल डिस्प्लेसमेंट मॉनिटरिंग सेंटर यानी आईडीएमसी के ताजा आंकड़ों के अनुसार, साल 2024 में प्राकृतिक आपदाओं के कारण भारत में 1.18 लाख से ज्यादा लोग विस्थापित हुए हैं। ये आंकड़ा पिछले सालों की तुलना में 30 फीसदी अधिक है। साल 2022 में लगभग 32,000 और 2021 में 22,000 लोग बेघर हुए थे। प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती संख्या भी चिंताजनक है। साल 2019 से 2023 के बीच भारत में कुल 281 प्राकृतिक आपदाएं दर्ज की गईं थी, लेकिन केवल 2024 में ही 400 से अधिक घटनाएं सामने आईं हैं। वहीं, पिछले छह सालों में बाढ़ के कारण 55 फीसदी लोग आंतरिक रूप विस्थापन हुए, जबकि आंधी-तूफान के कारण 44 फीसदी लोग विस्थापित हुए। इसके अलावा भूस्खलन, भूकंप और सूखे जैसी अन्य जलवायु-संबंधी आपदाओं ने भी हजारों लोगों को बेघर कर दिया। इसके इतर साल 2024 चिंताजनक था तो साल 2025 में हालात और भी बदतर हैं। इंटरनल डिस्प्लेसमेंट मॉनिटरिंग सेंटर के अनुसार, 2025 के छह महीनों में ही पूरे भारत में 1.6 लाख से ज्यादा लोग प्राकृतिक आपदाओं के कारण बेघर हुए हैं। ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस प्राकृतिक आपदा में पश्चिम बंगाल के उत्तरी हिस्से में सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं, जहां 20 मई को मालदा के मथनाशिपुर में में मिट्टी के कटाव के कारण लगभग 80,000 लोग विस्थापित हुए। जबकि राज्य में सिर्फ एक बड़ी बाढ़ की घटना दर्ज की गई थी। वहीं, असम दूसरा सबसे अधिक प्रभावित राज्य है, जहां छह बाढ़ की घटनाओं में 42,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। इसी तरह त्रिपुरा में भी हालत गंभीर रहे, जहां 10 बाढ़ की घटनाओं में 21,000 से ज्यादा लोगों बेघर हो गए। पिछले कुछ वर्षों में, भारत सरकार ने आपदा प्रबंधन के दृष्टिकोण में एक आदर्श बदलाव लाया है। नया दृष्टिकोण इस विश्वास पर आधारित है कि विकास तब तक टिकाऊ नहीं हो सकता जब तक कि विकास प्रक्रिया में आपदा न्यूनीकरण को शामिल नहीं किया जाता। दृष्टिकोण का एक अन्य आधार यह है कि न्यूनीकरण को विकास के सभी क्षेत्रों में बहु-विषयक होना चाहिए। नई नीति इस विश्वास से भी उत्पन्न होती है कि राहत और पुनर्वास पर व्यय की तुलना में न्यूनीकरण में निवेश अधिक लागत प्रभावी है।

सरकार ने राष्ट्रीय आपदा ढांचे को एक रोडमैप में तब्दील किया है, जिसमें केंद्र सरकार ने सम्पूर्ण आपदा प्रबंधन चक्र में तैयारी, प्रतिक्रिया, क्षमता निर्माण, पुनर्प्राप्ति एवं पुनर्निर्माण तथा नवीन पद्धतियों, प्रौद्योगिकी और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के प्रयोग द्वारा न्यूनीकरण जैसे सभी मुद्दों के समाधान के लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण हेतु एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया है। पिछले दशक के दौरान, भारत ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की 16 बटालियनें और 28 क्षेत्रीय प्रतिक्रिया केन्द्र विभिन्न आपदाओं से निपटने के लिए अच्छी तरह सुसज्जित और प्रशिक्षित हैं। लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए एनडीएमए और एनडीआरएफ द्वारा नियमित रूप से मॉक अभ्यास और सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, आपदा प्रबंधन को मजबूत करने के लिए पहचान (रिकग्निशन) और सुधार (रिफॉर्म) बहुत जरूरी है। 'पहचान' का मतलब ये समझना है कि आपदा की आशंका कहां है और वह भविष्य में कैसे घटित हो सकती है तथा सुधार का मतलब है कि ऐसा तंत्र विकसित किया जाए, जिसमें आपदा की आशंका कम हो जाए। इसके लिए हमें दो स्तर पर काम करना होगा। पहला, आपदा प्रबंधन विशेषज्ञों को स्थानीय भागीदारी पर सबसे ज्यादा ध्यान देना चाहिए और दूसरा, हमें आपदाओं से जुड़ें खतरों से लोगों को जागरूक करना होगा। भारत में संयुक्त राष्ट्र कार्यालय पिछले दो वर्षों से रिलायंस फाउंडेशन के साथ मिलकर, आपदाओं से बचाव के लिए आरम्भिक चेतावनी व समय-पूर्व तैयारियों पर काम कर रहा है, ताकि आपदा जोखिम प्रबंधन को मजबूती दी जा सके।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- bly.editor@amritvichar.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

एक नजर

बच्ची से छेड़छाड़ करने वाला गिरफ्तार

बरेली, अमृत विचार : बारादरी थाना क्षेत्र में चार साल की बच्ची को टॉफी दिलाने के बहाने छेड़छाड़ कर दुष्कर्म करने की कोशिश करने वाले आरोपी मुकेश गुप्ता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसे शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने बताया कि गुरुवार की शाम रोहली टोला निवासी बच्चे के पिता ने बताया कि उनकी चार वर्ष की बेटी को मुकेश गुप्ता ने टॉफी दिलाने का लालच देकर बुलाया और उसके साथ छेड़छाड़ कर दुष्कर्म की कोशिश की। बच्ची के रोने की आवाज सुनकर परिजन पहुंच गए और उसकी पिटाई कर पुलिस को सौंप दिया।

शराब के पैसे नहीं दिए तो तमंचे की बट से हमला

मदनापुर, अमृत विचार : शराब पीने के लिए पैसे मांगने पर युवक द्वारा इंकार किए जाने से नाराज तीन युवकों ने उस पर हमला कर दिया। घटना गुरुवार को थाना क्षेत्र के गांव ढीपिया में हुई। पीड़ित शिवकुमार ने पुलिस को दिए पत्र में आरोप लगाया कि वह मदनापुर से सीमेंट लेकर घर लौट रहा था, तभी गांव के ही अनिल कुमार, मुंशीलाल और निखिल ने मंदिर के पास उसे रोक लिया। आरोपियों ने शराब के लिए रुपए मांगे, मना करने पर गाली-गलौज की और फिर तमंचे की बट मारी, साथ ही लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। थाना प्रभारी विश्वजीत प्रताप सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संस्कृत महाविद्यालय में परीक्षाएं 25 से

शाहजहांपुर, अमृत विचार : श्री देवी सम्पद ब्रह्मचर्य संस्कृत महाविद्यालय, मुमुक्षु आश्रम, की शास्त्री द्वितीय व शास्त्री षष्ठम सेमेस्टर की परीक्षाएं 25 जुलाई से 6 अगस्त तक चलेगी। महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य आदेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि इस बार स्वकेंद्र व्यवस्था लागू की है। इसलिए परीक्षाएं संस्कृत महाविद्यालय मुमुक्षु आश्रम में ही आयोजित की जाएंगी।

ट्रक की साइड से बाइक फिसली, चाचा-भतीजा घायल

तिलहर, अमृत विचार : हाईवे पर तेज रफ्तार ट्रक की साइड लगने से बाइक सवार सुखदेव और भतीजा प्रिंस घायल हो गए। दोनों फरीदपुर के पचौनी गांव निवासी हैं और शुक्रवार सुबह रिश्तेदारी में हरदोई जा रहे थे। बताया कि बंथरा ओवरब्रिज पार करने के बाद पीछे से ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर साइड से मारी, जिससे दोनों सड़क पर गिरकर जख्मी हो गए। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में हुई एडवांस ओएलएलआईएफ ट्रांसकंबिन स्पाइनल फ्यूजन कोर्स में देश-विदेश के डॉक्टरों ने किया प्रतिभाग

बीआईयू और अमेरिका की एटीयू के बीच हुआ एमओयू, खुले तरक्की के द्वार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (बीआईयू) के रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में 15 जुलाई को आयोजित एडवांस ओएलएलआईएफ ट्रांसकंबिन स्पाइनल फ्यूजन कोर्स में देश-विदेश के डॉक्टरों ने प्रतिभाग किया था। इसमें प्रमुख विशेषज्ञों के साथ अमेरिका के मिनेसोटा स्थित एविसेना टेक्निकल यूनिवर्सिटी के प्रख्यात स्पाइनल सर्जन डॉ. हमीद अब्बासी भी शामिल हुए थे। इस बीच बीआईयू की कुलपति डॉ. लता अग्रवाल और एटीयू के डॉ. हमीद के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए।

इस समझौता ज्ञापन से चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े नए आयाम और तकनीकी को लेकर दोनों ही यूनिवर्सिटी की फैकल्टी और विद्यार्थियों के लिए तरक्की के नए द्वार खुलेंगे। वहीं विद्यार्थियों के कौशल को निखारने में यह सहायक सिद्ध होगा। बीआईयू की कुलपति डॉ. लता अग्रवाल ने कहा कि यह साझेदारी न केवल छात्रों के लिए लाभकारी है, बल्कि संस्थान को तकनीकी नवाचार, अनुसंधान और वैश्विक सहयोग की नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक होगी।

समझौता ज्ञापन से यह लाभ होंगे : छात्रों का आदान-प्रदान, संयुक्त अनुसंधान गतिविधियां, शैक्षणिक सामग्री, सूचना व संकाय का आदान-प्रदान।

रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज में एविसेना टेक्निकल यूनिवर्सिटी से डॉ. हमीद अब्बासी और बीआईयू की कुलपति डॉ. लता अग्रवाल ने एमओयू पर किए हस्ताक्षर।

डॉ. वरुण अग्रवाल को अमेरिका की एटीयू के विजिटिंग प्रोफेसर की उपाधि देते डॉ. हमीद।

डॉ. वरुण बने अमेरिका की एटीयू के विजिटिंग प्रोफेसर

कार्यक्रम के दौरान वैश्विक उपलब्धि के लिए रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के वरिष्ठ स्पाइन सर्जन डॉ. वरुण अग्रवाल को अमेरिका की एटीयू के विजिटिंग प्रोफेसर की उपाधि डॉ. हमीद ने दी। वहीं, डॉ. हमीद को बीआईयू की ओर से विजिटिंग प्रोफेसर बनाया गया है।

एमओयू का उद्देश्य अनुसंधान-शैक्षणिक गतिविधियां बढ़ाना

इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य शिक्षण, अनुसंधान और अन्य गतिविधियों में शैक्षणिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की संभावनाओं को विकसित करके दोनों विश्वविद्यालयों के बीच संबंधों को बढ़ाना है। प्रत्येक विश्वविद्यालय में लागू नियमों के ढांचे के भीतर और संसाधनों की उपलब्धता के अधीन, विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। साथ ही दोनों ही विश्वविद्यालय के विनिमय कार्यक्रम के तहत, मेजबान विश्वविद्यालय परिसर में आवास, ठहरने और स्थानीय परिवहन का खर्च वहन करेगा। हवाई यात्रा और चिकित्सा बीमा का खर्च छात्र द्वारा वहन किया जाएगा। संकाय के मामले में यह खर्च भेजने वाला विश्वविद्यालय वहन करेगा।

रास्ते में आवारा कुत्तों और सियार का खतरा कैसे जाएं स्कूल

पुवायां, अमृत विचार : सरैया गांव में सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों ने एकत्र होकर गांव के स्कूल का दूसरे स्कूल में मर्ज किए जाने पर प्रदर्शन कर रोष व्यक्त किया। गांव से टकेली जाने वाले रास्ते पर अक्सर छुट्टा पशु और सियार आदि घूमते रहते हैं। बच्चों को आवारा कुत्तों के द्वारा दौड़ाए जाने के मामले भी सामने आ चुके हैं। महिलाएं बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित रहती है और यह चिंता उन्होंने गांव में एक साथ एकत्र होकर व्यक्त की। परेशानियों को देखते हुए उन्होंने यहां तक कह दिया कि जब तक उनका स्कूल वापस नहीं किया जाता तब तक वह किसी जनप्रतिनिधि को स्वीकार नहीं करेंगे। एकत्रित ग्रामीणों में प्रेमपाल, श्री चंद, धर्मपाल, बालिस्टर, सुरेंद्र राम भरोसे, रामगुनी, राजकुमारी, नीरज देवी, अनीता आदि रहे।

सितारगंज फोरलेन में एक और फर्जीवाड़ा आया सामने, चार भाइयों ने हड़पा मुआवजा

गलत शपथ पत्र देकर बेच चुके भूमि को अपना बताया, प्रतिकर के रूप में 3.49 लाख हड़पे

राकेश शर्मा, बरेली

- रिठौरा निवासी भाइयों ने नोटिस का नहीं दिया जवाब
- अब भू-राजस्व की तरह होगी सरकारी धन की वसूली

अमृत विचार : बरेली से पीलीभीत-सितारगंज तक फोरलेन और चौड़ीकरण के लिए भूमि अधिग्रहण करने में कई खेल हुए हैं। भूमि मूल्यांकन में जहां अफसरों ने करोड़ों रुपये का घोटाला किया, वहीं कुछ ऐसे लोगों ने भी मुआवजा हड़प लिया, जो भूमि अधिग्रहण होने से पहले उसे बेच चुके हैं। ऐसा ही एक मामला पकड़ा गया है। इसमें रिठौरा के चार भाइयों ने षड़यंत्र के तहत बेच चुके भूमि को अपना बताते हुए उसी भूमि के प्रतिकर के रूप में विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी कार्यालय में गलत शपथ पत्र देकर 3.49 लाख रुपये का मुआवजा हड़प लिया।

फर्जीवाड़ा पकड़े जाने पर चारों भाइयों को नोटिस दी गई लेकिन उन्होंने उसका जवाब नहीं दिया। अब चारों भाइयों से सरकारी धनराशि भू-राजस्व की तरह वसूल कराने के लिए विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी (संयुक्त संगठन) देश दीपक सिंह ने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को पत्र लिखा है। विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी का आरोप है कि बरेली में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-74 (नया राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-30) के बरेली-पीलीभीत-सितारगंज सेक्शन के चौड़ीकरण के लिए तहसील नवाबगंज के राजस्व ग्राम लभेड़ा उर्फ बुलंदशहर के अर्जित गाटा संख्या 394 के 0.1408 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण की गई। इस भूमि के लिए राकेश कुमार, राजकुमार, शिव कुमार व राजेश कुमार पुत्रगण प्रभु दयाल निवासी रिठौरा ने गलत शपथपत्र प्रस्तुत करते हुए अपने अंश की भूमि विक्रय करने के बाद प्रतिकर की धनराशि प्राप्त कर ली। मो. हनीफ रजा खां की ओर से आपत्ति जताई गई। इस पर तहसीलदार नवाबगंज से गाटा संख्या 394 के अंश प्राप्त करने के लिए पत्र भेजा गया। जिसके क्रम में तहसीलदार नवाबगंज ने 7 अप्रैल को उपलब्ध कराए अंश के अनुसार जैतून बी पत्नी रहीमदाद खां का 0.001125 हेक्टेयर, मुस्तफा रजा खां का 0.001125 हेक्टेयर, मो. हनीफ रजा खां का 0.001125 हेक्टेयर, हसनैन रजा खां का 0.001125 हेक्टेयर पुत्रगण रहीमदाद खां निवासी बिहारमान नगला इज्जतनगर का अंश कुल क्षेत्रफल 0.0045 हेक्टेयर अर्जन से प्रभावित हो रही है। 0.0045 हेक्टेयर भूमि के प्रतिकर की धनराशि 349093 रुपये निर्धारित हुई। इस धनराशि को राकेश कुमार, राजकुमार, शिव कुमार व राजेश कुमार ने तथ्यों को छिपाते हुए प्राप्त कर ली। गलत तरीके से प्राप्त की धनराशि को जमा कराने के लिए चारों भाइयों को 27 मई को नोटिस भेजी गई थी, लेकिन उनके द्वारा वर्तमान तक धनराशि जमा नहीं की गई। चिट्ठी में एडीएम एफआर से गलत अंश के आधार पर अधिक प्राप्त की गई 349093 रुपये की धनराशि की वसूली चारों भाइयों से भू-राजस्व की भांति कराने की बात कही है। वसूली गई रकम को सक्षम प्राधिकारी/विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी के नाम ड्राफ्ट या चेक के माध्यम से कार्यालय में जमा कराने का आग्रह किया है।

दो पीसीएस अफसर हो चुके हैं निलंबित

बरेली : सितारगंज फोरलेन में भूमि अधिग्रहण के मुआवजे में हुए घोटाले के मामले में लोक निर्माण विभाग के चार अभियंता फंसे हैं, जबकि एडीएम न्यायिक एवं विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी आशीष कुमार और पूर्व विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी मदन कुमार निलंबित हो चुके हैं। तत्कालीन जिलाधिकारी ने वर्ष 2024 के नवंबर माह में मामले की जांच सीडीओ की अध्यक्षता वाली समिति से कराई थी। इसमें 21.52 करोड़ रुपये का घोटाला सामने आया था। जांच में पीडब्ल्यूडी के अभियंताओं की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई थी। शासन ने पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड में तैनात सहायक अभियंता स्नेहलता, अवर अभियंता सुरेंद्र कुमार को निलंबित कर दिया था। सेवानिवृत्त एक्सईएन नारायण सिंह के खिलाफ भी जांच के आदेश दिए थे।

सरकार बेटियों के सशक्तीकरण को देगी नई दिशा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- प्रदेश में चयनित 450 मास्टर ट्रेनर्स को दिया जाएगा विशेष प्रशिक्षण

अमृत विचार: बेटियों को आत्मनिर्भर व सशक्तीकरण को प्रदेश सरकार द्वारा नई दिशा देने जा रही है। समग्र शिक्षा अभियान के तहत स्पेशल प्रोजेक्ट फार इक्विटी के अंतर्गत प्रदेश भर में चयनित 450 मास्टर ट्रेनर्स को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। ट्रेनिंग 4 से 21 अगस्त के बीच सीमैट, प्रयागराज में 9 बैचों में होगी। इसको लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई है।

परियोजना के तहत हर जिले से छह शिक्षक राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित होंगे। यह मास्टर ट्रेनर्स प्रदेश के 45,656 उच्च प्राथमिक विद्यालयों की मीना मंच सुगमकर्ता शिक्षिकाओं को प्रशिक्षण देंगे। इसका उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा, जीवन कौशल, स्वास्थ्य, स्वच्छता, लैंगिक समानता और आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत करना। यह योजना बालिकाओं को आत्मविश्वास और सुरक्षा का वातावरण देने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। शिक्षिकाएं अब सिर्फ पढ़ाने तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि छात्राओं को आत्मरक्षा, नेतृत्व और संवाद कौशल में भी प्रशिक्षित करेंगी।

डिप्टी डायरेक्ट बालिका शिक्षा डॉ. मुकेश सिंह के अनुसार, उक्त प्रशिक्षण से शिक्षिकाएं रोल माडल बनेंगी और विद्यालय में बालिकाओं के आत्मबल में स्पष्ट बदलाव दिखेगा। मीना मंच को प्रभावी बनाने की दिशा में यह कार्यशाला निर्णायक साबित होगी। सभी जिलों को कार्ययोजना और दिशा-निर्देश भेज दिए गए हैं। यह परियोजना बालिकाओं को समान अवसर और अधिकार दिलाने की दिशा में अहम कदम है। बीएसए स्तर से भी उक्त ट्रैनिंग के लिए जनपद से छह शिक्षकों के नामों पर मंथन शुरू हो गया है।

डिजिटल रजिस्टर व छात्र प्रगति में पीछे होने पर सख्ती

परिषदीय स्कूलों में छात्रों के रिकार्ड के डिजिटलीकरण का कार्य काफी धीमी गति से चलने पर सख्त रुख अपनाते हुए स्कूल शिक्षा महानिदेशक ने जिलों के बीएसए को पांच कार्य दिवस में यह काम प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने के निर्देश दिए हैं। परिषदीय विद्यालयों में रिकार्ड डिजिटाइजेशन और यू-डायस पोर्टल पर छात्र प्रगति (स्टूडेंट प्रोग्रेशन) का काम शिक्षा सत्र 2025-26 के लिए तेजी से पूरा किया जाना जरूरी है। भारत सरकार द्वारा 25 जून को यू-डायस पोर्टल पर छात्र प्रगति की प्रक्रिया को सक्रिय कर दिया गया था। इसके बावजूद अब तक अधिकतर जिलों में संतोषजनक प्रगति नहीं हो पाई है।

युवक को जान से मारने की धमकी

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सदर बाजार थाना क्षेत्र के कृष्णानगर कॉलोनी निवासी चेतन कुमार ने बताया कि 9 जुलाई की रात 9.30 बजे होण्डा शोर रुम के बाहर खड़ा था। आकाश गुप्ता निवासी कच्चा कटरा चौक कोतवाली, उत्कर्ष निवासी सिंजई चौक कोतवाली व एक अज्ञात व्यक्ति कार से आए। आरोपी कहने लगे कि चेक बहुत वाउंस कराता है। आरोपियों ने उसे मारापीटा और जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

श्मशान के बाहर पड़ा मिला अज्ञात युवक

पुवायां, अमृत विचार : शुक्रवार की शाम जेवां रोड श्मशान घाट के बाहर युवक लावारिस पड़ा था, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया। यह जानकारी सभासद व भाजपा नेता मदनपाल को मिली। वह तत्काल मौके पर पहुंचे। काफी तलाश के बाद भी युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी थी, युवक बीमार था। उन्होंने एम्बुलेंस बुलाकर युवक को अस्पताल भिजवाया। पुलिस से परिजनों का पता लगाने को कहा।

कोल्डड्रिंक-पकौड़ी खाने के बाद 4 की तबीयत बिगड़ी, 1 की मौत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- चिकित्सक बोले: फूड प्वाइजनिंग का मामला, परिजनों ने कोल्डड्रिंक को बताया खराब
- पोस्टमार्टम और अन्य कार्रवाई से किया इनकार

अमृत विचार: गांव की दुकान से खरीदी गई कोल्डड्रिंक और प्याज की पकौड़ी का सेवन करने के बाद चार बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। जिसके बाद निजी अस्पताल में एक की मौत हो गई। चिकित्सक ने फूड प्वाइजनिंग का मामला बताया। परिवार ने फिलहाल पोस्टमार्टम नहीं कराया। कार्रवाई से भी इनकार कर दिया।

जहानाबाद थाना क्षेत्र के गांव निसरा निवासी गुड्डू की 11 वर्षीय बेटी जोया, आठ वर्षीय बेटा हसन, 13 वर्षीय भतीजा हसन पुत्र जुम्मा और नगरिया गांव निवासी 12 वर्षीय भांजी बेबी अलशिफा पुत्री इकरार ने गुरुवार दोपहर गांव की एक दुकान से कोल्डड्रिंक खरीदी और पकौड़ी खाई। कुछ ही देर बाद चारों की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें उल्टियां होने लगीं। परिजन शहर के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टर ने जोया को मृत घोषित कर दिया, जबकि तीनों बच्चों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई।सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। मामला थाना जहानाबाद क्षेत्र का था, स्थानीय पुलिस को जानकारी दी गई। जहानाबाद इंस्पेक्टर मनोज कुमार मिश्रा ने बताया कि परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है। शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया है। उधर, खाद्य सुरक्षा टीम कोल्डड्रिंक का सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिया हैं।

गुरुनानक विद्यालय बना क्रीड़ा रैली का संयोजक

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- जिला क्रीड़ा समिति की बैठक ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज में हुई संपन्न

अमृत विचार: जिला क्रीड़ा समिति की बैठक ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज में हुई। जिसमें विभिन्न विद्यालयों से करीब 80 शारीरिक शिक्षक, प्रधानाचार्यों ने भाग लिया। अध्यक्षता जिला क्रीड़ा समिति के पदेन अध्यक्ष डीआईओएस राजीव कुमार यादव ने की।

बैठक की शुरुआत जिला क्रीड़ा सचिव राजेश शुक्ला ने पिछले वर्ष की बैठक की पुष्टि कराते हुए कराई। बताया कि वर्ष 2024-25 में जनपद के 93 छात्रों, 72 छात्राओं कुल 162 बच्चों ने प्रदेश स्तर की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया और पांच बच्चों ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी भाग लिया। वॉलीबॉल में विजय मंडल को राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने पर मुख्यमंत्री खेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस पर डीआईओएस ने विजय मंडल को सम्मानित किया। कहा कि वर्ष 2025-26 का वार्षिक क्रीड़ा का कैलेंडर तैयार हो चुका है। उसके अनुरूप ही निर्धारित तिथियों पर जनपद व मंडलीय एवं प्रदेशीय प्रतियोगिताएं होंगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यालय को कम से कम दो खेलों में प्रतिभाग करना है। क्रीड़ा शुल्क को केवल क्रीड़ा पर ही खर्च किया जाए। सर्व समिति से जनपदीय क्रीड़ा रैली का संयोजक गुरुनानक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करनापुर शाहगढ़, सहसंयोजक छत्रपति शिवाजी इंटर कॉलेज जोगीठेर को बनाया गया।

जिला क्रीड़ा समिति का किया गया नवीनीकरण : जिला क्रीड़ा समिति का नवीनीकरण भी किया गया, जो वर्ष 2025-26 के लिए कार्य करेगी। इसमें डीआईओएस राजीव कुमार यादव पदेन अध्यक्ष, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह पदेन उपाध्यक्ष, जिला क्रीड़ा सचिव के पद पर शारीरिक शिक्षक राजेश शुक्ला, कोषाध्यक्ष प्रधानाचार्य ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज संतोष कुमार, प्रधानाचार्य राजकीय बालिका इंटर कॉलेज पीलीभीत अनीता रानी सदस्य, खंड शिक्षा अधिकारी अमरिया ओमेंद्र त्रिपाठी सदस्य, खंड शिक्षा अधिकारी अजय कुमार बरखेड़ा सदस्य, डॉ. आरपी द्विवेदी सदस्य, अजय चौहान प्रधानाचार्य वीरांगना अवंती बाई इंटर कॉलेज सदस्य, जिला क्रीड़ा अधिकारी जयवीर सिंह सदस्य बनाए गए।

ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज में बैठक में मौजूद अधिकारी कर्मचारी। ● अमृत विचार

सार-संक्षेप

काव्य संग्रह का डीएम ने किया विमोचन

पीलीभीत, अमृत विचार : साहित्यिक संस्था शब्दांकुर के संरक्षक डॉ.सुंदरलाल शर्मा जिंदा ने नशा उन्मूलन विषय पर संस्था अध्यक्ष अरुण भारद्वाज एडवोकेट के संपादन में काव्य संग्रह लिखा। इस काव्य संग्रह को प्यार का पैगाम नशाखोरों के नाम शीर्षक दिया है। इसका विमोचन जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने किया। जिलाधिकारी कार्यालय में विमोचन किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि इस जन काव्य संग्रह को पुस्तकालयों, स्कूल कालेजों बुक स्टालों आदि पर पठन-पाठन हेतु उपलब्ध कराया जाए, जिससे यह पुस्तक पढ़कर नशे के आदी अधिक से अधिक लोग नशा मुक्त होकर लाभान्वित हो सके।

लेखन प्रतियोगिता में शामिल हुए 20 प्रतिभागी

पीलीभीत, अमृत विचार : जन शिक्षण संस्थान की ओर से मोहल्ला छोटा खुदागंज में संचालित असिस्टेंट ड्रेस मेकर एवं ब्यूटी केयर असिस्टेंट प्रशिक्षण केन्द्र पर विश्व युवा कौशल दिवस के 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे कौशल सप्ताह के तहत मेरा कौशल मेरा भविष्य विषय पर स्लोग्न लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतिभाग करने वाले अंजली, नमीरा, अदीबा, शिवानी, तैय्यबा, दानिया, काजल, नेहा, गाज़िया, बबली समेत 20 प्रतिभागियों ने उक्त विषय पर कौशल से जुड़े अपने विचारों को स्लोगन के माध्यम से प्रदर्शित किया। साथ ही स्लोगन लिखने के बाद उसको डेकोरेट भी किया। कार्यक्रम अधिकारी संदीप मिश्रा ने कहा कि प्रतियोगिताओं के आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों के कार्य व कौशल में रचनात्मकता को बढ़ाना है। कार्यक्रम को सफल बनाने में राशिदा खातून, नसरीन खातून आदि का सहयोग रहा।

संपूर्ण समाधान दिवस आज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जनपद की सभी तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन आज शनिवार को किया जाएगा। जिसमें डीएम की अध्यक्षता में समाधान दिवस का आयोजन तहसील सदर में किया जाएगा। इसमें सीडीओ भी प्रतिभाग करेंगी। तहसीलों में अन्य अधिकारियों द्वारा जन समस्याओं एवं शिकायतों को सुना जाएगा। जिसमें तहसील कलान जिला विकास अधिकारी, पुवायां अपर जिलाधिकारी प्रशासन, तिलहर एवं जलालाबाद में संबंधित उप जिलाधिकारी रहेंगे।

एडीएम वित्त बने प्रशासक

शाहजहांपुर, अमृत विचार : शासन स्तर से नगर पंचायत कांट की चेयरपर्सन की पावर सीज करने की कार्यवाही के बाद डीएम द्वारा नगर पंचायत का प्रशासक एडीएम वित्त अरविंद कुमार को बनाया गया है। जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती है, एडीएम वहां के कामकाज देखेंगे।

हादसे में घायल व्यक्ति की मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : बंडा थाना क्षेत्र के गांव बजाली नगर निवासी 60 वर्षीय मथुरा प्रसाद बुधवार की सुबह सात बजे अपने खेत की रखवाली करने के बाद पैदल घर लौट रहे थे। बिलसंडा रोड पर पेट्रोल पंप के सामने बाइक ने उनको टक्कर मारकर घायल कर दिया था। परिवार वालों ने उनको बरेली के एक अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान शुक्रवार की सुबह मौत हो गई।

मंडल में अब संजय एप से थमेंगे सड़क हादसे

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- आईआईटी मद्रास के विशेषज्ञों ने तैयार किया ऐप, आरटीओ प्रवर्तन ने ट्रायल के तौर पर किया शुरू
- कमिश्नर ने मंडल के सभी डीएम को सड़क सुरक्षा के लिहाज से एप पर कार्य करने के दिए निर्देश

अमृत विचार : मंडल की सड़कों पर होने वाले हादसों को आईआईटी मद्रास नियंत्रित करेगी। इसके लिए 'संजय' एप लांच किया है। यह एप आईआईटी मद्रास के सेंटर आफ एक्सीलेंस फार रोड सेफ्टी ने तैयार किया है। आरटीओ प्रवर्तन प्रणब झा ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में मंडलायुक्त के समक्ष इस एप का प्रस्तुतीकरण किया था। इसके बाद इसे ट्रायल के तौर पर शुक्रवार को मंडल में शुरू कर दिया गया। कमिश्नर सौम्या अग्रवाल ने मंडल के सभी डीएम को एप के जरिए सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

आरटीओ प्रर्वतन प्रणब झा ने बताया कि 'संजय' एप सड़क हादसों की रोकथाम में सरकारी एजेंसियों और आपातकालीन चिकित्सा के ढांचे की सहायता करेगा। इस ऐप को आईआईटी मद्रास ने सड़क सुरक्षा में लोकेशन इंटेलिजेंस प्लेटफार्म के रूप में तैयार किया है, जो सड़कों पर पहले से मौजूद जोखिम वाले स्थलों यानि ब्लैक स्पॉट और भविष्य में सड़क सुरक्षा के लिए खतरा बनने की आशंका वाले स्थानों का डाटा आधारित विश्लेषण करने में सक्षम है। यही नहीं, इस ऐप के माध्यम से पुलिस और ट्रैफिक विभागों के साथ ही अस्पताल और ट्रामा सेंटर यह समझ सकेंगे कि उन्हें सड़क हादसों को रोकने के लिए किसी खास जगह पर क्या इंतजाम करने हैं। कहा कि मंडल में इसका सफल प्रयोग होने के बाद इसे दूसरी जगहों पर भी अपनाया जा सकता है।

एप पर दर्ज करनी होगी पूरी जानकारी

संजय ऐप को हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषा में लागू किया है। इस एप की पूरी जिम्मेदारी पुलिस-आरटीओ पर रहेगी। किसी भी सड़क पर दुर्घटना के बाद मोबाइल एप्लीकेशन में पूरी डिटेल फीड करनी होगी। दुर्घटना का समय, तारीख, लोकेशन, एक्सीडेंट वाली गाड़ियों की डिटेल और नुकसान समेत कई जानकारी देनी होंगी। एप पर दुर्घटना के फोटो और वीडियो भी भेजने होंगे। एप के जरिये डाटा आईआईटी मद्रास पहुंचेगा। इसके बाद दुर्घटना वाली सड़क और जगह का विश्लेषण किया जाएगा। सड़क पर यदि कोई खामियां पाई गईं तो उसे सुधारने के सुझाव दिए जाएंगे।

एप की यह होगी मुख्य विशेषताएं

जिला मजिस्ट्रेट समग्र नोडल अधिकारी नियुक्त करेंगे। जो, ऐप उपयोग करने वालों की सूची बनाकर आईआईटी मद्रास के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर रोड सेफ्टी (सीओईआरएस) को अधिकृत पत्र के साथ भेजेगा। इसके बाद सीओईआरएस ऐप का उपयोग करने वालों के क्रेडेंशियल्स तैयार कर ईमेल से भेजेगा। फील्ड स्तर पर क्रेडेंशियल्स बनाने की जिम्मेदारी भी जिला स्तर पर नोडल अधिकारियों को सौंपी जाएगी।

अरविंद हत्याकांड में आरोपी श्रवण गिरफ्तार, किया चालान

संवाददाता, शाहजहांपुर/मदनापुर

अमृत विचार: अरविंद हत्याकांड में पुलिस ने फरार चल रहे आरोपी को पांचवें दिन गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अभियुक्त का चालान कर दिया। जबकि हत्या में मुकदमा दर्ज न करने पर एसपी ने निरीक्षक अपराध को लाइन हाजिर कर दिया था।

मदनापुर थाना क्षेत्र के गांव प्रतापपुर गहबरा निवासी दृगपाल ने 13 जुलाई को रिपोर्ट दर्ज करायी थी कि उसके 21 वर्षीय पुत्र अरविंद कुमार को आरोपी श्रवण ने जमीन पर गिराकर लात-घूसों से पीटकर मार डाला था। आरोपी के बेटे ने मृतक अरविंद का मोबाइल छीनकर छीनकर तोड़ दिया था। पुलिस ने पहले गैर इरादन हत्या में मुकदमा तरमीम किया था। परिवार वालों ने हत्या में मुकदमा दर्ज करने को लेकर थाना गेट पर धरना दिया था। परिवार वाले विधायक अरविंद सिंह से मिले थे। विधायक ने आईजी और एसपी से फोन पर बात की थी। एसपी ने लापरवाही बरतने पर निरीक्षक अपराध को लाइन हाजिर कर दिया था और हत्या में मुकदमा तरमीम कर दिया था।

पुलिस हिरासत में आरोपी।

दरवाजे पर जली अवस्था में पड़ा मिला पीलीभीत के युवक का शव

बरेली के हाफिजगंज का मामला, पत्नी बेटे को गई थी स्कूल वाहन तक छोड़ने

संवाददाता, बरेली/हाफिजगंज

अमृत विचार : हाफिजगंज थाना क्षेत्र के गांव गोसलपुर में शुक्रवार सुबह महिला बेटे को स्कूल वाहन तक छोड़ने गई। जब वह 20 मिनट वापस आई तो घर के दरवाजे पर पति का जला हुआ शव पड़ा मिला। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने जांच की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में जलने से मौत होने की पुष्टि हुई है।

लोचन प्रसाद।

मूलरूप से पीलीभीत जिले के थाना जहानाबाद क्षेत्र के गांव बारगुलियां निवासी लोचन प्रसाद (42) हाफिजगंज के गोसलपुर गांव में अपने मामा के यहां पत्नी जयंती और छह वर्षीय बेटे मयंक के साथ रहते थे। रोजाना की तरह शुक्रवार को उनकी पत्नी बेटे को छोड़ने के लिए स्कूल वाहन तक गईं। वहां से करीब 20 मिनट बाद लौटकर घर आईं तो दरवाजे पर पति लोचन प्रसाद का जला हुआ शव पड़ा था। सूचना पर नवाबगंज सीओ गौरव सिंह और थाना प्रभारी पवन सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। घटना स्थल पर फॉरेंसिक टीम को बुला कर जांच करते हुए साक्ष्य जुटाए गए। पोस्टमॉर्टम में जलने से मौत होने की पुष्टि हुई है।

घटना को संदिग्ध मानकर जांच कर रही पुलिस : जयंती ने बताया कि पति पैतृक गांव की जमीन बेच कर आठ साल से यहां मामा बेंचेलाल के यहां रहते थे। उन्होंने गांव के नजदीक करीब 10 बीघा जमीन और एक प्लाट खरीदा था। जिसमें टीन डालकर रह रहे थे। थाना प्रभारी पवन कुमार सिंह ने बताया कि हर पहलू पर जांच की जा रही है। मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। हालांकि किसी ने मामले में कोई तहरीर नहीं दी है। हैरानी की बात यह है कि मृतक के घर में कोई सामान नहीं जला और न ही लोचन प्रसाद बचने के लिए इधर-उधर भागा और शोर शराबा भी नहीं किया। पुलिस घटना को संदिग्ध मानकर जांच कर रही है। वहीं गांव में भी अलग-अलग चर्चाएं हो रही हैं।

घटना के बाद घर के बाहर लगी लोगों की भीड़। ● अमृत विचार

लापता हुए थे लोटन प्रसाद, हाथ पैर बंधे मिले थे

लोचन प्रसाद के रिश्तेदारों ने बताया कि कुछ साल पहले लोचन प्रसाद लापता हो गए थे। जब ढूंढ़ा गया तो एक स्थान पर मिले। उस समय उसके हाथ और पैर बंधे हुए थे और वह काफी डरे हुए थे। उसी के बाद से उसने अपना गांव छोड़ दिया था और मामा के गांव में आकर रहने लगे थे।

एस्केलेटर के पास खड़े वाहनों के करें चालान

बरेली, अमृत विचार: मुरादाबाद मंडल के डीआरएम राजकुमार सिंह ने बरेली जंक्शन का निरीक्षण किया। उन्होंने जंक्शन परिसर की व्यवस्थाओं, रेल रेस्टोरेंट की गुणवत्ता, साफ-सफाई, एस्केलेटर के संचालन और यार्ड क्षेत्र में चल रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को कई अहम दिशा-निर्देश भी दिए।

डीआरएम ने सबसे पहले स्टेशन के यार्ड क्षेत्र में पहुंचे, जहां उन्होंने रेल पटरियों के रख-रखाव, प्वाइंट्स की स्थिति और ट्रैक मरम्मत कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि यार्ड की नियमित साफ-सफाई और तकनीकी जांच में लापरवाही नहीं होनी चाहिए, क्योंकि यहीं से ट्रेनों का संचालन प्रभावित होता है। इसके बाद उन्होंने रेल रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया। डीआरएम ने भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता, किचन की सफाई और कर्मचारियों की वेशभूषा की भी जांच की। उन्होंने संबंधित ठेकेदार को निर्देशित किया कि यात्रियों को बेहतर और स्वच्छ भोजन मुहैया कराना रेलवे की प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान डीआरएम की नजर एस्केलेटर के बाहर खड़े वाहनों पर पड़ी। उन्होंने नाराजगी जताते हुए स्टेशन प्रबंधन और आरपीएफ को स्पष्ट निर्देश दिए कि एस्केलेटर और यात्री सुविधा क्षेत्रों के पास कोई भी निजी या वाणिज्यिक वाहन खड़ा न रहने पाए। उन्होंने ऐसे वाहनों का तत्काल चालान करने और आवश्यकतानुसार जब्त करने का भी निर्देश दिया।

बापूधाम मोतीहारी आनंद विहार एक्सप्रेस अब सप्ताह में दो दिन

बरेली, अमृत विचार: यात्रियों की सुविधा के लिए उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल ने बापूधाम मोतिहारी से आनंद विहार टर्मिनल के बीच चलने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस 15567/68 के संचालन में परिवर्तन किया है। अब ट्रेन सप्ताह में दो दिन संचालित की जाएगी। इसके अलावा 18 सितंबर को एक स्पेशल ट्रेन 05599 बापूधाम मोतिहारी से आनंद विहार के लिए सुबह 11:45 बजे चलाई जाएगी। ट्रेन 19 सितंबर को बरेली जंक्शन पर सुबह 03:45 से 03:50 बजे तक और मुरादाबाद स्टेशन पर सुबह 05:50 से 05:55 बजे तक रुकेगी। इससे पहले चल रही नियमित ट्रेन 15567/68 बापूधाम मोतिहारी-आनंद विहार टर्मिनल अमृत भारत एक्सप्रेस अब हर बुधवार और शनिवार को बापूधाम मोतिहारी से और गुरुवार और रविवार को आनंद विहार से चलाई जाएगी।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता ने बताया कि ट्रेन 15567 बापूधाम मोतिहारी से चलकर बरेली 01:10 बजे आएगी और 01:12 रवाना होगी। वहीं 15568 आनंद विहार से दोपहर 14:00 बजे चलकर बरेली 18:17 पर आएगी और 18:19 पर रवाना होगी। ट्रेन का ठहराव सगौली, बेतिया, नरकटियागंज सहित प्रमुख स्टेशनों पर होगा। इससे बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के यात्रियों को यात्रा की बेहतर सुविधा मिलेगी।

फर्जी छात्रों के नाम पर डकार गए करोड़ों रुपये, रिपोर्ट दर्ज

- देवभूमि प्राइवेट आईटीआई के खिलाफ नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने दर्ज कराई रिपोर्ट
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में फर्जी छात्रों की प्रोफाइल बनाकर की गई धोखाधड़ी का जांच में खुलासा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के तहत फर्जी छात्रों की आड़ में डोहरा रोड स्थित देवभूमि एजुकेशनल सोसायटी और उसके ट्रेनिंग सेंटर देवभूमि प्राइवेट आईटीआई ने करोड़ों रुपये डकार गया। स्टेट एंगेजमेन्ट कोर्डिनेटनर दीपक चतुर्वेदी ने बिथरी चैनपुर थाने में देवभूमि एजुकेशनल सोसायटी और उसके ट्रेनिंग सेंटर देवभूमि प्राइवेट आईटीआई के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी समेत अन्य संगीन धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

स्टेट एंगेजमेन्ट कोर्डिनेटनर दीपक चतुर्वेदी ने बताया कि 22 जनवरी को कौशल विकास मंत्रालय के अधिकारियों ने देवभूमि प्राइवेट आईटीआई पर अचानक छापेमारी की थी। जांच के दौरान सामने आया कि संस्थान ने जिन छात्रों की उपस्थिति बायोमैट्रिक सिस्टम (एईबीएएस) पर दर्ज की थी, वह छात्र मौके पर मौजूद नहीं थे। जांच में दो बैच 2840676 और 2840651 के नाम सामने आए, जिनमें दर्ज किए गए 24 छात्रों की उपस्थिति फर्जी पाई गई। जांच में सामने आया कि संस्थान ने बेहद सीमित संख्या में वास्तविक छात्र दाखिल किए थे, जबकि बड़ी संख्या में फर्जी नाम जोड़कर राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) से सरकारी फंड लिया। आरोप है कि संस्थान ने जाली दस्तावेज तैयार कर छात्रों की फर्जी प्रोफाइल बनाई और उनके नाम पर फर्जी उपस्थिति दर्ज कर करोड़ों रुपये की रकम हड़प ली। दीपक चतुर्वेदी ने बताया कि देवभूमि एजुकेशनल सोसायटी और देवभूमि आईटीआई के संचालक ने मिलकर साजिशन यह घोटाला किया।

नोटिस का जवाब नहीं मिला तो हुई कार्रवाई

इससे पहले 20 मई को एनएसडीसी ने संस्थान को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इसका कोई जवाब नहीं मिला। इस पर पुलिस को तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। एनएसडीसी ने मांग की है कि मामले में कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि कौशल विकास जैसी महत्वपूर्ण योजना की विश्वसनीयता बनी रहे और भविष्य में कोई अन्य संस्था इस तरह का फर्जीवाड़ा न करे।

छांगुर बाबा के खिलाफ फतवा मुस्लिम समाज करे बहिष्कार

- मौलाना शाहबुद्दीन बोले : इस्लाम में जब्र, दबाव और लालच की कोई जगह नहीं

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : धर्म परिवर्तन और लड़कियों की जबरन शादियां कराने को लेकर चर्चा में आए जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा के खिलाफ आल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने इस्लामी दृष्टिकोण से फतवा जारी करते हुए कड़ा रुख अपनाया है। मौलाना ने स्पष्ट कहा कि इस्लाम में किसी भी व्यक्ति को जबरन या लालच देकर धर्म परिवर्तन कराना न केवल गैर-इस्लामी है बल्कि पैगम्बर हजरत मोहम्मद साहब की शिक्षाओं के खिलाफ है।

मौलाना ने कहा कि छांगुर बाबा का आचरण इस्लाम के मूल उसूलों से विपरीत है। आरोप लगाया कि छांगुर बाबा न केवल लालच देकर धर्मांतरण कराता था, बल्कि सुनियोजित तरीके से गैर मुस्लिम लड़कियों की मुस्लिम लड़कों से शादी भी कराता था। इस्लाम मोहब्बत, अमन और इंसाफ का पैगाम देता है। पैगम्बरे इस्लाम ने कभी किसी पर इस्लाम अपनाने के लिए दबाव नहीं डाला, न ही कोई लालच दिया। पैगम्बर के शासन काल में गैर मुस्लिमों की जान-माल और इज्जत की हिफाजत करना मुसलमानों की जिम्मेदारी थी। मौलाना शहाबुद्दीन ने कहा कि इस्लाम के प्रचार की अनुमति हर किसी को है, लेकिन किसी भी गैर मुस्लिम को जबरन या किसी प्रकार का लालच देकर धर्म में शामिल करने की कोई इजाजत इस्लाम नहीं देता है। मौलाना ने छांगुर बाबा के कृत्यों को इस्लाम के सिद्धांतों के खिलाफ बताया।

शाह का चेंजओवर आज, बारिश के मद्देनजर खरीदे 50 छाते

बरेली, अमृत विचार : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शनिवार को बरेली में चेंजओवर कर रुद्रपुर में आयोजित उत्तराखंड निवेश उत्सव समारोह में शामिल होने जाएंगे। जिला प्रशासन ने उनके चेंजओवर और वैकल्पिक व्यवस्था के मद्देनजर सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। त्रिशूल एयरफोर्स में चेंजओवर के दौरान बारिश होने के मद्देनजर वीवीआईपी और उनके साथ आने वाले अन्य अतिथियों के उपयोग के लिए 50 छाते भी खरीदे गए हैं। ये छाते बरेली विकास प्राधिकरण ने खरीदकर शुक्रवार को तहसील सदर के अधिकारी को सौंपे हैं।

गृहमंत्री अमित शाह शनिवार को नई दिल्ली से बीएसएफ के हवाई जहाज से उड़ान भरकर दोपहर में 12.45 बजे त्रिशूल एयरफोर्स हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे। चेंजओवर के बाद पंतनगर एयरपोर्ट के लिए उड़ जाएंगे।

ठग ने साढ़ू बनकर युवक को लगाया 1.57 लाख का चूना

- ठग ने दोस्त की मां की बीमारी का बहाना बनाकर मांगे पैसे

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : एक युवक से ठग ने साढ़ू बनकर एक लाख 57 हजार रुपये की ठगी कर ली। ठग ने फोन पर दोस्त की मां बीमार होने का बहाना बनाकर युवक को झांसे में लिया। युवक की तहरीर पर थाना बिथरी चैनपुर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

गांव भिंडौलिया निवासी वकील अहमद ने बताया कि 10 जुलाई की सुबह करीब 10 बजे उसके पास फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को उसका साढ़ू बामिक बताते हुए कहा कि भारत में उसका एक दोस्त है, जिसकी मां बहुत ज्यादा बीमार हैं। वकील का साढ़ू भी विदेश में रहता है, जिससे उसे यकीन हो गया। ठग ने कहा कि उसके दोस्त के खाते में रुपये नहीं जा रहे हैं। वह 2.10 लाख रुपये उसके खाते में डाल दे रहा है, जिसे वह उसके खाते में डाल दे। ठग ने कुछ समय बाद 2.10 लाख की फर्जी रसीद भेज दी। इसके बाद दूसरे ठग ने फोन कर कहा कि वह बैंक से बात कर रहा है और कहा कि उसके खाते में डालर आए हैं जो 24 घंटे बाद रुपये में बदल जाएंगे। इसलिए वह किसी को इस बारे में न बताए। इस पर वकील ने अपने और रिश्तेदारों से रुपये उधार लेकर एक लाख 57 हजार रुपये ठगों के बताए खाते में भेज दिए। अगले दिन फोन करने पर ठग ने कहा कि नेटवर्क में समस्या हो गई है, जिस कारण अब 48 घंटे बाद उसके खाते में रुपये आएंगे। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने वीडियो काल की मगर कोई फोन नहीं उठा।

पति के दोस्त ने घर में घुसकर किया दुष्कर्म

बरेली, अमृत विचार : इज्जतनगर थाना क्षेत्र में महिला के साथ उसके पति के दोस्त ने घर में घुसकर दुष्कर्म किया। साथ ही उसका अश्लील वीडियो भी बनाया। विरोध करने पर वीडियो वायरल कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी दुर्गा कालोनी बरेली रोड हल्द्वानी नैनीताल निवासी कुनाल मोगा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। थाना क्षेत्र की रहने वाली पीड़ित महिला ने बताया कि उसके पति ड्राइवर हैं और वह हल्द्वानी में रहकर ट्रक चलाते हैं। इसी दौरान उसके पति की जान पहचान कुनाल मोगा के साथ हुई। दोस्ती बढ़ने पर कुनाल अक्सर उसके घर आने-जाने लगा। महिला ने बताया कि 17 अगस्त 2024 को उसके पति सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। उनका इलाज बरेली के निजी अस्पताल में चल रहा है। आरोप है कि इसके बाद से कुनाल का उसके घर में बिना कारण आना-जाना अधिक बढ़ गया। आरोपी कुनाल मोगा एक दिन घर पहुंचा और उसके साथ दुष्कर्म किया। पति या पुलिस से शिकायत करने पर कुनाल ने आपत्तिजनक फोटो और वीडियो दिखाकर उसे वायरल करने की धमकी दी।

बीसलपुर किसान सहकारी चीनी मिल लि., बीसलपुर (पीलीभीत)

पत्रांक: 672/बी.के.एस./सिविल/2025-26 दिनांक: 18 जुलाई 2025

ई-निविदा सूचना

मिल समिति द्वारा विभिन्न सिविल कार्यो, सामान्य मरम्मत कार्य, शौचालय केन वाड्र, शौचालय फैक्ट्री के अन्दर, प्रशासनिक भवन सड़क कार्य, आन्तरिक केन यार्ड मरम्मत, बाउन्ड्रीवाल कार्य, गोदाम सं.-1 की छत मरम्मत हेतु मिल समिति की ओर से अनुभवी एवं मान्यता प्राप्त ठेकेदारों से ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है, जो दिनांक 02.08.2025 अपरान्ह 03:00 बजे तक प्राप्त की जायेगी। सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 22.07.2025 को सायं 06:55 बजे से उपलब्ध रहेगा। प्रधान प्रबन्धक को एक अथवा समस्त निविदायें बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

प्रधान प्रबन्धक

न्यायालय श्रीमान सिविल जज जू.डि. हवाली जिला बरेली
मूलवाद सं. 341 सन् 2023

श्रीमती कनक अग्रवाल बनाम दिनेश चन्द्र नोटिस बनाम दिनेश चन्द्र उम्र लगभग 55 वर्ष पुत्र श्री जयपाल सिंह निवासी वैष्णों धाम कालोनी करगैना सुभाषनगर थाना सुभाषनगर जिला बरेली। चूंकि मुसम्मी श्रीमती कनक अग्रवाल ने आपके नाम एक नालिस वास्ते निरस्तीकरण बैनामा दिनांक 10.05.2022 के दायर की है लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है कि आप बतारीख 23.07.2025 असालतन या मारफत किसी वकील के जो हालात में बखूबी वाकिफ हो मय कागजात मुतलका के हाजिर हो वरना आपकी गैर हाजरी में मुकदमा हाजा में फैसला होगा।

आज बतारीख 18.7.25 मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया।

जज
सिविल जज जू.डि. हवाली बरेली।

जिला निर्वाचन कार्यालय (पंचायत एवं नगरीय निकाय), बदायूं

पत्रांक संख्या: 147/पं.निर्वा.नामा./वृहद् पुनरीक्षण/डाटा इन्ट्री-फोटोकॉपी निविदा सूचना/2025 दिनांक: 18 जुलाई 2025

जैम ई-निविदा सूचना

त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के वृहद् पुनरीक्षण 2025 में बी.एल.ओ. द्वारा तैयार की गयी हस्तलिखित पाण्डुलिपियों (परिवर्धन/अपमार्जन/संशोधन) की राज्य निर्वाचन आयोग, उ.प्र., लखनऊ द्वारा विकसित सॉफ्टवेयर/ सर्वर पर (ऑफलाइन/ऑनलाइन) डेटा इन्ट्री एवं निर्वाचक नामावली की फोटो प्रति कार्य के लिए न्यूनतम दरें/तत्सम्बन्धी फर्म का चयन करने हेतु जेम पोर्टल पर पंजीकृत फर्मदाताओं से ऑनलाइन ई-जैम निविदा दिनांक 01 अगस्त 2025 20:00:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदादाताओं के लिए निविदा सूचना, निविदा प्रपत्र एवं निविदादाताओं के लिए आवश्यक निर्देश एवं शर्ते भारत सरकार के Government e marketplace की website: https://gem.gov.in पर उपलब्ध है। किसी भी प्रकार की जानकारी एवं सेवा शर्ते दिनांक 01 अगस्त 2025 तक किसी भी कार्यदिवस में जिला निर्वाचन कार्यालय (पंचायत एवं नगरीय निकाय) बदायूं से प्राप्त की जा सकती है।

प्रभारी अधिकारी,
जिला निर्वाचन कार्यालय,
(पंचायत एवं नगरीय निकाय, बदायूं)

कार्यालय नजारत, जनपद न्यायालय, शाहजहांपुर

नीलामी की शर्ते

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जजेज आवास जे 1 से जे 12 की विशेष मरम्मत व रंगाई पुताई से निकलने वाले मलवे की नीलामी निम्न शर्तो के आधार पर की जायेगी–

1. नीलामी दिनांक 25.07.2025 को शाम 4:30 बजे जनपद न्यायालय, शाहजहांपुर में कार्यालय नजारत के सामने गठित समिति द्वारा की जायेगी।
2. प्रत्येक बोली बोलने वाले को नीलामी में भाग लेने से पूर्व जमानत धनराशि मु0 रू0 5000/– जमा करनी होगी। यह धनराशि नीलामी की कार्यवाही से पूर्व प्रातः 10 बजे से 01 बजे तक कार्यालय नजारत में केन्द्रीय नाजिर के पास जमा करनी होगी, इसके पश्चात कोई भी धनराशि जमा नहीं की जायेगी। यह धनराशि नीलामी समाप्त होने के उपरांत प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्तर के बोलीदाताओं की धनराशि को रोकते हुए शेष बोली दाताओं की धनराशि तत्काली वापस कर दी जायेगी। नीलामी की न्यूनतम धनराशि 26100.00 निर्धारित की जाती है।
3. नीलामी समिति/जनपद न्यायाधीश को यह अधिकारी होगा कि किसी भी बोली को बिना कारण बताये अस्वीकार कर दे। अंतिम बोली की स्वीकृति सक्षम अधिकारी द्वारा की जायेगी।
4. नीलामी हेतु जजेज आवास जे 1 से जे 12 की विशेष मरम्मत व रंगाई पुताई से निकलने वाले मलवे की नीलामी से पूर्व देखा जा सकता है।
5. जिस बोलीदाता की बोली अन्तिम रूप से स्वीकार की जायेगी, उस बोलीदाता को नीलामी की धनराशि की सम्पूर्ण रकम नकद तुरन्त जमा करनी होगी। यदि अन्तिम बोली बोलने वाले व्यक्ति द्वारा धनराशि उसी समय जमा नहीं की गयी तो उनकी बोली निरस्त समझी जायेगी तथा उसके द्वारा जमा की गयी अग्रिम धनराशि मु0 रू0 5000/– सरकारी कोष में जब्त कर ली जायेगी।
6. जजेज आवास जे 1 से जे 12 की विशेष मरम्मत व रंगाई पुताई से निकलने वाले मलवे की नीलामी की अन्तिम बोली जब तक सक्षम अधिकारी द्वारा स्वीकार नहीं की जायेगी, तब तक जजेज आवास जे 1 से जे 12 की विशेष मरम्मत व रंगाई पुताई से निकलने वाला मलवा, डी0एम0 कम्पाउण्ड, में जे 1 से जे 12 आवास के पास ही रहेगा, क्रेता अपने संतोष के लिए देखरेख कर सकता है, बाद में कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
7. क्रेता द्वारा पूर्ण धनराशि जमा करने व नीलामी अनुमोदन के बाद तीन दिन के अन्दर जजेज आवास जे 1 से जे 12 की विशेष मरम्मत व रंगाई पुताई से निकलने वाले मलवे को उठा लेना अनिवार्य होगा।
8. उपरोक्त नीलामी शर्तो के विषय में यदि कोई विवाद होता है, तो जनपद न्यायाधीश शाहजहांपुर द्वारा लिया गया निर्णय अतिम रूप से मान्य होगा।
9. नीलामी के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कानूनी कार्यवाही जनपद न्यायालय, शाहजहांपुर में स्थित सक्षम न्यायालय में की जायेगी।

(प्रियंका सिंह) सदस्य, नीलामी समिति सिविल जज (सी0डी0) जनपद न्यायालय, शाहजहांपुर।
(अभय प्रताप सिंह प्रथम) सदस्य, नीलामी समिति अपर जिला जज तृतीय जनपद न्यायालय, शाहजहांपुर।
(आशीष वर्मा) अध्यक्ष, नीलामी समिति अपर जिला जज प्रथम जनपद न्यायालय, शाहजहांपुर।

UP-236016 दिनांक 17.07.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कला प्रदर्शनी व्हाट्स अंडर माई स्किन का दिल्ली में आगाज

बरेली, अमृत विचार: नई दिल्ली में एआईएफएसीएस गैलरी में उभरती कलाकार खुशी खंडेलवाल की सोलो कला प्रदर्शनी ''व्हाट्स अंडर माई स्किन शुरू हो गई। शुक्रवार को उनकी कलाकृतियों की प्रदर्शनी का उद्घाटन समारोह हुआ। खुशी की अद्भुत कलाकृतियां 24 जुलाई तक सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए उपलब्ध हैं।

व्हाट्स अंडर माई स्किन महज एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि यह कलाकार की आंतरिक चुनौती है, एक ऐसी चुनौती की झलक है, जो कभी-कभी भावनाओं के उस कपटी पहलू से प्रभावित होती है। अपने संग्रह के साथ खुशी ने इस बात पर गौर किया कि किस तरह से परतें चुपचाप उन चीजों, जैसे कि चिंता, नाजुकता और मनोवैज्ञानिक जोखिम की सतह के नीचे घूम रही हैं, जिनके साथ ज्यादातर लोग रहते हैं। खुशी खंडेलवाल ने आगंतुकों के बीच काम पर चर्चा करते हुए कहा कि वह इतने लोगों और इन सभी वास्तविक प्रतिक्रियाओं से बहुत प्रभावित हैं।

सीबीएसई स्कूलों में बच्चे पढ़ेंगे स्वस्थ रहने का पाठ

बरेली, अमृत विचार: सीबीएसई के स्कूलों में शिक्षा के साथ सेहत पर भी जोर दिया जाएगा। बच्चों को हेल्दी लाइफ स्टाइल का पाठ पढ़ाया जाएगा। इसके लिए स्कूलों में 'ऑयल बोर्ड' लगाए जाएंगे, ताकि बच्चे ज्यादा तेल के सेवन से होने वाले नुकसान के बारे में जान सकें।

कार्यालय नगर निगम, शाहजहांपुर

पत्रांक : 630/स्वा.वि./पी.आर.ओ./न.नि.-शाह/2025-26 दिनांक : 18.07.2025

सामान्य निविदा सूचना

राज्य वित्त आयोग/बोर्ड फण्ड की धनराशि से नगर निगम, शाहजहाँपुर में कार्यरत सफाई कर्मचारियों को निम्न सामग्री दिये जाने हेतु नगर आयुक्त महोदय की स्वीकृति के अनुपालन में सामान्य निविदा दिनांक 12.08.2025 तक अपरान्ह 03:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो तद् दिनांक सायं 04:00 बजे खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र रिकार्ड रूम से दिनांक 11.08.2025 को अपरान्ह 03:00 बजे तक क्रय किये जा सकते हैं।

क्र.सं.	विवरण	मात्रा	अनुमानित दर (जी.एस.टी. अतिरिक्त)	कुल लागत (जी.एस.टी. अतिरिक्त)	धरोहर राशि	निविदा मूल्य (मय जी.एस.टी.)
1.	साड़ी, ब्लाउज व पेटीकोट	207 नग	850.00 प्रति सेट	175950.00	17595.00	208.00
2.	पैन्ट व शर्ट	336 नग	1974.00 प्रति सेट मय सिलवाई	663264.00	66326.00	783.00

नोट : उक्त कार्य से सम्बन्धित शर्ते किसी भी कार्य दिवस में वर्कशाप रोशनी गोदाम में देखी जा सकती है।

निविदा की क्रयदारी हेतु धरोहर धनराशि नगर निगम के बैंक के खाता सं.-50265293184 आई.एफ.एस.सी. कोड-IDIB000C632 ब्रांच इन्डियन बैंक, गोविन्दगंज, शाहजहांपुर व निविदा शुल्क नगर निगम के बैंक के खाता सं. -50200017927485 आई.एफ.एस.सी. कोड-HDFC0000869 ब्रांच एच.डी.एफ.सी. बैंक, शाहजहांपुर में जमा कराने उपरान्त मूल प्रति निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न करनी होगी। निविदा को स्वीकृति/अस्वीकृति अथवा निरस्त करने का अधिकार नगर आयुक्त नगर निगम, शाहजहाँपुर में निहित होगा।

नगर आयुक्त

एल&टी फायनांस लिमिटेड
(पहले इसे एल&टी फायनांस होल्डिंग्स लिमिटेड कहा जाता था)
पंजीकृत कार्यालय: एल&टी फायनांस लिमिटेड, बृंदावन बिल्डिंग, प्लॉट नं. 177, कलीना, सीएसटी रोड, मर्सडीज़ शोरूम के पास, सांताक्रुज़ (पूर्व), मुंबई 400 098
सीआईएन नं.: L67120MH2008PLC181833
शाखा कार्यालय: उत्तर प्रदेश

L&T Finance

सोना नीलामी की सूचना

एतद्द्वारा सभी संबंधितों की जानकारी हेतु सूचित किया जाता है कि कंपनी की निम्नलिखित शाखाओं में संबंधित कर्ज संख्याओं के अंतर्गत गिरवी रखे गए सोने के आभूषणों, जिनका मोचन कराया जाना बकाया था और जिन्हें कंपनी द्वारा बार-बार सूचना देने के बावजूद संबंधित ग्राहकों द्वारा अब तक नहीं चुकाया गया है, उनकी नीलामी कंपनी के संबंधित शाखा कार्यालयों में सोमवार **28 जुलाई, 2025** को निम्नलिखित विवरणों के अनुसार की जाएगी:-

1. सहारनपुर - घंटाघर शाखा - एल&टी फायनांस प्रा. लि., #2ए/1095, भीमराव अंबेडकर मार्ग, घंटाघर के पास, मुख्य चौक, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश. पिन कोड - 247001. फ़ोन - 9875942895 कर्ज संख्या - 16321000004483, 16321000004477, 16321000004491, 16321000004561, 16321000004596, 16321000004633, 16321000004752, 16321000004829, 16321000004688, 16321000004630, 16321000004631, 16321000004848, 16321000004801, 16321000004156, 16321000004809, 16321000004467, 16321000004468, 16321000004766, 16321000004548, 16321000004759, 16321000004530, 16321000004453, 16321000004569, 16321000004386, 16321000004472, 16321000004499, 16321000004520, 16321000004521, 16321000004534, 16321000004605, 16321000004765, 16321000004792, 16321000004806 (समय सुबह 11:00 बजे).

कृपया ध्यान दें कि यदि किसी कारणवश नीलामी उपरोक्त दिनांक पर पूरी नहीं हो पाती है, तो यह बिना किसी पूर्व सूचना के **4 अगस्त 2025** को उसी स्थान और समय पर आयोजित की जाएगी.

ध्यान दें: संबंधित ग्राहक नीलामी के दिनांक से पहले आभूषणों को मुक्त करवा सकते हैं.

ध्यान दें: एल&टी फायनांस प्रायवेट लिमिटेड के पास अपने विवेकाधीन, किसी भी कर्ज खाते के अंतर्गत किसी भी आभूषण को बिना किसी पूर्व सूचना के नीलामी सूची से हटाने का अधिकार है.

ध्यान दें: बोलीकर्ताओं से निवेदन है कि वे पहचान पत्र, पैन कार्ड और पंजीकृत डीलरों के मामले में टिन नंबर प्रस्तुत करें. सफल बोलीकर्ता से पूरी नीलामी की राशि तुरंत आरटीजीएस/किसी अन्य अनुमत माध्यम से कंपनी को हस्तांतरित करने का निवेदन किया जाता है.

हस्ता./-
प्राधिकृत अधिकारी
एल&टी फायनांस लिमिटेड के लिए

उपरोक्त सूचना के बारे में किसी भी स्पष्टीकरण के लिए, कृपया 1800 268 0000 पर या संबंधित शाखा से संपर्क करें.

दिनांक: 19.07.2025
स्थान: उत्तर प्रदेश

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा सूचना सं. 05 वर्ष 2025-26

अधोलिखित कार्यों के लिए मुहरबन्द खुली निविदाएँ भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मण्डल रेल प्रबन्धक (सिगनल एवं दूरसंचार), पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा आमंत्रित की जाती हैः- **कार्यों का विवरण : 1.** पूर्वोत्तर रेलवे, लोकेशन बाक्स एवं सी.टी. रैक हेतु केबिल टर्मिनेशन चार्ट तैयार करना, **अनुमानित लागत :** ₹ 26,40,719.70, **बयाना राशि :** ₹ 52,800/-, **कार्य समापन अवधि :** 6 माह। **कार्यों का विवरण : 2.** सीसेइ (सिग.)/मथुरा छा. के खण्ड में TRR, TBR, TTR एवं SWR से LWR में परिवर्तन हेतु विविध सिगनलिंग कार्य, **अनुमानित लागत :** ₹ 1,42,84,892.77, **बयाना राशि :** ₹ 2,21,400/-, **कार्य समापन अवधि :** 6 माह। **ई-निविदायें जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय :** दिनांक 08.08.2025 को 11:00 बजे।

• पूर्ण विवरण वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दी गयी है। • सभी आवश्यक दस्तावेज ई-निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहियें।

वरि. मण्डल सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर,
मुजाधि/सिगनल-34 पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरि० मंडल वाणिज्य प्रबन्धक/इज्जतनगर द्वारा आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) पर पंजीकृत संस्थाओ से ई-ऑक्शन के माध्यम से ठेको हेतु बोलिया आमंत्रित की जा रही है। ऑक्शन कैटेलाग को आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर प्रकाशित किया जा चुका है। इज्जतनगर मंडल की आगामी ई-ऑक्शन का विवरण निम्नवत हैः- **श्रेणीः-** Misc-Static-Services-Static General, **कैटलोंग सं०ः-**IZN-MFC-2-25, **एसेट विवरणः-** काठगोदाम रेलवे स्टेशन स्थित मल्टी फंक्शनल कॉम्प्लेक्स काठगोदाम की दुकान से 01 एवं 02 हेतु, **ऑक्शन प्रारम्भः-** 24-07-25 12:30:00, **ऑक्शन समापनः-** 24-07-25 13:10:00, **श्रेणीः-** Parcel, **कैटलोंग सं०ः-** IZN-PLS-6-25, **एसेट विवरणः-** मंडल की वभिन्न ट्रेनों में एसएलआर लीजिंग हेतु, **ऑक्शन प्रारम्भः-** 28-07-25 12:30:00, **ऑक्शन समापनः-** 28-07-25 17:30:00, **1.** बोलीदाताओ को सलाह दी जाती है कि ई-ऑक्शन से सम्बन्धित जानकारी के लिये रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें।, **2.** उक्त ई-ऑक्शन, आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) के ई-ऑक्शन लीजिंग मॉड्यूल के माध्यम से आमंत्रित किया गया है।, **3.** ई-ऑक्शन सम्बन्धित समस्त जानकारी जैसे पात्रता, कार्य का दायरा, ठेके की अवधि नियम एंव शर्ते आदि आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।, **4.** बोलीदाता उक्त दिये गये दिनांक एंव समय के अनुसार ही ई-ऑक्शन में भाग ले सकते है।, **5.** सभी संभावित बोली दाताओं से अनुरोध है कि ई-ऑक्शन से सम्बन्धित किसी भी शुद्विपत्र हेतु नियमित रूप से रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करते रहें।

सहायक वाणिज्य प्रबन्धक
मुजाधि/वाणिज्य-91 इज्जतनगर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

एक नजर

यूपी में रह रहे बिहार के वोटर 25 तक भर दें गणना प्रपत्र

अमृत विचार, लखनऊ : संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी विनय कुमार पाठक ने बताया कि बिहार राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण-2025 अभियान चलाया किया जा रहा है। इस पुनरीक्षण अवधि में बिहार राज्य में पंजीकृत कई मतदाता अस्थाई रूप से राज्य से बाहर हैं। ऐसे उत्तर प्रदेश में निवासरत मतदाता ECINET App एवं https://voters.eci.gov.in के जरिए ऑनलाइन गणना प्रपत्र स्वयं भर सकते हैं। इसके अलावा प्री फिल्ड फार्म डाउनलोड कर हस्ताक्षरित प्रति व्हाट्सअप, ईमेल या परिवार के सदस्यों के माध्यम से 25 जुलाई तक बिहार राज्य में अपने बीएलओ को भेज कर सकते हैं।

सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में होंगी परीक्षाएं

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य के नर्सिंग कॉलेजों में जीएनएम व एएनएम की और पैरामेडिकल प्रशिक्षण केंद्रों में विभिन्न पाठ्यक्रमों की वार्षिक मुख्य परीक्षाएं सितंबर माह में होंगी। परीक्षा केंद्र के कक्षों में सीसीटीवी कैमरों की निगरानी होगी। इसके लिए आगामी 14 अगस्त तक कमरों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए गए हैं। उप्र. स्टेट मेडिकल फैकल्टी के सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सभी नर्सिंग कॉलेजों एवं प्रशिक्षण केंद्रों को पत्र लिखा है, पत्र के माध्यम से उन्होंने परीक्षा केंद्रों के कक्षों में लगे सीसीटीवी कैमरों की कनेक्टिविटी कराने के निर्देश दिए हैं। निर्देश का अनुपालन न होने की दशा में कार्रवाई की चेतावनी भी दी है।

8 नए उप निबंधक कार्यालयों का शिलान्यास आज

अमृत विचार, लखनऊ : स्टांप एवं पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल शनिवार को वर्चुअल माध्यम से राज्य के विभिन्न जिलों में 8 उप निबंधक कार्यालयों और 2 उप महानिरीक्षक (एआईजी) कार्यालयों का शिलान्यास करेंगे। इनमें 2 उप महानिरीक्षक (एआईजी) कार्यालय चंदौली सदर और श्रावस्ती सदर में शामिल हैं। जबकि आठ उप निबंधक कार्यालयों में सगड़ी आजमगढ़, सवायजपुर हरदोई, सदर चंदौली, महोली सीतापुर, जयसिंहपुर सुल्तानपुर, सदर श्रावस्ती, रामसनेही घाट बाराबंकी तथा लंभुआ सुल्तानपुर शामिल हैं।

मुख्यमंत्री बने शिक्षक, पढ़ाया पर्यावरण संरक्षण का पाठ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मंत्रिमंडल के सहयोगी व पार्टी नेता विद्यार्थियों की तरह कक्षा में हुए शामिल

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के दूसरे दिन वसंत महिला महाविद्यालय में कुछ देर के लिए अलग ही रंग में दिखे। यहां वे कुछ पलों के लिए शिक्षक की भूमिका में नजर आए और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी व पार्टी नेता विद्यार्थियों की तरह उनकी कक्षा में शामिल हुए।

गंगा के तट पर और प्रकृति की गोद में बसे इस महाविद्यालय के प्रांगण में बिरसा मुंडा पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे योगी ने महाविद्यालय की ओपन क्लास व्यवस्था को देखकर गुरुकुल की याद ताजा कर दी। उन्होंने कहा कि आज के दौर में, जब कंक्रीट के जंगल उग रहे हैं, यह परिसर प्रकृति के साथ तालमेल और गुरुकुल की परंपरा का जीवंत उदाहरण है। मुख्यमंत्री का उत्साह उस वक्त और बढ़ गया, जब उन्होंने ओपन क्लास में शिक्षक की कुर्सी संभाली। उनके साथ मंत्रियों और नेताओं ने विद्यार्थियों की तरह उत्साह से हिस्सा लिया और महाविद्यालय की प्रिंसिपल भी इस अनूठे पाठशाला सत्र में छात्र की भूमिका में नजर आईं। यह नजारा सभी के लिए रोचक और प्रेरणादायक रहा।

वाराणसी दौरे के दूसरे दिन वसंत महिला महाविद्यालय की ओपन क्लास में शिक्षक की भूमिका में नजर आए मुख्यमंत्री योगी।

बलरामपुर की सुआंव और बहराइच की टेढ़ी नदी फिर से हो रही जीवंत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : लंबे समय से अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहीं बलरामपुर की सुआंव नदी और बहराइच की टेढ़ी नदी अब फिर से जीवंत हो उठी हैं। यह बदलाव मुख्यमंत्री योगी के एक जनपद-एक नदी मुहिम से संभव हो पाया है।

देवीपाटन मंडल के आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने बताया कि मंडल के चार जिलों में विलुप्त हो चुकी नदियों का पुनरोद्धार किया जा रहा है। इससे श्रावस्ती की बूढ़ी राप्ती, गोंडा की मनोरमा नदी अपने मूल स्वरूप में बहने लगी हैं, जबकि बलरामपुर की सुआंव और बहराइच की टेढ़ी नदी के पुनरोद्धार का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। लगभग 121 हेक्टेयर लम्बाई और 320.61 वर्ग हेक्टेयर क्षेत्रफल वाली सुआंव नदी के संरक्षण के लिए कुल 49 कार्य स्थलों की पहचान की गई, जिनमें से 25 पर कार्य प्रारंभ हो चुका है और 24 कार्यों के लिए योजना निर्माण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। बहराइच में विलुप्त हो चुकी लगभग 38 किलोमीटर लम्बी टेढ़ी नदी के पुनरोद्धार का काम जोरों से चल रहा है।

किसानों को खाद नहीं मिली तो सीधे जिम्मेदार होंगे जिलाधिकारी

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर कृषि विभाग ने जारी किया आदेश

- पर्याप्त खाद होते हुए भी किसानों के आंदोलित होने से सरकार हुई सख्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : किसानों को खाद नहीं मिलने से लेकर कालाबाजारी की ऐसी कई घटनाएं सामने आने और विपक्ष के हमले के बाद सरकार सख्त हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर कृषि विभाग ने सीधे सभी जिलाधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए कड़ा संदेश दिया है कि किसानों को समुचित मात्रा में सभी प्रकार की रासायनिक खादें मिलने में कोई कठिनाई न आने पाए। साथ ही, किसानों को खाद किस मूल्य पर उपलब्ध है, उसकी पूरी जानकारी प्रचार व संवाद के माध्यमों से देनी होगी।

केस-1 पीलीभीत में पिछले सप्ताह जिला पंचायत सभागार में यूरिया खाद की कोई कमी नहीं होने की बात कह रहे जिला कृषि अधिकारी नरेंद्र पाल के साथ मारपीट हुई। मंच पर ही अफसर का कॉलर पकड़कर थप्पड़ मारा गया।

केस-2 लखीमपुर खीरी के भादुरा गांव में बीते सप्ताह किसानों पर उस वक्त पुलिस की ओर से लाठियां बरसाई गईं, जब वे सहकारी समिति से खाद लेने के लिए घंटों लाइन में खड़े थे। वीडियो में एक बुजुर्ग महिला समेत कई किसानों की पिटाई साफ दिख रही है।

केस-3 गोंडा के धानेपुर साधन सहकारी समिति में गुरुवार को 266.50 रुपये प्रति बैग मिलने वाली खाद 280 रुपये में बांटी गई। किसानों का कहना था कि सचिव के पुत्र अपने एक सहयोगी के साथ आधार कार्ड की फोटो प्रति व प्रति बोरी 280 रुपये जमा कराए।

कालाबाजारी पर होगी सख्त कार्रवाई

जिलाधिकारियों के निर्देश दिए गए हैं कि खाद की आपूर्ति श्रृंखला की सघन मॉनीटरिंग सुनिश्चित करके कालाबाजारी या जमाखोरी की किसी भी कोशिश पर कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित करें। खाद की प्रदेश के भीतर कालाबाजारी अथवा पड़ोसी राज्यों में तस्करी के प्रयासों के विरुद्ध ज़ीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने के निर्देश दिए गए हैं।

पिछले वर्ष की खपत से ज्यादा है स्टाक

खाद	जुलाई,2024 में खपत	उपलब्ध स्टाक
यूरिया	18.98 लाख एमटी	28.56 लाख एमटी
डीएपी	4.38 लाख एमटी	5.83 लाख एमटी
एनपीके	1.53 लाख एमटी	4.26 लाख एमटी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोमवार को हुई उच्चस्तरीय बैठक में खरीफ सीजन के दृष्टिगत किसानों को आवश्यक खाद की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने की व्यवस्था की समीक्षा के बाद शासन सख्त हो गया है। सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि प्रदेश में किसानों को खाद की कोई कमी नहीं होनी चाहिए। थोक एवं खुदरा विक्रेताओं के स्टॉक की नियमित जांच करने, गड़बड़ी मिलने पर लाइसेंस निरस्त करने से लेकर एफआईआर तक की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। नियमित खाद वितरण की समीक्षा के साथ यदि किसी क्षेत्र में खाद की कमी की सूचना मिलती है, तो तत्काल वैकल्पिक आपूर्ति की व्यवस्था भी करनी होगी।

पंचायत चुनाव की उल्टी गिनती शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पंचायती राज विभाग ने किया वार्ड परिसीमन की प्रक्रिया का आगाज
- 23 से 28 जुलाई के बीच परिसीमन के प्रस्ताव की सूची होगी तैयार
- 29 जुलाई से 5 अगस्त तक सूची पर आपत्तियां दर्ज की जा सकेंगी
- 6 से 10 अगस्त तक होगा आपत्तियों का निस्तारण फिर जारी होगी अंतिम सूची

अमृत विचार : प्रदेश में पंचायत चुनाव की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। पंचायती राज विभाग ने वार्ड परिसीमन की प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू कर दी। यह कवायद 22 जुलाई तक चलेगी। दरअसल, इस बार उप्र. में ग्राम पंचायतों की संख्या घटी हैं। इसके चलते पंचायत क्षेत्रों में वार्डों का नए सिरे से पुनर्गठन किया जा रहा है।

इस बार ग्राम पंचायतों की कुल संख्या घटकर 57,963 रह गई है। पहले यह संख्या 58,467 थी, ऐसे में 504 ग्राम पंचायतें कम हुईं हैं। यह बदलाव ग्राम पंचायतों के विलय और पुनर्गठन के चलते हुआ है। इसका सीधा प्रभाव पंचायत चुनाव में भाग लेने वाले मतदाताओं, वार्डों की संख्या और उनके स्वरूप पर पड़ेगा। इस पुनर्गठन की समय सारिणी के अनुसार, 22 जुलाई तक ग्राम पंचायतों में वार्डों का परिसीमन और प्रस्ताव तैयार करने की प्रक्रिया चलेगी। 23 जुलाई से 28 जुलाई तक पंचायत सचिवों द्वारा परिसीमन के प्रस्ताव की सूची तैयार की जाएगी। 29 जुलाई से 5 अगस्त तक वार्डों की प्रारंभिक सूची पर आपत्तियां दर्ज की जा सकेंगी। वहीं, 6 अगस्त से 10 अगस्त तक आपत्तियों का निस्तारण करके वार्डों की अंतिम सूची जारी की जाएगी। अनुमान लगाया जा रहा है कि पंचायत चुनाव की अधिसूचना सितंबर या अक्टूबर तक जारी हो सकती है।

बटेश्वर के पर्यटन विकास को 27 करोड़ रुपये मंजूर

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन विभाग देश के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के पैतृक गांव बटेश्वर को प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करेगा। इसके लिए पर्यटन विभाग ने 27 करोड़ रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत की हैं, परियोजनाएं अटल की 101वीं जयंती पर शुरू की जाएंगी। यह जानकारी शुक्रवार को पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि बटेश्वर में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ कर क्षेत्रीय विकास का निर्णय लिया गया है। बटेश्वर में पर्यटन विकास योजनाओं को अमली जामा पहनाएगा। इसके लिए दो करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। बटेश्वर धाम स्थित गोपालेश्वर मंदिर से सांस्कृतिक संकुल तक घाट विकास कार्य के लिए 19 करोड़ की परियोजना स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार, बटेश्वर धाम में दो प्रवेश द्वारों के निर्माण (फिरोजाबाद रोड एवं एक्सप्रेस वे रोड पर) कार्य पर पांच करोड़ रुपए खर्च होंगे। जयवीर सिंह ने बताया कि इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए रपड़ी क्षेत्र में साइनेज के विकास कार्य के लिए एक करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। मान्यता है कि यहां भगवान शिव ने एक बरगद पेड़ के नीचे विश्राम किया था, जिस कारण इस जगह का नाम बटेश्वर पड़ा। नागर शैली में निर्मित बटेश्वर का यह धाम 101 शिव मंदिरों की श्रृंखला के लिए देश-दुनिया में जाना जाता है।

परंपरागत धार्मिक रिवाजों में सरकार का हस्तक्षेप अनुचित : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, लखनऊ

- दरगाह पर लगने वाले उर्स मामले में की टिप्पणी
- कहा, राज्य सरकार की सभी आशंकाएं निर्मूल सिद्ध हुईं

अमृत विचार : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने बहराइच के सैयद सालार मसूद गाजी की दरगाह पर सालाना लगने वाले उर्स जिसे जेठ मेला भी कहा जाता है, के मामले में न्यायालय ने विस्तृत आदेश पारित करते हुए टिप्पणी की है कि सामान्य परिस्थितियों में वे सभी धार्मिक रिवाज जो लंबे समय से प्रचलित हैं, राज्य सरकार द्वारा छोटे-छोटे कारणों से रोके नहीं जा सकते, विशेषकर तब जबकि ये प्रथाएं समाज में सांस्कृतिक सौहार्द को बढ़ावा देती हैं। न्यायालय ने आगे कहा कि मामले में 17 मई को पारित अंतरिम आदेश के तहत किए गए प्रबंधों के दौरान शांति और सौहार्द बना रहा, लिहाजा निर्धारित तिथियों में उर्स अथवा मेला के आयोजन को लेकर राज्य सरकार की सभी आशंकाएं भी निर्मूल सिद्ध हुई हैं।

यह आदेश न्यायमूर्ति एआर मसूदी व न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने वक्फ नंबर 19 दरगाह शरीफ, बहराइच व अन्य की ओर से दाखिल याचिका पर पारित किया। याचिकाओं में दरगाह पर सालाना लगने वाले उर्स को जिलाधिकारी द्वारा अनुमति से इंकार को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी, जिस पर सुनवाई के पश्चात न्यायालय ने 17 मई को अपना फैसला सुरक्षित कर लिया था, साथ ही पारम्परिक क्रिया-कलाप जारी रखने की अनुमति दी थी। याचिकाओं का विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से मुख्य रूप से यह दलील दी गई थी कि दरगाह शरीफ के आसपास का क्षेत्र अत्यंत संवेदनशील है, यह नेपाल की खुली सीमा से सटा हुआ है, पहलगाम में पर्यटकों पर भयावह हमले को देखते हुए व भारत-नेपाल सीमा से आने-जाने वाली भीड़ के बीच राष्ट्रविरोधी और संदिग्ध तत्वों के घुसपैठ की प्रबल संभावना बनी रहती है।

राज्य की ओर से यह भी कहा गया कि इन दिनों पाकिस्तान के साथ तनावपूर्ण हालात बने हुए हैं, ऐसे में यदि आकस्मिक रूप से आपातकाल घोषित करना पड़े तो मेला क्षेत्र में भीड़ की उपस्थिति के कारण क्षेत्र को पूर्णतः ब्लैकआउट करना संभव नहीं होगा, जिससे प्रशासनिक चुनौतियां और अधिक जटिल हो सकती हैं।

न्यायालय ने याचिका को निस्तारित करते हुए अपने आदेश में कहा कि राज्य सरकार ने परिस्थितियों को देखते हुए और गोपनीय रिपोर्टों के आधार पर उर्स की अनुमति से इंकार किया था, लेकिन अब वह आदेश अप्रभावी हो गया है, क्योंकि मेला अवधि समाप्त हो चुकी है। इस पर न्यायालय द्वारा पारित अंतरिम व्यवस्था, जिसमें धार्मिक रिवाजों के संपादन की अनुमति दी गई थी, ने राज्य सरकार की सभी आशंकाओं को समाप्त कर दिया है। न्यायालय ने दरगाह शरीफ की प्रबंधन समिति को भी निर्देशित किया कि भविष्य में उर्स तथा मेला का प्रबंधन प्रभावी ढंग से किया जाए तथा प्रवेश स्थलों व अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं।

अग्निवीर भर्ती की तैयारी शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : अग्निवीर के विभिन्न श्रेणियों की सामान्य प्रवेश लिखित परीक्षा (सीईई) सफल होने के बाद अब मुख्यालय क्षेत्रीय भर्ती कार्यालय (यूपी एवं उत्तराखंड) भर्ती रैली कराएगा। सेना के अफसरों ने प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के साथ बैठक करके तैयारियों से अवगत कराया। उन्होंने सफल आयोजन के लिए सुरक्षा व सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

यूपी नीट यूजी-2025 का काउंसिलिंग पंजीकरण शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

दाखिला न लेने वाले 78 अभ्यर्थी काउंसिलिंग से डिबार

अमृत विचार, लखनऊ : गत वर्ष नीट यूजी 2024 की अंतिम चक्र की काउंसिलिंग में सीट आवंटन के बाद दाखिला न लेने वाले कुल 78 अभ्यर्थी, नीट यूजी 2025 की काउंसिलिंग में प्रतिभाग नहीं कर सकेंगे। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने काउंसिलिंग वार, पाठ्यक्रम पूरा किए बिना सीट छोड़ने वालों की सूची वेबसाइट पर जारी करते हुए डिबार घोषित कर दिया है। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक किंजल सिंह ने बताया कि गत वर्ष नीट यूजी 2024 की स्ट्रे वैकेंसी राउण्ड में विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में सीट आवंटन के बाद 47 अभ्यर्थियों ने दाखिला नही लिया था, नियमानुसार सभी को काउंसिलिंग 2025 के लिए प्रतिबन्धित कर दिया गया है। इसी प्रकार डेंटल कॉलेजों में दाखिला न लेने वाले आठ अभ्यर्थियों को प्रतिबन्धित कर किया गया है। अंतिम चरण की काउंसिलिंग में एमबीबीएस में दाखिला लेने के बाद पाठ्यक्रम पूरा करने से पूर्व ही त्याग-पत्र देने वाले एमबीबीएस के 10 और डेंटल कॉलेज के बीडीएस 13 अभ्यर्थियों को भी प्रतिबन्धित किया गया है।

अमृत विचार : राज्य के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस एवं डेंटल कॉलेजों में बीडीएस में नीट यूजी 2025 के अभ्यर्थियों को दाखिला मिलेगा। इसके लिए नीट यूजी में प्रथम चरण की ऑनलाइन काउंसिलिंग के लिए पंजीकरण 28 जुलाई शुक्रवार से शुरू हो गया है। इसके लिए चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक कार्यालय द्वारा वेबसाइट पर काउंसिलिंग की समय सारिणी जारी कर दी गई है।

चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक किंजल सिंह ने शुक्रवार को बताया कि समय सारणी में केवल पंजीकरण व धरोहर राशि जमा करने की तिथि दी गई है, जिसमें 28 जुलाई 2025 तक पंजीकरण कराने के साथ ही प्रपत्र अपलोड करने होंगे। उन्होंने बताया कि मेडिकल काउंसिलिंग कमेटी (एमसीसी) नई दिल्ली द्वारा ऑल इंडिया कोटे की सीटों पर दाखिले के लिए काउंसिलिंग 21 जुलाई से शुरू हो रही है। ऑल इंडिया की प्रथम चरण की काउंसिलिंग के बाद स्टेट कोटे की 85 प्रतिशत सीटों पर दाखिले के लिए काउंसिलिंग 30 जुलाई से शुरू होगी, जिसकी समय सारिणी संबन्धित सूचना सार्वजनिक की जाएगी।

नलकूप कनेक्शनों की होगी जांच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : नये नलकूप कनेक्शन केवल कृषि फीडरों को ही देने के निर्देश शासन ने दिए हैं। साथ ही पिछले एक वर्ष में दिये गये नलकूप कनेक्शन पर जांच बैठा दी गई है। ताकि यह सामने आ सके कि सही फीडर से कनेक्शन दिये गये हैं या नहीं। शासन ने हिदायत दी है कि किसानों की सुविधा के लिए कृषि फीडर अलग किये गये हैं, इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

बिजली व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिये बिजनेस प्लान में होने वाले कार्यों की शुक्रवार को उप्र. पावर कारपोरेशन अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल की अध्यक्षता में समीक्षा की गयी। शक्ति भवन में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष ने कहा कि बिजली व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिए जो भी कार्य प्रस्तावित किये जाएं, उनकी गहन समीक्षा की जाये। । यदि कहीं भी लापरवाही सामने आयी तो जिम्मेदारी तय की जायेगी। अध्यक्ष ने बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि 19 जुलाई तक बिल सुधार कैंपों का लाभ लेकर अपना गलत विद्युत बिल ठीक करा लें और बकाया बिल जमा कर दें।

वर्ग पहेली-36

बाएं से दाएं

1.1. ईरान देश की भाषा 2. भारोपीय परिवार की एक भाषा जिसकी लिपि अरबी से मिलती-जुलती है।

3. (इस्लाम धर्म) शैतान या दुष्ट आत्माओं को भगाने के लिए प्रयोग किया जाने वाला एक शब्द

5.1. विजय, जीत 2. कामयाबी, सफलता 3. चुनाव

8. ढोल अथवा नगाड़े की आवाज़।

9.1. किसी कार्य विशेष के लिए अलग किया हुआ 2. विशिष्ट, ख़ास 3. प्रमुख, प्रधान।

ऊपर से नीचे

2.1. वह जो घोड़े पर मुख्य सवार के पीछे बैठता है 2. ग़ज़लों आदि में प्रत्येक काफ़िए के बाद आने वाला शब्द 3. पीछे की ओर रहने वाली सेना।

4.1. कोलाहल, बावेला, कोहराम 2. बहुत सारे लोगों द्वारा एक साथ किया जाने वाला रुदन, रोना-पीटना, विलाप, मातम 3. किसी विपत्ति के समय होने वाली भागदौड़, हलचल।

6.1. जो मूढ़ या मूर्ख हो 2. नासमझ 3. मूढ़बुद्धि, अज्ञानी।

7.1. घोड़े के नियंत्रण के लिए उसके मुंह में लगाई जाने वाली वह पट्टी जिसके दोनों ओर रस्से या चमड़े के तस्मे बंधे रहते हैं, रास, बाग 2. बागडोर, कमान 3. अंकुश, बहिला

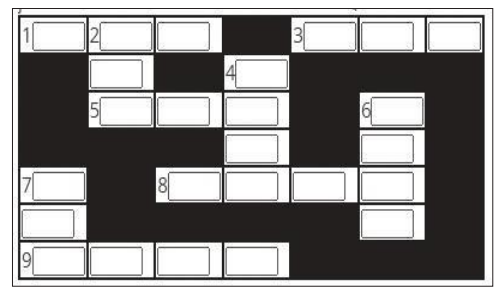

वर्ग पहेली -35 का हल

	1 फू				2 मं	च		
3 मू	ल	भू	4 त			5 आँ		
	बा		ह		6 सी	ख		
	ग		री			मि		
7 ली		8 क	री	ना		चौ		
9 ड	का	र				ली		
र		10 वा	म	पं	थी			

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 19 जुलाई, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-कृष्ण पक्ष, नवमी-14.41 तक तत्पश्चात दशमी।

आज का पंचांग

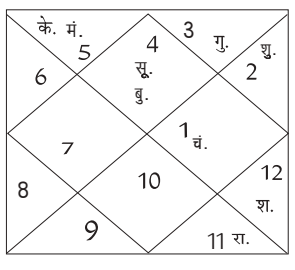

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- वर्षा।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुम्भ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- भरणी 20 जुलाई 12.37 तक तत्पश्चात कृत्तिका।

मेष आज परिवार के बुजुर्गों के साथ आपका तालमेल बेहतरीन रहेगा। घर में धार्मिक आयोजन होने से आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। व्यवहारिक तरीके से समस्याओं का समाधान करेंगे। विद्यार्थियों की शिक्षा में आ रही परेशानियां दूर होंगी।

वृष आज घर की देखरेख को आज समय देना पसंद करेंगे। आज रोगियों को सेहत का विशेष ध्यान रखना चाहिए। नकारात्मक लोग आपको नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर सकते हैं। मन में उथल-पुथल और द्वन्द होता रहेगा।

मिथुन आज आपको अच्छे कार्यों के कारण पुरस्कार मिल सकता है। दांपत्य संबंध काफी रोमान्टिक हो सकते हैं। करियर के तरक्की के बेहतरीन अवसर आपको मिल सकते हैं। काफी समय से लंबित कार्य अब प्रारम्भ होने के अच्छे योग हैं।

कर्क आज आप शांति से अपना दिन बिताना चाहेंगे। आर्थिक दृष्टिकोण से समय बहुत ही अच्छा है। धर्म-कर्म के प्रति आपकी आस्था बढ़ेगी। पारिवारिक उत्तरदायित्व का भली-भांति निर्वाह करेंगे। जल्दबाजी में काम करने से हानि हो सकती है।

सिंह आज व्यापार की चुनौतियों का हल निकाल लेंगे। माता-पिता के साथ संबंध बहुत ही अच्छे रहेंगे। गले में खराश जैसी समस्या हो सकती है। परिवार के छोटे सदस्यों की प्रसन्नता देखकर आप भी प्रसन्न रहेंगे। आज आप धन कमाने के अलग-अलग तरीकों पर विचार कर सकते हैं।

कन्या आज आप जिसका हित करने का प्रयास करेंगे हो सकता है वही आपको धोखा दे दे। भूमि-संपत्ति विवादों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। परिवार में थोड़ी अशांति रहेगी। किसी से आज बड़ा लेन-देन न करें। हृदय रोगियों को दवाइयों और दिनचर्या का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

तुला आज दांपत्य संबंध काफी रोमान्टिक रहेंगे। आय में वृद्धि होने से आपका आत्मविश्वास भी बढ़ा हुआ रहेगा। मित्रों के साथ आनंद का समय बितायेंगे। सरकारी नौकरी कर रहे लोगों को प्रमोशन मिल सकता है। भाई-बहनों की सहायता से आपको कार्यक्षेत्र में उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे।

वृश्चिक आज नए संपर्क विकसित होने से मन प्रसन्न रहेगा। संतान को शिक्षा में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। परिजनों के लिए खरीदारी कर सकते हैं। बिना मतलब दूसरों के मामलों में न उलझें। अपनी योजनाओं को अपने तक ही सीमित रखें।

धनु आज वैवाहिक संबंध अत्यंत मधुर रहेंगे। आपकी कार्यशैली में सुधार होगा। किसी पॉलिसी में बड़ा पूंजी निवेश कर सकते हैं। मन में परोपकार का हित जागृत होगा। यश और कीर्ति मिलने से आपके मन में अहंकार का भाव भी जागृत हो सकता है।

मकर आज अनावश्यक कार्यों में धन बर्बाद हो सकता है। माता के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। कार्यक्षेत्र में कुछ सहकर्मी आपसे ईर्ष्या भाव रख सकते हैं। वैचारिक रूप से थोड़ा कमजोर महसूस करेंगे। गुप्त शत्रु आपको आपके शुभचिन्तकों के प्रति भड़काने का प्रयास कर सकते हैं।

कुंभ आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। शुभ समाचार मिलने से पूरा दिन बहुत ही अच्छा रहेगा। मित्रों के साथ करियर को लेकर चर्चा करेंगे। काम की अधिकता के बावजूद कार्यक्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। जीवनसाथी आपकी भावनाओं को समझेगा।

मीन आज व्यापार की चुनौतियों का हल निकाल लेंगे। माता-पिता के साथ संबंध बहुत ही अच्छे रहेंगे। गले में खराश जैसी समस्या हो सकती है। परिवार के छोटे सदस्यों की प्रसन्नता देखकर आप भी प्रसन्न रहेंगे। आज आप धन कमाने के अलग-अलग तरीकों पर विचार कर सकते हैं।

सुडोकू-43

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

8			3		7	6	9	
7		2		4				
			5					4
4	6			8				
		1				2		6
				9			4	7
3					4			
	4			3		8		5
		8	1		2			3

सुडोकू - 42 का हल

9	1	2	5	7	8	4	6	3
4	7	6	3	9	2	8	1	5
8	3	5	6	4	1	9	2	7
3	6	8	2	5	7	1	9	4
5	9	4	1	8	6	7	3	2
7	2	1	9	3	4	6	5	8
1	5	7	4	2	9	3	8	6
2	8	9	7	6	3	5	4	1
6	4	3	8	1	5	2	7	9

भारत पर एकतरफा शुल्क लगाना चाहता है अमेरिका

अमेरिका ने भारत के दावे को किया खारिज, भारत ने इसे डब्ल्यूटीओ के नियमों के अधीन सुरक्षा उपाय बताया

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका ने कहा है कि भारत के पास मोटर वाहन व उसके घटकों पर लगाए गए अमेरिकी शुल्क के विरुद्ध जवाबी शुल्क लगाने का कोई आधार नहीं है। अमेरिका ने भारत के उस दावे को खारिज कर दिया कि ये शुल्क विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों के अधीन सुरक्षा उपाय हैं। भारत ने इन शुल्क को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों के अधीन सुरक्षा उपाय बताया है जबकि अमेरिका लगातार इस बात पर जोर दे रहा है कि यह राष्ट्रीय हित में उठाया कदम है।

अमेरिका ने कहा है कि इस आधार पर भारत के पास इन शुल्क के विरुद्ध जवाबी शुल्क लगाने का कोई आधार नहीं है। भारत का कहना है कि वह मोटर वाहन व उसके घटकों पर अमेरिकी शुल्क (25%) के विरुद्ध जवाबी शुल्क लगाने का अधिकार सुरक्षित रखता है और ये शुल्क सुरक्षा उपाय हैं जो उसके घरेलू उद्योग को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसके जवाब में अमेरिका ने विश्व व्यापार संगठन को सूचित किया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन वस्तुओं के आयात को समायोजित करने के लिए ये शुल्क लगाए हैं, क्योंकि इनसे अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा है।

● अमेरिका ने शुल्क को राष्ट्रीय हित में उठाया गया कदम बताया

डब्ल्यूटीओ के दिनांक 17 जुलाई के एक संदेश में कहा गया, यह कार्रवाई... सुरक्षा उपाय नहीं हैं। तदनुसार, इन उपायों के संबंध में सुरक्षा समझौते के तहत रियायतों या अन्य दायित्वों को निलंबित करने के भारत के प्रस्ताव का कोई आधार नहीं है। इस संदेश को अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के अनुरोध पर जारी किया गया था। अमेरिका ने यह भी कहा कि भारत ने विश्व व्यापार संगठन के सुरक्षा उपायों पर समझौते के तहत दायित्वों का पालन नहीं किया है। इसमें कहा गया है, अमेरिका समझौते के तहत धारा 232 पर चर्चा नहीं करेगा, क्योंकि हम शुल्क को सुरक्षा उपाय के रूप में नहीं देखते हैं।

भारत के इस्पात व एल्युमीनियम पर अमेरिकी शुल्क को विश्व व्यापार संगठन के नियमों के तहत सुरक्षा उपाय बताने के दावे को खारिज करने के लिए भी इसी प्रकार का एक संदेश प्रसारित किया गया। भारत द्वारा अधिसूचित रियायतों के प्रस्तावित निलंबन को अमेरिका के चुनिंदा उत्पादों पर शुल्क में वृद्धि के रूप में लिया जा सकता है। हालांकि भारत ने अभी तक इन वस्तुओं का खुलासा नहीं किया है, लेकिन 2019 में इसी तरह के एक कदम में उसने बादाम और सेब से लेकर रसायनों तक 28 अमेरिकी उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाया था।

व्यापार समझौते पर जारी बातचीत नहीं होगी प्रभावित

इस महीने की शुरुआत में भारत ने सुरक्षा उपायों के नाम पर देश के मोटर वाहन घटकों के आयात पर अमेरिकी शुल्क के विरोध में अमेरिका के खिलाफ जवाबी शुल्क लगाने का प्रस्ताव भी रखा था। अमेरिका ने पहली बार 12 मार्च को एल्युमीनियम, इस्पात और उससे बनी वस्तुओं के आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाया था। फिर तीन जून को इन्हें बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया था। एक अधिकारी ने बताया कि भारत द्वारा अपने अधिकारों को सुरक्षित रखने का निर्णय विश्व व्यापार संगठन के नियमों के तहत एक प्रक्रियागत कदम है और इससे दोनों देशों के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर जारी बातचीत प्रभावित नहीं होगी। प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर पांचवें दौर की वार्ता के लिए भारतीय टीम फिलहाल वॉशिंगटन में है।

ऊर्जा कमोडिटी: निवेश का सशक्त विकल्प

ऊर्जा कमोडिटी वे प्राकृतिक संसाधन हैं, जिनका उपयोग बिजली उत्पादन, परिवहन व औद्योगिक प्रक्रियाओं में होता है। इनमें प्रमुख रूप से कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, कोयला और पेट्रोलियम उत्पाद हैं। वैश्विक आर्थिक गतिविधियों में ऊर्जा कमोडिटी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, जिससे इनकी मांग में निरंतर उतार-चढ़ाव बना रहता है। निवेशक इन कमोडिटीज़ में वायदा अनुबंध (फ्यूचर्स), ईटीएफ और कमोडिटी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म्स के जरिए निवेश कर सकते हैं। सही रणनीति के साथ निवेश करने पर यह अच्छा रिटर्न दे सकती है, लेकिन इसमें जोखिम भी होता है।

क्या है ऊर्जा कमोडिटी

ऊर्जा कमोडिटी वे संसाधन हैं जो ऊर्जा उत्पादन और उपयोग के लिए जरूरी होते हैं। ये मुख्यत: गैर-नवीकरणीय स्रोतों पर आधारित होती हैं। प्रमुख ऊर्जा कमोडिटीज़ में शामिल हैं: कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, कोयला, बिजली (कुछ बाजारों में) इनका उपयोग परिवहन, उद्योग और घरेलू ऊर्जा जरूरतों के लिए किया जाता है।

निवेश के लाभ
उच्च रिटर्न की संभावना: कीमतों में उतार-चढ़ाव से लाभ।
पोर्टफोलियो डाइवर्सिफिकेशन: शेयर बाजार से अलग निवेश वर्ग।
मुद्रास्फीति से बचाव: ऊर्जा की कीमतें बढ़ने पर मुनाफा मिलता है।

संभावित जोखिम

- कीमतों में अत्यधिक अस्थिरता
- राजनीतिक और वैश्विक घटनाओं का प्रभाव
- नियामकीय बदलावों से जोखिम
- भंडारण और डिलीवरी संबंधित जटिलताएं

ध्यान देने योग्य बातें

- बाजार की सही समझ होना जरूरी है।
- लॉन्ग-टर्म के बजाय शॉर्ट-टर्म ट्रेडिंग अधिक आम है।
- विशेषज्ञ सलाह और रिसर्च आधारित निवेश बेहतर होता है।

आकर्षक लेकिन जोखिम भरा

ऊर्जा कमोडिटी में निवेश एक आकर्षक लेकिन जोखिम भरा विकल्प है। सही रणनीति, सतर्कता और बाजार की समझ के साथ यह पोर्टफोलियो को मजबूती दे सकता है। खासकर जब वैश्विक ऊर्जा मांग बढ़ रही हो, तब यह निवेशकों के लिए बेहतरीन अवसर बन सकता है।

कामकाज और जोखिम प्रबंधन बेहतर करने पर ध्यान दें शहरी सहकारी बैंक : स्वामीनाथन

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे. ने शुक्रवार को शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) के निदेशकों से कामकाज एवं जोखिम प्रबंधन को बेहतर बनाने और सुरक्षित प्रौद्योगिकी अपनाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा। स्वामीनाथन ने पुणे के कृषि बैंकिंग महाविद्यालय में शहरी सहकारी बैंकों के निदेशकों के लिए आयोजित एक सेमिनार को संबोधित करते हुए यह बात कही।

● प्रौद्योगिकी अपनाने की आरबीआई के डिप्टी गवर्नर ने दी सलाह

उन्होंने कहा, बैंकों का कामकाजी संचालन और भी बेहतर होना चाहिए। जोखिमों को बेहतर ढंग से समझें और उनका प्रबंधन करें। प्रौद्योगिकी को सोच-समझकर और सुरक्षित रूप से अपनाया जाना चाहिए। सबसे अहम यह है कि आपके जमाकर्ताओं का विश्वास अटूट होना चाहिए। स्वामीनाथन ने कहा कि शहरी सहकारी बैंक एक ऐसे मॉडल का प्रतिनिधित्व करते हैं जो न केवल मुनाफे पर, बल्कि उद्देश्य पर आधारित है। रिजर्व बैंक एक नियामक, एक मार्गदर्शक और एक भागीदार के तौर पर आपके साथ खड़ा है। आइए हम मिलकर यह सुनिश्चित करें कि शहरी सहकारी बैंक भारत की वित्तीय प्रणाली का एक मज़बूत और जीवंत हिस्सा बने रहें। डिप्टी गवर्नर ने कहा कि यह सहकारी मॉडल के सार को दर्शाता है जो बैंकिंग संबंधों, स्थानीय ज्ञान और जमीनी जुड़ाव पर आधारित है।

विदेशी मुद्रा भंडार 3 अरब डॉलर घटकर 696.67 अरब डॉलर पर

मुंबई। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 11 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 3.06 अरब डॉलर घटकर 696.67 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

इससे पिछले सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 3.05 अरब डॉलर घटकर 699.74 अरब डॉलर रहा था। विदेशी मुद्रा भंडार सितंबर 2024 के अंत में 704.88 अरब डॉलर के अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 11 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक, विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.48 अरब डॉलर घटकर 588.81 अरब डॉलर रही। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 49.8 करोड़ डॉलर घटकर 84.35 अरब डॉलर रहा।

बैंक के शेयरों में बिकवाली से सेंसेक्स गिरा

मुंबई, एजेंसी

तिमाही नतीजों की सुस्त शुरुआत के बीच विदेशी पूंजी की निकासी और बैंकों के शेयरों में बिकवाली से शुक्रवार को शेयर बाजार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 501 अंक टूट गया जबकि निफ्टी 25,000 के स्तर से नीचे आ गया।

बीएसई का सेंसेक्स 501.51 अंक गिरकर 81,757.73 अंक पर बंद हुआ। एक समय यह 651.11 अंक गिरा था। एनएसई का निफ्टी भी 143.05 अंक गिरकर एक महीने के निचले स्तर 24,968.40 अंक पर बंद हुआ। एक्सिस बैंक के तिमाही नतीजे उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहने से निवेशकों ने बैंक शेयरों को लेकर सतर्क रुख अपनाया। इससे एक्सिस बैंक के शेयर में 5.24% की गिरावट आई। जून तिमाही में बैंक का लाभ 3% घटकर 6,243.72 करोड़ रहा। वहीं, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और एसबीआई के शेयर भी गिरावट रही। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन और इटर्नल के शेयर भी गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक और इन्फोसिस के शेयर लाभ में रहे। शेयर बाजार के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 3,694.31 करोड़ के शेयरों की बिकवाली की।

● सेंसेक्स में आई 501 अंक की गिरावट निफ्टी 25,000 के स्तर से नीचे पहुंचा

बीएसई स्मालकैप 0.64 और मिडकैप में 0.62% की गिरावट रही। क्षेत्रवार सूचकांकों में पूंजीगत उत्पाद खंड में 1.50, बैंकिंग खंड में 1.33 और औद्योगिक खंड में 1.08% की गिरावट देखने को मिली। साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स 742.74 अंक यानी 0.90% के नुकसान में रहा जबकि निफ्टी में 181.45 अंक यानी 0.72% की सुस्ती रही।

राष्ट्रीय

एक नजर

इस्लामपुर का नाम महाराष्ट्र सरकार ने किया ईश्वरपुर

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने शुक्रवार को घोषणा की कि सांगली जिले के इस्लामपुर का नाम बदलकर ईश्वरपुर किया जा रहा है। यह घोषणा राज्य विधानमंडल के मानसून सत्र के अंतिम दिन की गई। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने विधानसभा को बताया कि यह निर्णय गुरुवार को कैबिनेट की बैठक में लिया गया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कैबिनेट के फैसले को मंजूरी के लिए केंद्र को भेजेगी। यह कदम एक हिंदूवादी संगठन शिव प्रतिष्ठान द्वारा सांगली कलेक्टरेट को एक ज्ञापन भेजकर इस्लामपुर का नाम बदलकर ईश्वरपुर करने की मांग के बाद उठाया गया। शिव प्रतिष्ठान का नेतृत्व संभाजी भिड़े करते हैं, जिनके समर्थकों ने कहा था कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं हो जाती, वे चैन से नहीं बैठेंगे।

करंट से छात्र की मौत पर प्रधानाध्यापिका निलंबित

तिरुवनंतपुरम। केरल के कोल्लम जिले में 13 वर्षीय छात्र की करंट लगने से हुई मौत के बाद राज्य के सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने शुक्रवार को त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रधानाध्यापिका को निलंबित करने और स्कूल प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस जारी करने का आदेश दिया। थेवलक्कारा बॉयज़ हाई स्कूल के छात्र मिथुन की स्कूल परिसर में बिजली के तार की चपेट में आने से मौत हो गई। मंत्री ने कहा कि सरकार को शिक्षा महानिदेशक से विस्तृत रिपोर्ट मिल गई है और सरकार तेजी से कार्रवाई कर रही है।

मिजोरम में 36 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त

आइजोल। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) और असम राइफल्स ने पूर्वी मिजोरम के चम्फाई जिले में 36 .79 करोड़ मूल्य की हेरोइन और मेथामफेटामाइन की गोलियां जब्त की हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि गुप्त सूचना पर एनसीबी के अधिकारियों और असम राइफल्स के जवानों ने संयुक्त अभियान चलाया, जिस दौरान उन्होंने 642 ग्राम हेरोइन और 10 .44 किलोग्राम मेथामफेटामाइन की गोलियां बरामद कीं।

फिल्म निर्माता के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म 'तनु वेड्स मनु' के निर्माता के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला खारिज करते हुए कहा कि प्राथमिकी दर्ज करके और पुलिस की मदद लेकर धन की वसूली नहीं की जा सकती। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और आर महादेवन की पीठ ने शिकायतकर्ता कुणाल जैन द्वारा दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने के लिए निर्माता शैलेश आर सिंह की याचिका पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के रवैये पर नाराजगी व्यक्त की।

जमानत में अपराध के उल्लेख पर करें विचार

राजस्थान हाईकोर्ट की ओर से न्यायिक अधिकारी के विरुद्ध की गईं कठोर टिप्पणियां हटाने का सुप्रीम आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि देश के सभी उच्च न्यायालयों को अपने नियमों में ऐसे प्रावधान पर विचार करना चाहिए, जिससे जमानत याचिकाओं में आरोपी को अपनी आपराधिक पृष्ठभूमि का खुलासा करना अनिवार्य हो जाए।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने यह टिप्पणी उस दौरान की जब उसने राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा एक न्यायिक अधिकारी के खिलाफ की गई कठोर टिप्पणियों को हटाने का आदेश दिया। उक्त न्यायिक अधिकारी ने हत्या के प्रयास के एक मामले में आरोपी को जमानत दी थी।

● हत्या के प्रयास के आरोपी को न्यायिक अधिकारी ने दी थी जमानत

पीठ ने कहा, हम मानते हैं कि देश के प्रत्येक उच्च न्यायालय को अपने नियमों और/या आपराधिक प्रक्रिया से जुड़े नियमों में ऐसा प्रावधान जोड़ने पर विचार करना चाहिए, जिससे आरोपी पर यह दायित्व आए कि वह अपनी किसी भी पूर्व आपराधिक संलिप्तता की जानकारी दे। बाद में, अदालत ने शिकायतकर्ता की याचिका स्वीकार करते हुए आरोपी की जमानत रद्द कर दी। इसके बाद आरोपी ने उच्च न्यायालय का रुख किया, जिसने उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी और न्यायिक अधिकारी पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि उन्होंने उसके आपराधिक रिकॉर्ड को नजरअंदाज़ करते हुए 'बेहद अनुचित और लापरवाही भरे तरीके' से जमानत दे दी। न्यायिक अधिकारी द्वारा आधिकारिक दस्तावेज के रूप में दर्ज इन टिप्पणियों के खिलाफ अपील करने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जमानत अर्जियों पर विचार करते समय अभियुक्तों के आपराधिक इतिहास को ध्यान में रखना अदालतों के लिए चिंता का विषय है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के आदेशों का हवाला दिया गया, जिसमें जमानत में याचिकाकर्ता को उल्लेख करना होगा कि वह किसी मामले में शामिल था या नहीं।

ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म का मामला सुप्रीम कोर्ट में

सुप्रीम कोर्ट ने अवैध सट्टेबाजी और जुए को बढ़ावा देने वाले ओपिनियन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगाने संबंधी चार जनहित याचिकाओं को कई हाईकोर्ट से गुरुवार को अपने पास स्थानांतरित किया। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और आर. महादेवन की पीठ ने प्रोबो मीडिया टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड की स्थानांतरण याचिका पर यह आदेश पारित किया। यह कंपनी एक ऐसे ही ओपिनियन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म का संचालन करती है। पीठ ने आदेश में कई हाईकोर्ट में लंबित याचिकाओं के संबंध में तथ्यात्मक स्थिति का उल्लेख किया।

बीपीएससी अध्यक्ष से जुड़ी याचिका रद्द

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) अध्यक्ष के पद पर परमार रवि मनुभाई की नियुक्ति को चुनौती देने वाली जनहित याचिका शुक्रवार को यह कहते हुए रद्द कर दी कि उनके खिलाफ प्राथमिकी बंद हो चुकी है। कोर्ट ने इस याचिका की आलोचना की और याचिकाकर्ता से कहा कि वह इस प्रकार की तथ्यों से रहित याचिकाएं दाखिल नहीं करे। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा व अतुल एस चंदूरकर की पीठ ने कहा, आप जनहित याचिका दाखिल कर रहे हैं, तो आपको अपना सब कुछ झोंकना पड़ता है। प्रचार-प्रसार के चक्कर में न पड़ें, यह आपको बर्बाद कर देगा।

विवाहेत्तर संबंध रखने का संदेह तलाक का आधार

मुंबई, एजेंसी

मुंबई हाईकोर्ट ने परिवार अदालत के तलाक संबंधी आदेश को चुनौती देने वाली महिला को राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि पति के साथ शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करना और उस पर विवाहेत्तर संबंध रखने का संदेह करना क्रूरता है, इसलिए यह तलाक का आधार है।

न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और नीला गोखले की खंडपीठ ने कहा कि महिला के आचरण को उसके पति के प्रति क्रूरता माना जा सकता है। अदालत ने महिला की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने परिवार अदालत के आदेश को चुनौती दी थी। उक्त आदेश में, पति की तलाक याचिका को मंजूरी दी गई थी। महिला ने याचिका में अपने पति से एक लाख रुपये मासिक गुजारा भत्ता दिलाने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया था। इस जोड़े की शादी 2013 में हुई थी, लेकिन दिसंबर 2014 में वे अलग रहने लगे। पति ने क्रूरता के आधार पर तलाक के लिए परिवार अदालत का रुख किया, जिसे मंजूरी मिल गई। महिला ने याचिका में कहा कि वह अब भी पति से प्यार करती है और इसलिए वह संबंध खत्म नहीं करना चाहती।

● मुंबई हाईकोर्ट बोली- पति से संबंध न बनाना क्रूरता

आध्यात्मिक आभा

हरिद्वार में हर की पैड़ी पर श्रावण मास के दौरान आयोजित भव्य गंगा आरती ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालु हाथों में दीप जलाकर मां जाह्नवी की आरती और आराधना करते दिखाई दिए। अमृत विचार

नशा मुक्ति केंद्रों से मादक पदार्थ बेचने के मामले में ईडी का छापा

चंडीगढ़। ईडी ने उत्तर भारत के निजी नशा मुक्ति केंद्रों के जरिए मादक पदार्थ की बिक्री और उससे जुड़े धन शोधन के मामले की जांच के तहत पंजाब तथा मुंबई की कुछ जगहों पर शुक्रवार को छापेमारी की।

संघीय जांच एजेंसी पंजाब पुलिस द्वारा अमित बंसल नामक चिकित्सक, दवा कंपनी, औषधि निरीक्षक और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकियों के आधार पर जांच कर रही है। बंसल पंजाब में 22 नशा मुक्ति केंद्र संचालित करता है। पंजाब के चंडीगढ़, लुधियाना और बरनाला तथा महाराष्ट्र के मुंबई में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत छापेमारी की जा रही है। बंसल द्वारा संचालित निजी केंद्रों को सरकार द्वारा यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी कि वे मरीजों को बीएनएक्स (ब्यूप्रेनोर्फिन/नालोक्सोन) दवा दें, जिससे वे नशे से छुटकारा पा सकें।

वाड्रा को लेकर राहुल के दिए बयान की भाजपा ने की आलोचना

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने राहुल गांधी के उस बयान की शुक्रवार को आलोचना की, जिसमें कांग्रेस नेता ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण एवं राजनीति से प्रेरित कार्रवाई करने का सरकार पर आरोप लगाया था। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस नेता की टिप्पणी दर्शाती है कि उनकी पार्टी अब भी आपातकालीन मानसिकता में विश्वास करती है और न्यायिक प्रक्रिया की परवाह नहीं करती है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता तुहीन सिन्हा ने आरोप लगाया कि गांधी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अपने बहनोई के काले कारनामों से पूरी तरह वाकिफ थे और हो सकता है कि वह इसमें शामिल भी रहे हों। सिन्हा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के खिलाफ हाल ही में की गई टिप्पणी के लिए भी गांधी की आलोचना की।

राहुल ने वाड्रा के खिलाफ आरोपपत्र को राजनीति से प्रेरित बताया

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ईडी द्वारा हरियाणा के शिकोहपुर में जमीन सौदे से जुड़े धन शोधन के मामले में रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए जाने के बाद शुक्रवार को उनका खुलकर बचाव किया और कहा कि दुर्भावनापूर्ण एवं राजनीति से प्रेरित कार्रवाई हो रही है, लेकिन वह अपने बहनोई और उनके परिवार के साथ खड़े हैं। आखिरकार सत्य की जीत होगी। राहुल ने एक्स पर यह बातें कहीं।

दिल्ली के 45 से अधिक स्कूलों और तीन कॉलेज को मिली बम की धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के 45 से अधिक स्कूलों और तीन कॉलेजों को शुक्रवार सुबह बम से उड़ाने की धमकियां ईमेल से भेजी गईं, जिसके बाद छात्रों और अभिभावकों में दहशत है। यह चौथा दिन है जब स्कूलों को धमकियां मिली हैं।

अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस और विभिन्न त्वरित प्रतिक्रिया प्राधिकारियों ने तलाश और निकासी अभियान चलाया। धमकियां मिलने पर पुलिस, बम निरोधक दस्ते और श्वान दस्तों के साथ अग्निशमन विभाग स्कूलों और कॉलेजों की ओर रवाना हुए। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिन तीन कॉलेजों को ऐसी धमकियां मिली हैं, वे हैं इंद्रप्रस्थ (आईपी) महिला कॉलेज, हिंदू कॉलेज और उत्तरी दिल्ली स्थित श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी)।

बेंगलुरु के 50 स्कूलों को भी मिली बम की धमकी

बेंगलुरु। बेंगलुरु के 50 स्कूलों को शुक्रवार सुबह बम की धमकी मिली जो जांच के बाद फर्जी मिली। पुलिस ने बताया कि स्कूल में बम वाले ईमेल 50 स्कूलों को सुबह 7 .24 बजे भेजे गए। मेल भेजने वाले ने दावा किया कि उसने संबंधित स्कूलों के कक्षों में कई विस्फोटक उपकरण रखे हैं। ईमेल में कहा गया, मैं आपको बताना चाहता हूं कि मैंने स्कूल के कक्षों में कई विस्फोटक उपकरण (ट्राईनाइट्रोटोल्यूइन) रखे हैं। उसे काले प्लास्टिक बैग में छिपाया गया है।

ऑटो चालक ने महिला होमगार्ड पर फेंका तेजाब, गिरफ्तार

अहमदाबाद। गुजरात के गांधीनगर जिले में गलत तरीके से ऑटोरिक्शा खड़ा करने पर महिला होमगार्ड द्वारा फटकार लगाने के बाद उसपर तेजाब फेंकने वाले चालक को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया।

गांधीनगर के एसपी रवि तेजा वासमस्टी ने बताया कि गलत तरीके से ऑटोरिक्शा खड़ा करने को लेकर होमगार्ड द्वारा डांटने पर आरोपी अशोक रावत अपने घर से बोतल में तेजाब लाया और महिला पर फेंक दिया, जिससे महिला होमगार्ड मामूली रूप से झुलसी क्योंकि तेजाब की कुछ बूंदें ही उसकी पीठ पर गिरी थीं। महिला होमगार्ड छतर्रल ओवरब्रिज पर तैनात थी और तभी रावत अपने ऑटोरिकशॉ में वहां पहुंचा और वाहन को गलत तरीके से खड़ा कर दिया। रावत की महिला होमगार्ड से बहस हुई। आरोपी घर गया और तेजाब ले लौटा। घायल होमगार्ड को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

विधान भवन में सत्र के दौरान प्रवेश वर्जित

महाराष्ट्र विधान भवन परिसर में हाथापाई

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने शुक्रवार को कहा कि विधानमंडल के सत्र के दौरान विधान भवन में आगंतुकों का प्रवेश वर्जित रहेगा तथा केवल मंत्रियों, विधायकों, आधिकारिक तौर पर नामित उनके निजी सचिवों और सरकारी अधिकारियों को ही अंदर जाने की अनुमति होगी।

नार्वेकर ने विधानसभा में यह घोषणा करते हुए कहा कि सदस्यों को अयोग्य घोषित करने में सक्षम आचार समिति का गठन एक सप्ताह के भीतर किया जाएगा। उन्होंने विधानसभा में यह घोषणा राकांपा (एसपी) के विधायक जितेंद्र आव्हाड और भाजपा विधायक गोपीचंद पडलकर के समर्थकों के बीच विधान भवन के अंदर हुई झड़प के एक दिन बाद की। इससे एक दिन पहले, दोनों विधायकों के बीच तीखी बहस हुई थी। उन्होंने विधान भवन के मुख्य सुरक्षा अधिकारी से रिपोर्ट भी तलब की है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सत्र के दौरान आगंतुकों को विधान भवन के अंदर जाने की अनुमति नहीं होगी।

आव्हाड और पडलकर के दो समर्थक गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र विधानमंडल परिसर में एक दिन पहले राकांपा (एसपी) विधायक जितेंद्र आव्हाड और भाजपा के गोपीचंद पडलकर के समर्थकों में हुई झड़प के सिलसिले में शुक्रवार को दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। गुरुवार शाम 5 :45 बजे विधान भवन के भूतल पर आव्हाड और पडलकर के समर्थकों के बीच अप्रिय घटना हुई। यह घटना दोनों नेताओं के बीच हुई तीखी बहस के एक दिन बाद हुई। अधिकारी ने बताया कि आव्हाड के समर्थक नितिन देशमुख और पडलकर के समर्थक सरजेराव उर्फ ऋषिकेश टाकले को मरीन ड्राइव पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उन्हें तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। उनके बयान भी दर्ज कर लिए गए हैं।

मैनचेस्टर टेस्ट के लिए खिलाड़ियों का चयन बना चुनौती

ऋषभ पंत की उंगली में चोट से भारतीय टीम को लगा है बड़ा झटका, ध्रुव जुरेल को किया जा सकता है शामिल

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट से पहले लंबे अंतराल के साथ, भारत को ओल्ड ट्रैफर्ड में होने वाले मैच के लिए अपनी अंतिम एकादश के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लेने हैं। लॉर्ड्स में एक करीबी मुकाबले में हारने के बाद, पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में 2-1 से पिछड़ रही मेहमान टीम को विकेटकीपर ऋषभ पंत की तर्जनी उंगली में चोट लगने से एक बड़ा झटका लगा है। भारत के सहायक कोच रयान टेन डेशकाटे को उम्मीद है कि 27 वर्षीय पंत ठीक होकर चौथे टेस्ट में खेलेंगे।

डेशकाटे ने गुरुवार को संवाददाताओं से कहावह (पंत) टेस्ट से पहले मैनचेस्टर में बल्लेबाजी करेंगे। देखिए, मुझे नहीं लगता कि आप ऋषभ को टेस्ट से बाहर रखेंगे, चाहे कुछ भी हो जाए। उन्होंने कहा तीसरे टेस्ट में पंत ने काफी दर्द के साथ बल्लेबाजी की और अब उनकी उंगली के लिए यह और भी आसान होता जाएगा। और 'कीपिंग' निश्चित रूप से इस प्रक्रिया का आखिरी चरण है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वह 'कीपिंग' कर सकें। हम फिर से उस दौर से नहीं गुजरना चाहते जहां हमें पारी के बीच में ही 'कीपर' बदलना पड़े। लॉर्ड्स में इंग्लैंड की पहली पारी के दौरान चोट लगने के बाद, पंत ने दोनों पारियों में बल्लेबाजी की, लेकिन विकेटकीपिंग नहीं कर पाए। उनकी जगह ध्रुव जुरेल को विकेटकीपिंग के लिए लाया गया। डेशकाटे ने कहा जुरेल का नाम भी शामिल है, लेकिन मेरा मतलब है कि अगर ऋषभ फिट होते हैं, तो वह अगला टेस्ट खेलेंगे और दोनों ही भूमिकाएं निभाएंगे।

इयूक्स गेंद के जल्दी 'नरम' होने की होगी जांच, शिकायतों के बाद निर्माता ने कहा

लंदन : भारत और इंग्लैंड के बीच मौजूदा टेस्ट श्रृंखला के दौरान आलोचना का सामना कर रहे 'ड्यूक्स' गेंद की निर्माता कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि वह गेंद के जल्दी 'नरम (खराब)' होने की गहन समीक्षा करेंगे। भारतीय कप्तान शुभमन गिल और इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड की आलोचना के बाद इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) इस्तेमाल की गई ज्यादा से ज्यादा गेंदों को इस सप्ताह के आखिर तक ड्यूक्स गेंद बनाने वाली कंपनी को लौटा देगा। बीबीसी स्पोर्ट्स के अनुसार ड्यूक्स का निर्माण करने वाली 'ब्रिटिश क्रिकेट बॉल्स लिमिटेड' के मालिक दिलीप जाजोदिया ने कहा हम इन (इस्तेमाल हुई) गेंदों को ले जाएंगे, निरीक्षण करेंगे और फिर इसके निर्माण से जुड़े लोगों से बातचीत करेंगे। हम इस मामले में जो भी जरूरी होगा वह कदम उठाएंगे। उन्होंने कहा समीक्षा में अगर हमें लगेगा कि कुछ बदलाव करने की जरूरत है, तो हम करेंगे। पांच मैचों की मौजूदा श्रृंखला के दौरान मैदानी अंपायरों को नियमित रूप से गेंदों को बदलना पड़ा क्योंकि वे जल्दी नरम हो जा रही थीं। गेंद लगभग 30 ओवर के इस्तेमाल के बाद ही खराब हो जा रही थी। इस पूरी प्रक्रिया के कारण मैचों के दौरान विलंब भी हुआ। टेस्ट श्रृंखला के लिए इस्तेमाल होने वाली गेंद का निर्णय मेजबान बोर्ड करता है। इंग्लैंड में ड्यूक्स गेंद का उपयोग किया जाता है तो वहीं भारत में टेस्ट मैच एसजी गेंद से खेले जाते हैं। ऑस्ट्रेलिया में कूकाबूरा का उपयोग होता है। ड्यूक्स गेंद का उत्पादन 1760 से हो रहा है लेकिन हाल के वर्षों में टेस्ट और काउंटी क्रिकेट में उसे आलोचना का सामना करना पड़ा है। लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान शुभमन गिल उस गेंद से नाखुश थे जो उन्हें अंपायरों द्वारा दी गई थी।

आईसीसी के अनुसार तेज गेंदबाज बुमराह की उपलब्धता स्पष्ट नहीं

लंदन : चयन के संबंध में एक और महत्वपूर्ण फैसला नंबर 1 टेस्ट गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का है। भारत ने बुमराह को उनके कार्यभार को प्रबंधित करने के लिए एजबस्टन में दूसरे टेस्ट के लिए आराम दिया था, और एक आईसीसी रिपोर्ट के अनुसार, मैनचेस्टर टेस्ट के लिए इस तेज गेंदबाज की उपलब्धता स्पष्ट नहीं है। डेशकाटे ने कहा नहीं, हम बुमराह के बारे में मैनचेस्टर में ही फैसला करेंगे। उन्होंने कहा हमें पता है कि हमने उन्हें आखिरी दो टेस्ट मैचों में से एक के लिए टीम में शामिल कर लिया है। यह बिल्कुल साफ है कि मैनचेस्टर में अब सीरीज दांव पर है, इसलिए उन्हें खिलाने की संभावना ज्यादा है। दो टेस्ट मैचों में 12 विकेट लेकर, बुमराह मौजूदा सीरीज में भारत के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनसे आगे मोहम्मद सिराज हैं, जिन्होंने अपने तीन मैचों में 13 विकेट लिए हैं। डेशकाटे ने कहा कि भारत अगले टेस्ट से पहले सिराज के कार्यभार का आकलन कर रहा है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हम इस बात को हल्के में लेते हैं कि हम कितने भाग्यशाली हैं कि हमारे पास ऐसा कोई है। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि वह हमेशा वह रिटर्न नहीं देता जिसकी आप एक तेज गेंदबाज से उम्मीद करते हैं, वह शेर जैसा है। जब गेंद उनके हाथ में होती है, तो वह इस गेंदबाजी आक्रमण में जो लाते हैं, उससे हमेशा ऐसा लगता है कि कुछ होने वाला है। डेशकाटे ने कहा वह अपने कार्यभार से पीछे हटने वाले व्यक्ति नहीं हैं, इसलिए हमारे लिए उनके कार्यभार का प्रबंधन करना और यह सुनिश्चित करना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि वह अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए फिट रहें। भारत और इंग्लैंड के बीच चौथा टेस्ट मैच 23 जुलाई से ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर में शुरू होगा।

इंग्लैंड के काउंटी ग्राउंड पर अभ्यास सत्र के दौरान रविंद्र जडेजा और मुख्य कोच गौतम गंभीर। ● एजेंसी

जुझारू पारी के लिए भारत के सबसे मूल्यवान खिलाड़ी बने जडेजा

लंदन, एजेंसी

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा की प्रशंसा करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में उनके प्रदर्शन को अविश्वसनीय जुझारूपन करार दिया जिसके लिए उन्हें टीम का सबसे मूल्यवान खिलाड़ी (एमवीपी) का तमगा भी दिया गया।

जडेजा 181 गेंदों पर 61 रन बनाकर नाबाद रहे लेकिन उनकी इस शानदार पारी के बावजूद भारत तीसरे टेस्ट में 22 रन से हार गया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को अपनी वेबसाइट पर एक वीडियो जारी किया जिसमें गंभीर ने जडेजा की जमकर तारीफ की है। गंभीर ने 'द एमवीपी फीट रवींद्र जडेजा' शीर्षक वाले वीडियो में कहा यह अविश्वसनीय जुझारूपन था। जड्डू की जुझारू पारी वास्तव में शानदार थी। भारतीय टीम 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए लड़खड़ा गई और उसके शीर्ष आठ बल्लेबाज 40 ओवर से भी कम समय तक टिक सके। लेकिन सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए जडेजा ने दृढ़ता से काम किया और पुछल्ले बल्लेबाजों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ मिलकर साहस और धैर्य का शानदार परिचय दिया। बुमराह ने 54 गेंदों का सामना करते हुए पांच रन और सिराज ने 30 गेंदों पर चार रन बनाए। भारत 74.5 ओवर में 170 रन पर आउट हो गया। वीडियो में सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने कहा जडेजा की बल्लेबाजी एक अलग ही स्तर पर पहुंच गई है। पिछले दो टेस्ट मैचों में उन्होंने जो धैर्य दिखाया वह वास्तव में काबिले तारीफ है। मैं उन्हें वर्षों से खेलते हुए देख रहा हूं। मैंने देखा है कि उन्होंने अपने खेल को कैसे निखारा है।

एक नजर

भारत की प्रतीका रावल और इंग्लैंड की टीम पर जुर्माना लगाया गया

दुबई : भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज प्रतीका रावल और इंग्लैंड की टीम पर शुक्रवार को साउथम्पटन में खेले गए तीन एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला के पहले मैच के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आचार संहिता के उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया गया। रावल पर दो अलग-अलग घटनाओं में लेवल एक के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ दिया गया। रावल को 18वें ओवर के दौरान इंग्लैंड की गेंदबाज लॉरेन फाइलर और उसके अगले ओवर में सोफी एक्लेस्टोन के साथ अनावश्यक शारीरिक संपर्क बनाने का दोषी पाया गया।

प्रतीका ने कहा, जानबूझकर नहीं किया था नियमों का उल्लंघन

लंदन : भारतीय बल्लेबाज प्रतीका रावल ने शुक्रवार को आईसीसी द्वारा जुर्माना लगाने और एक डिमेरिट अंक दिए जाने के बाद स्पष्ट किया कि पहले महिला वनडे के दौरान इंग्लैंड की क्रिकेटरों के साथ कंधे से संपर्क 'जानबूझकर नहीं' किया था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आचार संहिता के उल्लंघन के लिए रावल पर 10 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगाया था और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ दिया था। आईसीसी ने कहा था कि भारतीय बल्लेबाज ने 18वें और 19वें ओवर में इंग्लैंड की गेंदबाज लॉरेन फाइलर और सोफी एक्लेस्टोन के साथ अनावश्यक शारीरिक संपर्क किया था। रावल ने दूसरे वनडे की पूर्व संध्या पर मीडिया से कहा यह जानबूझकर नहीं किया गया था। मैं बस दौड़ रही थी और कंधे से टकराने वाली बात पूरी तरह से अनुचित थी। यह उस अर्थ में जानबूझकर नहीं किया गया था।

ओलिविया स्मिथ बनी दुनिया की सबसे महंगी महिला फुटबॉलर

लंदन : ओलिविया स्मिथ महिला फुटबॉल इतिहास की सबसे महंगी खिलाड़ी बन गईं हैं। आर्सेनल ने कनाडा की इस 20 वर्षीय खिलाड़ी को 10 लाख पाउंड (लगभग 11 करोड़ 57 लाख रुपए) की विश्व रिकॉर्ड ट्रांसफर फीस पर लिवरपूल से अपनी टीम में शामिल किया। महिला फुटबॉल में यह नई धनराशि जनवरी में सैन डिएगो वेव से नाओमी गिर्मा को अपनी टीम से जोड़ने के लिए चेल्सी द्वारा भुगतान की गई 900,000 पाउंड की राशि को पार कर गयी है। आर्सेनल की महिला फुटबॉल निदेशक क्लेयर व्हीटली ने कहा वह खेल की सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में से एक हैं और क्लब में आगे बढ़ने की उनमें अपार संभावनाएं हैं। अनुबंध के बारे में जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि इस फॉरवर्ड ने चार साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।

भारतीय अंडर-31 ब्रिज टीम ने कांस्य पदक जीता

नई दिल्ली : भारत की अंडर-31 ब्रिज टीम ने 19वीं विश्व युवा टीम चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता, जबकि अंडर-16 टीम चौथे स्थान पर रही। इटली के साल्सोमगिओरे में आयोजित टूर्नामेंट का अंतिम दिन बृहस्पतिवार को यह दोनों भारतीय टीमें पोडियम स्थान (शीर्ष तीन) हासिल करने की दौड़ में थीं। अंडर-16 टीम दो करीबी सेटों के बाद सेमीफाइनल प्लेऑफ में फ्रांस से हार गई। यह टीम हालांकि इस प्रतियोगिता के अंतिम चार में पहुंचने वाली पहली भारतीय टीम बन गई। अंडर-31 टीम ने 'बोर्ड ए मैच' स्पर्धा में 24 प्रतिस्पर्धी टीमों में तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक जीता। अंडर-16 टीम में प्रखर बंसल, विहा गहरोत्रा, अनन्या मेहता, जशित नारंग, अधियमान जोडिपाचे और अगिलन जोडिपाचे शामिल थे। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे को छह आईएमपी (अंतर्राष्ट्रीय मैच प्वाइंट) से हराया था।

भारत ने श्रीलंका पर जीत के साथ अभियान की शुरुआत की

सोलो (इंडोनेशिया) : भारत ने शुक्रवार को यहां बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप में ग्रुप डी के मुकाबले में श्रीलंका को 110-69 से हराकर सकारात्मक तरीके से अपना अभियान शुरू किया। विष्णु कोडे और रेशिका यू की मिश्रित युगल जोड़ी ने 'रिले प्वाइंट प्रणाली' में केनेथ अरुगोडा और इसुरी अट्टानायके पर 11-5 से जीत के साथ भारत की बढ़त की शुरुआत की। इस प्रणाली में एक टीम को मैच जीतने के लिए 110 अंक हासिल करने होते हैं। इसके बाद गायत्री और मनसा रावत बहनों की जोड़ी ने अट्टानायके और सिथुमी डिसिल्वा के खिलाफ भारत की बढ़त को 22-14 तक पहुंचाया और फिर जूनियर विश्व नंबर एक तन्वी शर्मा ने सिथुली रणसिंघे के खिलाफ शानदार शुरुआत करते हुए भारत का स्कोर 33-21 कर दिया।

विश्व 6-रेड स्नूकर चैंपियनशिप में भारत की अगुवाई करेंगे आडवाणी

मनामा (बहरीन) : तीन बार के चैंपियन पंकज आडवाणी शनिवार से यहां शुरू हो रही विश्व 6-रेड स्नूकर चैंपियनशिप में मजबूत भारतीय दल का नेतृत्व करेंगे। पिछले महीने कोलंबो में एशियाई टीम स्नूकर चैंपियनशिप में भारत का नेतृत्व करने के बाद आडवाणी विश्व चैंपियनशिप में भी इसी लय को बरकरार रखना चाहेंगे। आडवाणी को बृजेश दमानी और आदित्य मेहता के साथ वाइल्डकार्ड मिला। टूर्नामेंट की पूर्व संध्या पर आडवाणी ने कहा, ''मैं अभी अपने खेल को लेकर बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं।

एरिगैसी का सेमीफाइनल में प्रवेश प्रज्ञानानंदा खिताब की दौड़ से बाहर

लास वेगास, एजेंसी

भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराकर यहां 750,000 डॉलर इनामी फ्रीस्टाइल ग्रैंड स्लैम टूर शतरंज प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश किया लेकिन आर प्रज्ञानानंदा अमेरिका के फैबियानो कारूआना से हारकर खिताब की दौड़ से बाहर हो गए।

अर्जुन ने अब्दुसत्तोरोव पर 1.5-0.5 से जीत हासिल की, लेकिन प्रज्ञानानंदा एक कड़े मुकाबले में कारूआना से 3-4 से हार गए। क्वार्टरफाइनल चरण में लेवोन अरोनियन और हंस मोके नीमन की अमेरिकी जोड़ी भी जीत हासिल करने में सफल रही। उन्होंने क्रमशः अमेरिका के हिकारू नाकामुरा और उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंडारोव को हराया। जहां अरोनियन ने 2.5-1.5 के अंतर से जीत हासिल की, वहीं निमन को सिंडारोव को 4-2 से हराने में अधिक समय लगा। सेमीफाइनल में अर्जुन का मुकाबला अरोनियन से जबकि नीमन का कारूआना से होगा। निचले वर्ग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने अपनी जीत की लय वापस पा ली। उन्होंने भारत के विदित गुजराती को आसानी से 2-0 से हराया। निचले वर्ग के अन्य मुकाबलों

अर्जुन एरिगैसी। ● एजेंसी

में अमेरिका के वेस्ली सो ने हमवतन सैमुअल सेवियन को जबकि लीनियर डोमिनगेज पेरेज ने कजाकिस्तान की बिबिसारा अस्सौबायेवा को 1.5-0.5 के समान अंतर से हराया।

पहले चरण के विजेता जर्मनी के विन्सेंट कीमर ने अमेरिका के ही रॉबसन रे को 2.5-1.5 के अंतर से पराजित किया। अर्जुन ने दोनों ही बाजी में शानदार प्रदर्शन किया और शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी। दूसरी बाजी में सफ़ेद मोहरों से खेलते हुए भारतीय खिलाड़ी ने शुरुआत में ही अपनी स्थिति मजबूत कर ली और फिर अब्दुसत्तोरोव को आसानी से मात दी। इससे पहले पहली बाजी में भी अर्जुन ने बढ़त हासिल की थी, लेकिन बाद में कुछ गलतियों के कारण उज्बेक खिलाड़ी को आधा अंक मिल गया।

यूरो 2025

स्वीडन को हराकर इंग्लैंड पहुंचा सेमीफाइनल में

ज्यूरिख : इंग्लैंड ने तीन मिनट के अंदर दो गोल करके पहले स्कोर बराबर किया और फिर पेनल्टी शूटआउट में स्वीडन को 3-2 से हराकर महिला यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2025) के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

जब निर्धारित समय का खेल समाप्त होने में 12 मिनट का समय बचा था तब गत चैंपियन इंग्लैंड दो गोल से पीछे चल रहा था। उसने लूसी ब्रोंज (79वें) और स्थानापन्न मिशेल अग्येमांग (81वें) के गोल की मदद से स्कोर 2-2 से बराबर किया और फिर पेनल्टी शूटआउट में जीत हासिल करके खिताब बचाने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। इससे पहले कोसोवरे अस्लानी ने स्वीडन को दूसरे मिनट में ही बढ़त दिला दी थी जिसे स्टिना ब्लैकस्टेनियस ने 25वें मिनट में दोगुना कर दिया था। सेमीफाइनल में इंग्लैंड का सामना मंगलवार को इटली से होगा।

न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे को रौंदा

हरारे, एजेंसी

मैट हेनरी (तीन विकेट) के बाद डेवोन कॉन्वे (नाबाद 59) की शानदार अर्धशतकीय पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को टी-20 त्रिकोणीय सीरीज के तीसरे मुकाबले में 37 गेंदे शेष रहते जिम्बाब्वे को आठ विकेट से हरा दिया।

121 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में टिम सीफर्ट (पांच) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये रचिन रविंद्र ने मोर्चा संभाला। उन्होंने डेवोन कॉन्वे के साथ दूसरे विकेट के लिए 59 रनों की साझेदारी की। नौवें ओवर में टी मपोसा ने रचिन रविंद्र को आउटकर जिम्बाब्वे को दूसरी सफलता दिलाई। रचिन ने 19 गेंदों में चार चौके और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाये। इसके बाद डैरिल मिचेल 19 गेंदों में (नाबाद 26) और डेवोन कॉन्वे 40 गेंदों में (नाबाद 59) की जोड़ी ने और कोई विकेट नहीं

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेवोन कॉन्वे और रचिन रविंद्र रन लेते हुए। ● एजेंसी

● **टी-20 त्रिकोणीय सीरीज के तीसरे मुकाबले में जिम्बाब्वे को आठ विकेट से हराया**

गिरने दिया। न्यूजीलैंड ने 13.5 ओवर में दो विकेट पर 122 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। जिम्बाब्वे की ओर से टी मपोसा और ब्लेसिंग मुजारबानी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 120 रन का स्कोर बनाया। जिम्बाब्वे के लिए वेस्ली मधेवेरे और ब्रायन बेनेट की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिये 37 रन जोडे.। छठे ओवर में मैट हेनरी ने ब्रायन बेनेट (21) को आउटकर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये क्लाइव मडांडे ने वेस्ली के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 10वें ओवर में रचिन ने उन्हें आठ रन पर स्टंप आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे जिम्बाब्वे का कोई भी बल्लेबाज खुलकर नहीं खेल सका।

भारत 'ए' हॉकी टीम यूरोपीय दौरे पर बेल्जियम से हारी

एंटवर्प (बेल्जियम) : भारतीय 'ए' पुरुष हॉकी टीम को यहां यूरोपीय दौरे पर मेजबान बेल्जियम के खिलाफ 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारत 'ए' के लिए कप्तान संजय ने बृहस्पतिवार को हुए इस मैच का इकलौता गोल किया। बेल्जियम ने अपने तीनों गोल पहले क्वार्टर में ही दाग दिए थे। भारत ने शुरुआती क्वार्टर के बाद मैच में अच्छी वापसी करते हुए गेंद पर अधिक कब्जे के साथ बेल्जियम पर दबाव बनाये रखा। टीम ने इस दौरान गोल करने के कुछ अच्छे मौके बनाये लेकिन उसे एकमात्र सफलता आखिरी क्वार्टर में मिली।

भारत 'ए' के कोच शिवेंद्र सिंह ने मैच के बाद कहा हमने खराब शुरुआत होने के बावजूद, कुल मिलाकर अच्छा प्रदर्शन किया। हमारी टीम जल्दी पिछड़ने के बावजूद वापसी करने और दूसरे हाफ में मैच पर मजबूत पकड़ बनाने में सफल रही। हमने इस दौरान कई मौके बनाए, हमें उन मौकों को गोल में बदलने के मामले पर सुधार करना होगा। भारतीय टीम अब शुक्रवार (18 जुलाई) और रविवार (20 जुलाई) को नीदरलैंड के खिलाफ खेलेगी। शिवेंद्र ने कहा हमें अब विश्व की नंबर एक टीम के खिलाफ खेलना है। इन खिलाड़ियों के करियर के लिए यह अनुभव काफी मायने रखेगा।

इगा स्वियाटेक ने हासिल कीं कई अविश्वसनीय उपलब्धियां

वारसॉ, एजेंसी

● **इस वर्ष छठा ग्रैंड स्लैम और पहला विंबलडन खिताब जीत देश के लिए रचा इतिहास**

● **तीनों सतहों क्ले, हार्ड और ग्रास पर ग्रैंड स्लैम जीतने वाली एकमात्र हैं सक्रिय महिला**

पोलैंड की स्टार महिला टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियाटेक ने विंबलडन का खिताब जीतकर कई अविश्वसनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इगा स्वियाटेक ने इस साल ऑल इंग्लैंड क्लब में अपने करियर का छठा ग्रैंड स्लैम और पहला विंबलडन खिताब जीता और इस दौरान कई तरह उपलब्धियां हासिल की। इगा स्वियाटेक तीनों सतहों 'क्ले, हार्ड और ग्रास' पर ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाली एकमात्र सक्रिय महिला हैं।

उन्होंने 2020, 2022, 2023 और 2024 में रौलां गैरो में क्ले कोर्ट पर चार, 2022 में यूएस ओपन में हार्ड कोर्ट पर एक और अब 2025 में विंबलडन में ग्रास कोर्ट पर अपना पहला खिताब जीता है।

24 वर्षीय स्वियाटेक अमेरिका की सेरेना विलियम्स के बाद तीनों सतहों पर मेजर खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की महिला हैं।

सेरेना 20 साल की थीं जब उन्होंने 2002 में विंबलडन (ग्रास कोर्ट पर) में अपना सरफेस स्लैम पूरा किया था। इससे पहले उन्होंने 1999 में यूएस ओपन (हार्ड कोर्ट पर) और 2002 में रौलां गैरो (क्ले कोर्ट पर) जीता था। वह तीन अलग-अलग तरह के टूर्नामेंट जीतने वाली एकमात्र सक्रिय महिला टेनिस खिलाड़ी हैं। वह अभी तक ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब नहीं जीत पाई हैं। अब उनके पास इस सदी में किसी महिला टेनिस खिलाड़ी द्वारा जीते गए चौथे सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम खिताब है। उन्होंने मारिया शारापोवा, जिन्होंने पांच ग्रैंड स्लैम जीते थे, को पीछे छोड़ा है। वह अब केवल सेरेना (जिन्होंने इस सदी में अपने 23 में से 22 ग्रैंड स्लैम जीते हैं), वीनस विलियम्स (जिन्होंने सात ग्रैंड स्लैम जीते हैं) और जस्टिन हेनिन (जिन्होंने भी सात ग्रैंड स्लैम जीते हैं) से पीछे हैं। 2018 में जूनियर वर्ग जीतने के बाद, इगा ओपन एरा में विंबलडन में लड़कियों और महिलाओं दोनों का खिताब जीतने वाली केवल चौथी महिला हैं।

वह मार्टिना हिंगिस (1994 और 1997), एमिली मौरेस्मो (1996 और 2006) और एश्ले बार्टी (2011 और 2021) के साथ उस विशिष्ट सूची में शामिल हो गईं। वह पिछले चार वर्षों से, 2022 से 2025 तक, हर साल कम से कम एक खिताब जीत रही हैं और ऐसा करने वाली एकमात्र महिला हैं।

इगा स्वियाटेक।

भगदड़ मामले में आरसीबी पर अभी नहीं होगी कार्रवाई

बेंगलुरु, एजेंसी

● कर्नाटक मंत्रिमंडल ने किया पहले रिपोर्ट के और अध्ययन का फैसला

कर्नाटक सरकार ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के आईपीएल जीत समारोह के आयोजकों के खिलाफ कार्रवाई पर अपना फैसला टाल दिया है। इस आयोजन के दौरान 4 जून को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई थी, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी और 50 से ज्यादा घायल हो गए थे।

मंत्रिमंडल को हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जॉन माइकल कुन्हा की दो खंडों वाली अंतिम रिपोर्ट प्राप्त हुई, लेकिन कार्रवाई करने से पहले इसका और अध्ययन करने का निर्णय लिया गया। कानून मंत्री एचके पाटिल ने संवाददाताओं से कहा, कैबिनेट को रिपोर्ट मिल गई है। हम अगली बैठक में इसका अध्ययन करेंगे और निर्णय लेंगे।

आरसीबी, कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ और आयोजक डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क्स के खिलाफ आरोपों पर विचार किया जा रहा है। राज्य सरकार ने इससे पहले 12 जून को हाईकोर्ट को सौंपी रिपोर्ट में आयोजकों पर पुलिस मंजूरी के बिना कार्यक्रम करने और सुरक्षा प्रोटोकॉल की अनदेखी का आरोप लगाया था।

विमान हादसे के पीड़ितों के लिए बना 500 करोड़ रुपये का कल्याण ट्रस्ट

नई दिल्ली। टाटा संस और टाटा ट्रस्ट ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने एअर इंडिया विमान हादसे के पीड़ितों के लिए 500 करोड़ रुपये का कल्याणकारी ट्रस्ट स्थापित किया है।

'एआई-171 मेमोरियल एंड वेलफेयर ट्रस्ट' का पंजीकरण मुंबई में कराया गया है। टाटा संस और टाटा ट्रस्ट ने इसे 250-250 करोड़ रुपये का योगदान देने की प्रतिबद्धता जताई है, जिसमें मारे गए लोगों के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि देना भी शामिल है। ट्रस्ट के उद्देश्यों में हादसे में गंभीर घायलों के इलाज का खर्च और क्षतिग्रस्त हुए बीजे मेडिकल कॉलेज छात्रावास के बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए सहायता भी शामिल होगी।

सैकड़ों में तादाद, दुनिया का चैन हराम

आतंकवादी संगठन

अमेरिका की ओर से पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेने वाले संगठन टीआरएफ को आतंकी संगठन घोषित करना अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के नजरिए से काफी अहम है। इसे एक कूटनीतिक और रणनीतिक कदम माना जा सकता है, जिससे पाकिस्तान आधारित आतंकी गतिविधियों पर अंतरराष्ट्रीय ध्यान केंद्रित होगा। साथ ही भारत की सुरक्षा चिंताओं को वैश्विक मंच पर समर्थन मिलने और ऐसे संगठनों के खिलाफ बहुपक्षीय कार्रवाई की राह खुलने की उम्मीद है। हालांकि दुनिया में ऐसे तमाम संगठनों को आतंकी संगठन घोषित किया जा सकता है जिन्होंने तमाम देशों का चैन हराम कर रखा है।

क्या है ऐसी घोषणा का महत्व

- अमेरिका का किसी संगठन को विदेशी आतंकी संगठन घोषित करना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उस संगठन की निंदा का संकेत होता है जो दिखाता है कि यह संगठन वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा है।
- टीआरएफ को पाकिस्तान में स्थापित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा माना जाता है। इसे आतंकी घोषित करने से पाकिस्तान पर दबाव बढ़ेगा कि वह इस संगठन पर सख्त कार्रवाई करे।
- टीआरएफ को आतंकी संगठन घोषित करने के बाद अमेरिका में उसकी संपत्ति जब्त की जा सकती है। इनसे जुड़े किसी व्यक्ति या संस्था को अमेरिका में वित्तीय लेनदेन करने की अनुमति नहीं होती।

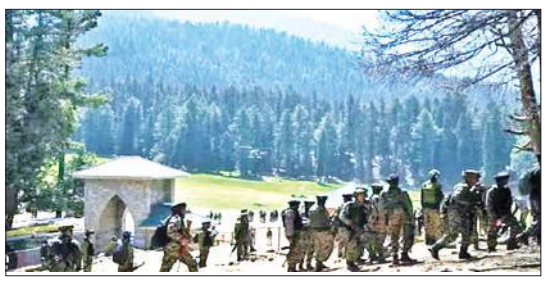

पाकिस्तानी मूल के संगठन

संयुक्त राष्ट्र की सूची में 10 से 12 और अमेरिकी एफटीओ की सूची में 14 से 16 संगठन पाकिस्तान आधारित हैं। इनमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हक्कानी नेटवर्क, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, हरकत-उल-मुजाहिदीन, अल-बदर और हाल ही में टीआरएफ हाल ही में शामिल हुआ है।

हर देश की आतंकी संगठनों की अपनी सूची

- भारत अनलॉफुल एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट के तहत आतंकी संगठनों को सूचीबद्ध करता है।
- अमेरिका फॉरेन टेररिस्ट ऑरगेनाइजेशन और स्पेशली डेजिगनेटेड ग्लोबल टेररिस्ट के तहत।
- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की वैश्विक आतंकी सूची सभी सदस्य देशों के लिए मान्य होती है।
- सिर्फ संयुक्त राष्ट्र की घोषणा ही बाध्यकारी होती है। बाकी घोषणाएं घरेलू हितों पर आधारित।

आतंकवादी संगठनों पर कार्रवाई

- कानूनी तौर पर ऐसे संगठनों की संगठन की संपत्तियां जब्त की जा सकती हैं। उनकी सदस्यता, सहयोग, प्रचार या फंडिंग देना अपराध बन जाता है।
- ऐसे संगठन के किसी सदस्य को वीजा या देश में प्रवेश नहीं दिया जाता। संगठन से जुड़े लोगों पर अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट जारी हो सकते हैं।
- संरक्षण देने वाले देश पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बनता है। अन्य देश भी सहयोगी कदम उठाते हैं, जैसे यूरोपीय यूनियन या ऑस्ट्रेलिया द्वारा प्रतिबंध लगाना।

दुनिया भर में ऐसे सैकड़ों संगठन

- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की ओर से 60 से ज्यादा संगठनों को आतंकवादी घोषित किया गया है।
- अमेरिका ने जुलाई 2025 तक 70 से अधिक संगठनों को एफटीओ के रूप में सूचीबद्ध किया है।
- भारत ने 50 से अधिक संगठनों पर अनलॉफुल एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट के तहत प्रतिबंध लगाया है।

एक नजर

आईआईटी खड़गपुर का छात्र फंदे पर लटका

कोलकाता। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर में चौथे वर्ष के छात्र रितम(21) मंडल अपने होस्टल के कमरे में फांसी पर लटके पाए गए। पुलिस ने बताया कि आईआईटी के राजेन्द्र प्रसाद परिसरमें होस्टल के कमरा संख्या 203 में रितम को लटका हुआ पाया गया। आईआईटी अधिकारियों ने सुबह 11 इसकी सूचना हिजली पूलिस चौकी को दी। छात्र को बीसी राय अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उसे लाए जाने पर मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस का मानना है कि यह आत्महत्या का मामला हो सकता है।

मीरवाइज ने लगाया फिर नजरबंद करने का आरोप

श्रीनगर। कश्मीर के मुख्य मौलवी एवं हुर्रियत अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक ने आरोप लगाया कि उन्हें लगातार दूसरे शुक्रवार को नजरबंद कर दिया गया और उनके आवास तक पहुंचने के सभी रास्तों पर बैरिकेड लगा दिया गया है। मीरवाइज ने एक्स पर पोस्ट में कहा, लगातार दूसरे शुक्रवार को भी मैं घर में नजरबंद हूं। मेरे घर की हर गली में बैरिकेड लगा दिया गया है जिससे पूरे मोहल्ले के लोगों को असुविधाएं झेलनी पड़ रही है। उन्होंने कहा, मैं हुक्मरानों को स्पष्ट कर दूं कि हमारे शहीदों की यादों को वे नियंत्रित नहीं कर सकते। वे हमारे दिलों में बसती हैं।

एक दिन के स्थगन के बाद अमरनाथ यात्रा फिर शुरू

जम्मू। कश्मीर में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण एक दिन के लिए स्थगित अमरनाथ यात्रा शुक्रवार को फिर शुरू हो गई। 7,900 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था जम्मू से दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित गुफा मंदिर के दोनों आधार शिविरों के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि सीआरपीएफ और पुलिस सुरक्षा में 7,908 तीर्थयात्रियों का 16वां जत्था 261 वाहनों से भगवती नगर आधार शिविर से तड़के साढ़े तीन बजे से चार बजकर 25 मिनट के बीच रवाना हुआ।

जर्मनी ने 81 अफगान नागरिकों को वापस भेजा

बर्लिन। जर्मनी ने निर्वासित किये गये दर्जनों अफगान नागरिकों को शुक्रवार को उनके मूल देश वापस भेज दिया। जर्मनी में नई सरकार द्वारा प्रवासन पर सख्त रुख अपनाये जाने के बाद पहली बार और अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता पर कब्जे के बाद दूसरी बार ऐसा हुआ है। गृह मंत्रालय ने बताया कि शुक्रवार सुबह रवाना हुई उड़ान में 81 अफगान नागरिकों को वापस भेजा गया। ये सभी पुरुष हैं और पहले से ही न्यायिक प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की जा चुकी थी।

संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों के प्रमुखों को गाजा नहीं आने दे रहा इजराइल

मानवाधिकार समेत तीन एजेंसियों के प्रमुखों का नहीं किया वीजा नवीनीकरण

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

इजराइल ने गाजा में संयुक्त राष्ट्र के कम से कम तीन एजेंसियों के प्रमुखों के वीजा का नवीनीकरण करने से इनकार कर दिया है। फरवरी 2025 के बाद वे गाजा नहीं जा पाए हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार एजेंसी प्रमुख ने इसके लिए युद्ध प्रभावित क्षेत्र में फलस्तीनी नागरिकों की रक्षा से जुड़े उनके काम को कारण बताया है।

संयुक्त राष्ट्र प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने पुष्टि की कि मानवाधिकार मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय, मानवाधिकार एजेंसी ओएचसीएचआर और गाजा में फलस्तीनियों की सहायता करने वाली एजेंसी यूएनआरडब्ल्यूए के स्थानीय नेताओं के वीजा का हाल के महीनों में नवीनीकरण नहीं किया गया है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार मामलों के प्रमुख टॉम फ्लेचर ने सुरक्षा परिषद को बताया कि संयुक्त राष्ट्र का मानवीय अधिदेश केवल जरूरतमंद नागरिकों को सहायता प्रदान करना और अपने कर्मचारियों द्वारा देखी गई घटनाओं की रिपोर्ट करना ही नहीं है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून की वकालत करना भी है। उन्होंने कहा, हमारे वकालत के अधिदेश और सहायता पहुंचाने के बीच तनाव गाजा से अधिक कहीं नहीं है। इजराइल का वीजा नवीनीकरण नहीं करना या उसकी अवधि कम किया जाना स्पष्ट रूप से नागरिकों की सुरक्षा संबंधी हमारे काम के जवाब में है।

हमास से साठगांठ का आरोप लगाता रहा है इजराइल

इजराइल हमास के दक्षिणी इजराइल में 7 अक्टूबर 2023 के अचानक हमले से पहले से ही संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) की तीखी आलोचना करता रहा है। इजराइल उस पर हमास के साथ मिलीभगत करने और इजराइल विरोधी नफरत फैलाने का आरोप लगाता रहा है, जिसका यूएनआरडब्ल्यूए पुरजोर खंडन करता है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनके दक्षिणपंथी सहयोगियों ने दावा किया है कि यूएनआरडब्ल्यूए में हमास की गहरी घुसपैठ है और इसके कर्मचारियों ने 7 अक्टूबर के हमलों में हिस्सा लिया था। इजराइल ने औपचारिक रूप से यूएनआरडब्ल्यूए को अपने क्षेत्र में काम करने से प्रतिबंधित कर दिया है।

सीरिया पर इजराइली हमले पर अरब देशों और तुर्की ने जताई नाराजगी

इस्तांबुल। अरब देशों और तुर्की ने शुक्रवार को सीरिया की सुरक्षा, एकता, स्थिरता और संप्रभुता के लिए अपना समर्थन दोहराया और उसके आंतरिक मामलों में किसी भी तरह के विदेशी हस्तक्षेप को अस्वीकार कर दिया है। उन्होंने इजराइल की ओर से बार-बार किए गए हमलों की भी निंदा की। यह बयान संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन, बहरीन, सऊदी अरब, इराक, ओमान, कतर, कुवैत, लेबनान, मिस्र और तुर्की के विदेश मंत्रियों ने संयुक्त रुप से जारी किया। सऊदी विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस संयुक्त बयान में मंत्रियों ने सीरिया की सुरक्षा, स्थिरता और संप्रभुता के लिए समर्थन दोहराया गया और उसके आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप को लेकर दृढ़ अस्वीकृति जताई गई। इसमें कहा गया है कि वे सीरियाई अरब गणराज्य पर बार-बार होने वाले इजराइली हमले अंतरराष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन और सीरिया की संप्रभुता पर खुला हमला है।

ओली ने कहा, सही समय पर करूंगा भारत की यात्रा

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने कहा है कि वह उचित समय पर भारत की यात्रा करेंगे और उनकी यात्रा को लेकर दोनों पक्ष जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने अपनी भारत यात्रा के समय के बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

● **भारत के साथ संबंधों में खटास की अटकलों के बीच बयान**

भारत यात्रा के बारे में ओली की यह टिप्पणी स्थानीय मीडिया की ओर से लगाई जा रही इन अटकलों के बीच आई है कि प्रधानमंत्री को नयी दिल्ली से आधिकारिक यात्रा के लिए कोई निमंत्रण नहीं मिला है, जिससे यह संकेत मिलता है कि भारत के साथ उनके संबंधों में खटास आ गई है। ओली ने बृहस्पतिवार देर रात नेपाली यूट्यूब चैनल 'दिशानिर्देश टीवी' के साथ एक साक्षात्कार में कहा, मैं संभवतः भारत की यात्रा पर जाऊंगा। मेरी भारत यात्रा दोनों पक्षों की ओर से आवश्यक जमीनी कार्य पूरा करने के बाद होगी।

विशेष अदालतें न बनाई तो रिहा करना पड़ेगा एनआईए यूएपीए के आरोपियों को

नई दिल्ली, एजेंसी

● **सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और महाराष्ट्र सरकार को निर्देशों को नजरंदाज करने पर लगाई फटकार**

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को विशेष कानूनों के तहत दर्ज मामलों के लिए अदालतें स्थापित नहीं करने के लिए केंद्र और महाराष्ट्र सरकार को फटकार लगाई। शीर्ष अदालत ने चिंता जताते हुए कहा, इससे आरोपियों को जमानत देने के लिए अदालतें मजबूर होंगी।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अपने आदेश में कहा कि यदि सरकार एनआईए अधिनियम और अन्य विशेष कानूनों के तहत त्वरित सुनवाई के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे वाली अदालतें स्थापित करने में विफल रहती है, तो अदालत को अनिवार्य रूप से आरोपियों को जमानत पर रिहा करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा क्योंकि समयबद्ध तरीके से मुकदमे को पूरा करने के लिए कोई प्रभावी तंत्र नहीं है।

पीठ ने केंद्र और महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राजकुमार भास्कर ठाकरे से कहा कि मौजूदा अदालतों को विशेष अदालतें नामित करना उच्च न्यायालय को उन्हें पुनः 'रीलेबल' करने के लिए मजबूर करने के समान है। पीठ ने कहा, हम इस बात से संतुष्ट हैं कि एनआईए अधिनियम और अन्य विशेष कानूनों के तहत मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए विशेष अदालतें स्थापित करने के लिए कोई प्रभावी या प्रत्यक्ष कदम नहीं उठाए गए हैं।

विशेष कोर्ट के लिए देनी पड़ेंगी अलग सुविधाएं

पीठ ने कहा कि विशेष अदालतों के लिए वरिष्ठ न्यायिक अधिकारियों, कर्मचारियों, अदालत कक्ष और बुनियादी सुविधाओं के लिए पदों का सृजन करना होगा। उसके आदेशों के विपरीत, यह धारणा बनाई गई कि एनआईए अधिनियम के तहत मौजूदा अदालत को विशेष अदालत के रूप में नामित करना निर्देशों का पर्याप्त अनुपालन होगा। पीठ ने कहा कि अदालतों को विशेष अदालतों के रूप में नामित करना या एनआईए अधिनियम और अन्य विशेष कानूनों के तहत मौजूदा अदालतों को विशेष सुनवाई सौंपना, जेलों में बंद विचाराधीन कैदियों और वृद्ध कैदियों, समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों की कीमत पर होगा।

बीएसएफ ने अमृतसर सीमा पर छह पाकिस्तानी ड्रोनों को मार गिराया

जालंधर, एजेंसी

● ड्रग तस्करी का मामला, गिराए गए सभी ड्रोनों से 2.340 किलो हेरोइन बरामद

पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्रों में पिछले कुछ घंटों के दौरान चलाए गए अभियानों में बीएसएफ ने छह पाकिस्तानी ड्रोनों को मार गिराया और कुल मिलाकर 2.340 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है।

बीएसएफ के प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए, सतर्क बीएसएफ जवानों ने कल रात अमृतसर के सीमावर्ती क्षेत्र में कई घटनाओं में 6 पाकिस्तानी ड्रोन और संदिग्ध हेरोइन के 4 पैकेट बरामद किए। उन्होंने कहा कि गुरुवार की रात के समय, ड्यूटी पर तैनात सतर्क बीएसएफ जवानों ने अमृतसर सीमा पर लगातार ड्रोन घुसपैठ को रोका। त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए, सीमा पर तैनात तकनीकी प्रतिरोधक उपायों को सक्रिय किया गया, जिससे पाकिस्तान की ओर से आने वाले हर नार्को ड्रोन को बिना किसी त्रुटि के निष्क्रिय कर दिया गया।

अरुणाचल प्रदेशः हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले में सुरक्षाबलों ने एक तलाशी अभियान में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। रक्षा जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि तलाशी अभियान में मियाओ-विजयनगर क्षेत्र में छह हथियार और गोला-बारूद जब्त किए। अभियान के दौरान विशेष टीमों, विशिष्ट तकनीकी उपकरणों और खोजी कुत्तों को तैनात किया गया था। अधिकारी ने बताया कि जब्त हथियारों के स्त्रोत और मकसद का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

यमन में भारतीय नर्स निमिषा की फांसी पर लगी रोक : केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि यमन में हत्या के जुर्म में मौत की सजा का सामना कर रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करने के लिए सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ को सूचित किया गया कि प्रिया की फांसी पर रोक लगा दी गई है। उसे 16 जुलाई को फांसी दी जानी थी। याचिकाकर्ता संगठन 'सेव निमिषा प्रिया- इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल' के वकील ने पीड़ित परिवार से बातचीत के लिए यमन जाने के वास्ते केंद्र से एक प्रतिनिधिमंडल बनाने का अनुरोध किया है। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता सरकार के समक्ष अपना पक्ष रख सकता है।

लोक कला

मध्य प्रदेश के लोक कलाकार जयपुर में राज्य के पर्यटन संवर्धन कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देते हुए। हर साल यहां पर्यटन विकास के लिए ऐसे कार्यक्रम होते हैं जिनमें कई राज्यों के लोक कलाकार शामिल होते हैं। पर्यटक इन कार्यक्रमों का खूब लुत्फ उठाते हैं। एजेंसी

यूक्रेन के समर्थन में ब्रिटेन और ईयू ने रूस पर लगाए नए प्रतिबंध

ब्रसेल्स, एजेंसी

● ऊर्जा क्षेत्र और पुराने तेल टैंकरों के बेड़े को बनाया निशाना

यूरोपीय संघ और ब्रिटेन ने रूस पर यूक्रेन के खिलाफ युद्ध खत्म करने का दबाव बढ़ाते हुए मॉस्को के ऊर्जा क्षेत्र, पुराने तेल टैंकरों के बेड़े और सैन्य खुफिया सेवा के कर्मियों को शुक्रवार को नए प्रतिबंधों से निशाना बनाया।

ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कालास ने कहा, संदेश साफ है, यूरोप यूक्रेन का समर्थन करने में पीछे नहीं हटेगा। यूरोपीय संघ तब तक दबाव बढ़ाता रहेगा, जब तक रूस अपना युद्ध समाप्त नहीं कर देता। कालास की यह टिप्पणी यूरोपीय संघ के तेल की कीमतों पर नयी सीमा लागू करने सहित अन्य नये उपायों पर सहमति जताने के बाद आई। उन्होंने कहा कि यह तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध के संदर्भ में रूस के खिलाफ अब तक का सबसे कड़ा प्रतिबंध पैकेज है। ये पैकेज ऐसे समय में आया है, जब यूरोपीय देश यूक्रेन के लिए अमेरिकी हथियार खरीदना शुरू कर रहे हैं, ताकि देश अपनी सुरक्षा बेहतर ढंग से कर सके।

भारत ने कहा, दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने यूरोपीय संघ द्वारा रूस पर, विशेष रूप से उसके ऊर्जा व्यापार पर, नए दंडात्मक उपायों की घोषणा के जवाब में कहा कि भारत किसी भी एकतरफा प्रतिबंध उपायों का समर्थन नहीं करता है। ईयू के रूस पर नए प्रतिबंधों की घोषणा में भारत की रॉसनेफ्ट रिफाइनरी का भी नाम शामिल है।

लॉस एंजिलिस के शेरिफ कार्यालय में धमाका, 3 की मौत

लॉस एंजिलिस। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी ने कहा है कि लॉस एंजिलिस काउंटी के शेरिफ विभाग (कानून प्रवर्तन एजेंसी) के प्रतिष्ठान में हुए धमाके में कम तीन लोगों की मौत हो गई है।

शुक्रवार सुबह प्रतिष्ठान में एक विस्फोट होने की सूचना है। लॉस एंजिलिस काउंटी के शेरिफ विभाग ने किसी भी मौत की पुष्टि नहीं की है। अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने टिप्पणी के अनुरोध का अभी जवाब नहीं दिया है। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम के कार्यालय ने कहा कि उन्हें इस मामले की जानकारी दे दी गई है। लॉस एंजिलिस काउंटी के अग्निशमन विभाग ने कहा कि उसने सुबह लगभग 7.30 बजे एक संभावित विस्फोट के बारे में मिली फोन कॉल पर प्रतिक्रिया दी।

चेतावनी आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा, कृषि क्षेत्र में आयात को छूट से भारतीय किसानों को होगा बड़ा नुकसान

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में बहुत सतर्कता की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

● भारत ने अब तक कृषि और डेरी क्षेत्र में अपने किसी व्यापारिक साझेदार को नहीं दी हैं रियायतें

भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर जारी बातचीत के दौरान भारत को खासकर कृषि क्षेत्र को लेकर बहुत सतर्क रहने और सूझबूझ के साथ काम करने की जरूरत है।

राजन ने एक बातचीत में कहा कि विकसित देश कृषि क्षेत्र को काफी सब्सिडी देते हैं और यह हमें ध्यान रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर फिलहाल छह-सात प्रतिशत के दायरे में स्थिर हो गई है। हालांकि वैश्विक व्यापारिक अनिश्चितताओं के चलते इसमें थोड़ी गिरावट हो सकती है। राजन ने कहा, कृषि जैसे क्षेत्रों में व्यापार समझौते काफी जटिल हो जाते हैं क्योंकि हर देश अपने उत्पादकों को सब्सिडी देता है। भारत के उत्पादक अपेक्षाकृत छोटे हैं और उन्हें कम सब्सिडी मिलती है। ऐसे में यदि कृषि उत्पादों का निर्बाध आयात होने लगे तो इससे हमारे किसानों को नुकसान हो सकता है।

अमेरिका से बातचीत में कृषि क्षेत्र में आयात बड़ा मुद्दा

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर इस सप्ताह वाशिंगटन में पांचवें दौर की बातचीत हुई है। भारत अमेरिकी प्रशासन की तरफ से अप्रैल में घोषित 26 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क को हटाए जाने की मांग कर रहा है। इसके अलावा भारतीय इस्पात एवं एल्युमीनियम पर लगे 50 प्रतिशत और वाहनों पर 25 प्रतिशत शुल्क से राहत देने की मांग रखी गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौता इंडोनेशिया के साथ हुए समझौते की तर्ज पर ही होगा। इसका मतलब है कि कृषि क्षेत्र में आयात की अनुमति देना एक अहम मुद्दा बनने जा रहा है। भारत ने कृषि और डेयरी उत्पादों को आयात रियायत दिए जाने की अमेरिकी मांग पर अपना रुख कड़ा किया हुआ है।

पूर्व आरबीआई गवर्नर ने सुझाव दिया कि विकसित देशों से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा देकर दुग्ध उत्पादों जैसे क्षेत्रों में मूल्यवर्धन को बढ़ाया जा सकता है, जिससे देश के दुग्ध उत्पादकों को फायदा होगा। राजन ने कहा, इसके बजाय हमें यह नहीं कहना चाहिए कि हम अन्य देशों से अधिक दूध के आयात का स्वागत करते हैं, बल्कि हमें समझदारी से रणनीति बनानी चाहिए। इस समय शिकागो बूथ (शिकागो विश्विद्यालय) में वित्त के प्रोफेसेर राजन ने कहा, इस सबके लिए बहुत सतर्क रहने और बहुत सूझबूझ के साथ बात करने की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि हमारी सरकार के अधिकारी इसी काम में लगे हुए हैं।

भारत ने अब तक किसी भी व्यापार समझौते में अपने साझेदार को कृषि एवं डेरी क्षेत्र में शुल्क रियायतें नहीं दी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को अमेरिका की ओर से लगाए गए अतिरिक्त शुल्कों के मुकाबले कुछ अधिक अवसर भी मिल सकते हैं। यदि अमेरिका द्वारा चीन या अन्य एशियाई देशों पर शुल्क भारत से ज्यादा हैं, तो कुछ विनिर्माण गतिविधियां भारत का रुख कर सकती हैं। राजन ने कहा कि भारत ने कुछ क्षेत्रों में संरक्षणवादी रवैया अपनाया है, लेकिन उन क्षेत्रों में उचित प्रतिस्पर्धा लाने और शुल्कों में कटौती से अर्थव्यवस्था को लाभ मिल सकता है।